RNI No. MAHHIN/2008/24974, Postal Regd No. MCS-206/2025-27, License to post without payment **MR/Tech/WPP-287/South/2025-27**
Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai- 01. Posting Date : 14-15 Every Month, Publishing Date : 14 Every Month

आभूषण टाइम्स

वर्ष : 18 | अंक : 05 | जुलाई 2025 | मासिक | पृष्ठ : 120 | मूल्य ₹ 50

Brilliant® Bharat
AN IIJS THEME

Supported by
Department of Commerce
Ministry of Commerce & Industry
Government of India

Organised by
GJEPC INDIA
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry

WORLD'S 2ND LARGEST MOST COMPREHENSIVE
GEM & JEWELLERY B2B SHOW

IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

Concurrent Show
IGJME PREMIERE, Mumbai 2025
INDIA GEM & JEWELLERY MACHINERY EXPO

41st Edition
2100+ Exhibitors
3600+ Stalls
135000+ sq. mtrs of Exhibition Area
50000+ Expected Trade Visitors
Visitors from 1300+ Cities in India
2700+ Visitors from 80+ Countries

Special Attraction
The Select Club
EXCLUSIVE HIGH-END COUTURE JEWELLERY SECTION

Jasmine Hall, 3rd Floor
Jio World Convention Centre
Mumbai

30th July - 3rd August, 2025
Jio World Convention Centre

31st July - 4th August, 2025
Bombay Exhibition Centre

Scan for Visitor Registration

IIJS. WHERE GLOBAL BUSINESS HAPPENS.

The Gem & Jewellery Export Promotion Council
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry

Toll Free Number : 1800-103-4353 | Missed Call Number : +91-7208048100
www.gjepc.org | gjepcindia | gjepcindia | gjepcindia | iijs.gjepc

ORGANISED BY
GJEPC INDIA
Sponsored by Ministry of Commerce & Industry

Supported By
Ministry of Commerce & Industry

In Association With
Consulate General of India Jeddah

Destination Management Company

Strategic Partner
Dubai Jewellery Group

Announcing
The Ultimate B2B Jewellery Destination!

SAUDIJEX
SAUDI INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

Unveiling Excellence, Elevating Business

VENUE : Jeddah Superdome
11th-13th SEPTEMBER 2025

2,000+
Expected No. Of Visiting Companies

Strong GCC Presence
(UAE, Bahrain, Kuwait, Oman, Qatar, Saudi Arabia).

Expanding global reach across
(UAE, Bahrain, Kuwait, Oman, Qatar, Saudi Arabia).

Saudi Market Potential
The fastest-growing luxury market in the world

Bookings Open Now

Mumbai Region
Mr. Mukesh Panwar: +91 9987753840 | mukesh@gjepcindia.com
Ms. Shubhra Sharma: +91 8657893227 / shubhra.sharma@gjepcindia.com
Mr. Shivang Chaturvedi: +91 8657907441 / shivang.chaturvedi@gjepcindia.com
Ms. Pooja Andhe: +91 9892222846 / pooja.andhe@gjepcindia.com

Jaipur Region
Mr. Amit Tandon: +91-6377822729 / amit.tandon@gjepcindia.com

Delhi Region
Mr. Pranabes Hazra: +91 9958622977 / pranabes@gjepcindia.com

Kolkata Region
Mr. Partha Kajli: +91 9830131130 / partha.kajli@gjepcindia.com

Southern Region
Mr. P Anand: +91 8754423658 / p.anand@gjepcindia.com

Gujarat Region
Mr. Malcom Sarkari: +91 9427100648 / malcom@gjepcindia.com

SHANTI GOLD
International Ltd.
YOU ARE INVITED
iiJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLRY SHOW 2025
30th JULY / 4th AUGUST 2025
ZONE NO. 4A
HALL NO. 4- BEC
STALL NO. 4T 486A
9819514517
Andheri East
order@shantigold.in
www.shantigold.in

GM

SWITCH TO A BETTER WORLD

AWARDED FOR THE SECOND CONSECUTIVE YEAR,

BRAND OF THE YEAR' 25-26

We're proud to be awarded Brand of the Year 2024-25 for the second consecutive year by Team Marksmen Network. This honour reflects our focus on innovation, customer satisfaction, business excellence, and societal impact. At GM, we stay ahead by understanding consumer needs and aligning with new trends to deliver future-ready, design-forward electrical solutions. This award reaffirms our pursuit of purposeful innovation and our dedication to shaping a smarter, more connected future.

www.gmmodular.com | info@gmmodular.com |

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन

35 साल में शानदार रही हर ज्वेलर की सहभागिता

मुंबई, भारत की आर्थिक राजधानी होने के साथ-साथ गोल्ड ज्वेलरी के व्यापार की राजधानी भी कही जाती है। मुंबई में देश से सभी बड़े ज्वेलर्स हैं तथा ज्वेलरी के होलसेल खरीददारों, निर्माताओं तथा विक्रेताओं का भी यही शहर एक महत्वपूर्ण केंद्र है। इस महत्वपूर्ण बिजनेस हब के ज्वेलर्स को नई दिशा देने में मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सन 1990 में होलसंल ज्वेलरी बिजनेस के अपनी स्थापना के बाद से, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने मुंबई के थोक गोल्ड बिजनेस और ज्वेलरी उद्योग के हितों की रक्षा, संवर्धन और प्रतिनिधित्व करने में एक केंद्रीय भूमिका निभाई है। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन का वर्तमान नेतृत्व अध्यक्ष महेश बाफना एवं मंत्री श्रेयांस कोठारी के हाथ में है, जिनके नेतृत्व में यह संस्था दिन प्रतिदिन नई उंचाईयों को छू रही है। सन 1990 में मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन अब तक अध्यक्ष पद पर प्रथम अध्यक्ष बाबूलाल कच्छारा के बाद पदम सोनी, अरविंद धाकड़, अरुण मेहरा, विनोद जैन, प्रकाश जैन तथा मंत्री पद पर महावीर

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं, सरकार की विभिन्न एजेंसियों, नीति नियंता निकायों, पुलिस और ज्वेलरी बिजनेस से संबंधित विभागों के सरकारी अधिकारियों के समक्ष अपने सदस्यों के हितों का प्रतिनिधित्व करना। गोल्ड बिजनेस से संबंधित नीतियों और नियमों के निर्माण पर भी मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की राय सदा महत्वपूर्ण मानी गई है।

सब के सहयोग से सफल रहा अध्यक्षीय कार्यकाल

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के 35 साल पूरे होना हमारे सामूहिक संघर्ष, अटूट प्रतिबद्धता और शानदार सफलताओं का एक जश्न है। आज, जब मैं संस्था के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल को देखता हूं, तो मेरा हृदय गर्व और कृतज्ञता से भर उठता है। 35 साल पहले यह यात्रा, जब शुरू हुई थी, तो वक्त कुछ और था, हमारी संस्था का आकार बाजार की तेज रफ्तार के मुकाबले छोटा था, लेकिन आज हमारे ज्वेलरी व्यवसाय के लिए हमारी संस्था एक मशाल बनकर उभरी है, जिसने सभी ज्वेलर्स को एकजुट किया है और हर चुनौती का सामना करने की शक्ति दी है। यह हमारे लिए संतोष की बात है। पिछले 35 सालों में, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने ज्वेलरी व्यवसाय के हितों की रक्षा और संवर्धन के लिए अथक प्रयास किए हैं। हमारा सफर चुनौतियों से भरा रहा है, लेकिन हर बाधा ने हमें और मजबूत बनाया है। मुझे याद है वो दिन, जब हमारे ज्वेलर्स को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा था। हमने हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाई। हमने सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया कि हमारे व्यवसाय को उचित सम्मान और सहयोग मिले। ज्वेलरी बिजनेस से संबंधित जब भी कोई सरकारी नीति हमारे व्यवसाय के लिए हानिकारक दिखी हुई, तो मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने उसका पुरजोर विरोध किया। ज्वेलर्स की इस प्रभावशाली संस्था के अध्यक्ष के रूप में अपने लंबे कार्यकाल में मुझे सभी सदस्यों का पूर्ण सहयोग मिला। यह हमारे सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम है कि हम आज एक ऐसे मुकाम पर खड़े हैं जहाँ हमारा एसोसिएशन लगातार प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर है।

बाबूलाल कच्छारा
पूर्व अध्यक्ष, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन

लोढ़ा, विमल बागरेचा, निमेश जैन एवं अनिल पामेचा के नेतृत्व में उमकी सराहनीय समर्पित सेवाओं से सदा संवरता रहा हैं।

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की स्थापना 1990 के दशक में मुंबई के कुछ दूरदर्शी थोक गोल्ड ज्वेलरी बिजनेसमैन द्वारा की गई थी। उस समय, भारतीय अर्थव्यवस्था उदारीकरण की ओर बढ़ रही थी और गोल्ड का व्यापार भी धीरे-धीरे अधिक संगठित हो रहा था। हालांकि, गोल्ड ज्वेलरी के थोक व्यापारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था, जिनमें स्टेंडर्ड की कमी, बिजनेस में पारदर्शिता का अभाव और सरकारी नीतियों से संबंधित मुद्दे शामिल थे। इन चुनौतियों का सामूहिक रूप से सामना करने और एक मजबूत आवाज बनने के उद्देश्य से कुछ दूरदर्शी ज्वेलरी बिजनेसमैन ने मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की नींव रखी। अपनी स्थापना के बाद, शुरूआती वर्षों में, एसोसिएशन ने अपने प्रथम अध्यक्ष बाबूलाल कच्छारा के नेतृत्व में मुख्य रूप से अपने सदस्यों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया क्योंकि उनका अनुभव था कि विश्वास ही गोल्ड के पूरे बिजनेस की मुख्य आधारशिला है। इसके साथ ही संस्था ने व्यापारिक प्रथाओं में नैतिकता और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए दिशानिर्देश बनाए। इस दौरान, एसोसिएशन ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर बिजनेस की समस्याओं को सुलझाने पर काम करना शुरू किया ताकि गोल्ड के इंपोर्ट

तथा एक्सपोर्ट, सरकारी विभागों के टैक्सेशन और अन्य कानूनी मामलों से संबंधित नीतियों को होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स तथा व्यापारियों के अनुकूल बनाया जा सके।

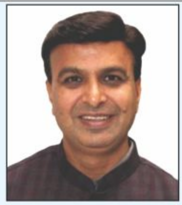

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन हमेशा से ज्वेलर्स के हितों की रक्षा में मजबूती से अग्रणी भूमिका निभाता रहा हैं। संस्था के अध्यक्ष के नाते मुझे जो जिम्मेदारी मिली है उसमें मेरी पहली प्रतिबद्धता संस्था के सदस्यों के प्रति है, जिनका हर कदम पर मुझे संपूर्ण साथ मिलता रहा है। हर बार की तरह हम विभिन्न आयोजनों के जरिए एसोसिएशन के सदस्यों का मेल जोल बढ़ाते रहते हैं एवं ज्वेलरी बिजनेस के विकास के लिए हमारी संस्था पूरी तरह से समर्पित हैं।

महेश बाफना
अध्यक्ष, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन

इतिहास में झांकते हैं, तो सन 2000 के दशक में, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने अपनी गतिविधियों और प्रभाव का विस्तार किया, और एक से दूसरा ज्वेलर भी लगातार जुड़ता गया। भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास और शहरीकरण के साथ, गोल्ड की मांग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। एसोसिएशन ने इस बढ़ती डिमांड को पूरा करने के लिए अपने सदस्यों को सहायता व सलाह प्रदान करने की आभियान चलाया। बाजार नवीनतम प्रवृत्तियों, डिजाइनों और प्रौद्योगिकियों पर जानकारी साझा

एसोसिएशन को मुकाम तक पहुंचाने में सबका अमूल्य योगदान

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में मुझे आप सबकी सेवा करने का अवसर मिला तो मैने तहेदिल से आप सबके सहयोग से हर कार्य पूरा किया। आप सब जानते हैं कि कोई भी संस्था किसी एक व्यक्ति या कुछ लोगों की ताकत से नहीं चलती। सबका सहयोग जरूरी होता है। हम सभी जनते हैं कि हर संस्था की तरह ही, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन में पदाधिकारी भले ही सिमित संख्या में हो, लेकिन इसकी ताकत में सबके साथ शामिल है। मैं उन सभी व्यक्तियों का हृदय से आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन को आज इस मुकाम तक पहुंचाने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। चाहे वह कोई बड़ा आंदोलन रहा हो, कोई भव्य आयोजन रहा हो, या फिर रोज़मर्रा का

अरूण मेहरा
पूर्व अध्यक्ष, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन

कोई भी कार्य - हमारी हर सफलता के पीछे, हर एक ज्वेलर्स का निस्वार्थ सहयोग रहा है। मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने अपने संस्थान बंद करके बाजार के विकास के हमारे प्रदर्शनों में भाग लिया। मैं उन लोगों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने घंटों बैठकर हमारे संगठन की बैठकों में भाग लिया और अपनी बहुमूल्य राय दी। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने हर छोटे-बड़े आयोजन को सफल बनाने में अपना पसीना बहाया, साथ दिया, सहयोग दिया व आर्थिक सहायता भी दी। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन एक बेहतरीन संस्था बनें उस दिशा में भी मेरे कार्यकाल में आपस सबका सहयोग व समर्थन रहा। आनेवाले समय में भी संस्था को आप सभी का विश्वास और समर्थन मिलता रहे, तभी संस्था और मजबूत होगी।

करने के लिए नए दौर में था, तो संस्था ने भी नियमित सेमिनार और जानकारियां देकर ज्वेलर्स को जागरूक करने के अभियान आयोजित करना शुरू किया। अपने शुरुआती दौर में, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने बाजार में चले व्यावसायिक विकास के कई अभियानों तथा सरकारी नीतियों के विरोध आंदोलनो में में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्था ने उपभोक्ताओं और खुदरा विक्रेताओं के बीच विश्वास बढ़ाने के लिए हॉलमार्किंग और गुणवत्ता नियंत्रण को बढ़ावा दिया, जीएसटी स्ट्रक्चर का स्वागत किया तो गोल्ड पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने खिलाफ तत्कालीन सरकार के विरोध में आंदोलन में भी अग्रणी भूमिका निभाई। एसोसिएशन की सलाह पर संस्था के सदस्य ज्वेलर्स ने विभिन्न ट्रेड फेयर्स और एग्जिबिशन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे संस्था के लगभग सभी सदस्यों को गोल्ड ज्वेलरी के नए बाजार तलाशने और अपने व्यापारिक नेटवर्क विकसित करने के साथ ही बिजनेस बढ़ाने में मदद मिली और उसके परिणाम ये रहे कि सभी का व्यापार बहुत तेजी से बढ़ने लगा। वर्तमान में, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन मुंबई के गोल्ड के थोक व्यापार का एक मजबूत और विश्वसनीय प्रतीक है तथा लगभग 700 प्लेटिनम सदस्य और 700 साधारण सदस्य टोटल 1400 सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है। अब एसोसिएशन की स्तिथि यह है कि बड़ी संख्या में ज्वेलर्स इसके सदस्य बनने को उत्सुक है, जिनमें छोटे, मझोले और बड़े, सभी तरह के होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स शामिल हैं।

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं, सरकार की विभिन्न एजेंसियों, नीति नियंता निकायों, पुलिस और ज्वेलरी बिजनेस से संबंधित विभागों के सरकारी अधिकारियों के समक्ष अपने सदस्यों के हितों का प्रतिनिधित्व करना। गोल्ड बिजनेस से संबंधित नीतियों और नियमों के निर्माण पर भी मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की राय सदा महत्वपूर्ण मानी गई है।

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष महेश बाफना एवं मंत्री श्रेयांस कोठारी के नेतृत्व में यह संस्था अपने सदस्यों को बाजार में गोल्ड व सिल्वर की तेजी से घटती - बढ़ती कीमतों की जानकारी देने के साथ ही, गोल्ड के इंपोर्ट - एक्सपोर्ट के हालात, तेजी से बदलते टैक्स ग्राफ और अन्य कानूनी मामलों से संबंधित नीतियों को होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स तथा व्यापारियों के अनुकूल बनाए जाने पर भी मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन हमेशा अग्रणी भूमिका में रहा है। एसोसिएशन अपने

विधानसभा अध्यक्ष से मिला एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल

वार्षिक गेट-टुगेदर

मजबूत संगठन ही भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में, मैंने हमेशा अपने ज्वेलर्स भाइयों के हितों को सर्वोपरि रखा है, जो कि मेरी पहली जिम्मेदारी रही। मेरा प्रयास रहा है कि मैं एक ऐसा नेतृत्व प्रदान करूं जो समावेशी हो, जो सबकी सुने और जो सबके लिए काम करे। मैं खुशनसीब हूं कि हमारे हर काम में हमें सभी सदस्यों का दिल खेल कर सहयोग मिला। आप सबके सहयोग से मैंने हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन सिर्फ एक संस्था न रहे, बल्कि यह हर ज्वेलर्स की अपनी संस्था बने - एक ऐसी जगह जहां हर ज्वेलर अपनी चिंताओं को साझा कर सकें, समाधान ढूंढ सकें और अपने व्यापार के विकास की राह चुन कर एक साथ मिलकर आगे बढ़ सकें। यह अच्छी बात है कि संस्था ने कई नई पहलें की हैं, जैसे कि क्रिकेट के खेल के जरिए सदस्यों के बीच नेटवर्किंग को बढ़ावा देना, मेघ मल्हार जैसे आयोजन संस्था में सामंजस्य बढ़ा रहे हैं। मेरा मानना है कि एक मजबूत ज्वेलर्स संगठन ही हमें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है, तो हमने उस दिशा में संगठिक्त प्रयास किए और संस्था को मजबूत बबनाया। मुझे खुशी है कि मैं मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के विकास और प्रगति का एक हिस्सा बन सका।

पदम सोनी
पूर्व अध्यक्ष, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन

सदस्यों के बीच व्यापारिक विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने में मदद करने का साथ साथ, बाजार से संबंधित सेमिनार और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता हैं ताकि संस्था के सदस्यों को नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों और प्रौद्योगिकियों से अपडेट रखा जा सके। गोल्ड मार्केट में युवा पीढ़ी के ज्वेलर्स बड़ी तादाद में हैं, उनकी सक्रियता को देखते हुए मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन विभिन्न सामाजिक पहलों में भी संलग्न रहा है, जैसे उड़ान यूथ विंग के विभिन्न आयोजनों के अलावा, क्रिकेट प्रतियोगिता, मोटिवेशनल सेशन, वार्षिक पिकनिक आदि के आयोजन भी होते रहे हैं। ये सभी आयोजन तथा गतिविधियां, एसोसिएशन की अपने ज्वेलर्स सदस्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हाल ही में संस्था के सदस्यों को जोड़ने में तेजी आई हैं।

इसके अलावा संस्था का एक स्थाई कार्यालय भी हो गया है, और इसी वर्ष क्रिकेट का एक भव्य टूर्नामेंट हुआ जिसे बहुत अच्छी सफलता मिली। एसोसिएशन द्वारा समय समय पर जीजेसी और इब्जा के कार्यक्रमो को भी अपना सहयोग देती हैं।

भविष्य की बात करें, तो डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स परिवर्तन, उपभोक्ता नियमों तथा बाजार की प्राथमिकताओं में बदलाव का जमाना है। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन अब इनके लिए भी कमर कस रहा है ताकि बदते हुए जमाने में बाजार के नई चुनौतियों का

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन पदाधिकारी - 2024-26

PRESIDENT

Mahesh Bafna
Bhawani Gold Pvt. Ltd.

GENERAL SECRETARY

Shreyans Kothari
B D Bangles

TREASURER

Kamal Mehta
Reyansh Gold

VICE-PRESIDENT

Sandeep Kothari
Mithali Gold

VICE-PRESIDENT

Dinesh Kothari
Vinayak Exports

JOINT SECRETARY

Rinku Bafna
Laxmi Gold

JOINT TREASURER

Narendra Nawlakha
Swarn Shree Chain

ज्वेलर्स के हितों की रक्षा करने के लक्ष्य में एसोसिएशन सफल

अरविंद धाकड़
पूर्व अध्यक्ष, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सभी सम्मानित सदस्य ही हमारी संस्था की ताकत है। आज आप सभी के सहयोग से मुझे भी मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। आप सबके बीच काम करते हुए मुझे कभी यह अनुभव नहीं हुआ कि मै अकेला हूं, आपका साथ मेरे लिए एक भावनात्मक मजबूती और व्यावसायिक क्षमता रही। मेरे अध्यक्षीय कालखंड में मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने कई चुनौतियों का सामना किया है और अनेक सफलताएं हासिल की, तो वह सभी के सहयोग के परिणाम था। । यह सब आपकी एकजुटता, कड़ी मेहनत और अटूट समर्थन के बिना संभव नहीं था। चाहे वह ज्वेलरी बाजार की अस्थिरता हो, सरकारी नीतियों के परिवर्तन हों, या फिर व्यापार के विकास के नए अवसरों की तलाश हो, आप सभी ने हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है।

मुझे विशेष रूप से याद है कि कैसे हम सब एक साथ मिलकर कई बड़े सरकारी नीति परिवर्तनो के सामने चट्टान की तरह खड़े रहे, अपनी ताकत दिखाई और सफलतापूर्वक एसोसिएशन की ताकत का प्रदर्शन किया। आज जब उस दौर को याद करता हूं तो लगता है कि हमारी सामूहिक शक्ति और एक-दूसरे के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से ही मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन एक मजबूत संगठन के रूप में कार्य करता रहा है। हमारे एसोसिएशन की ताकत हमारे सदस्यों में निहित है। आप में से प्रत्येक ज्वेलर्स अपने अनुभव, ज्ञान और व्यापारिक क्षमता के साथ इस एसोसिएशन को मजबूत बनाता रहा है। आपके निरंतर फीडबैक, सुझावों और सक्रिय भागीदारी ने मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन को और बेहतर बनाने में मदद की है। आपकी निष्ठा और विश्वास ने मुझे भी हमेशा प्रेरित किया है। मैं विशेष रूप से हमारी कार्यकारी समिति, पदाधिकारियों और उन सभी सहयोगी साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर अथक परिश्रम किया।

सामना करने के लिए भी तैयार कर सके। एसोसिएशन अपने सदस्यों को इन परिवर्तनों के अनुकूल बनाने और मुंबई को वैश्विक स्वर्ण व्यापार मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान बनाए रखने में मदद करने के लिए अपनी भूमिका का विस्तार करने की भी कोशिश में है। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन फिलहाल सोशल मीडिया में फेसबुक, एंस्ट्ग्राम, वॉट्सएप्प तथा अन्य विभिन्न माध्यमों पर हैं, तथा इसके विस्तार की योजना भी है, क्योकि जमाना सोशल मीडिया का है। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन सन 1990 में अपनी छोटी से शुरुआत से लेकर आज मुंबई के थोक स्वर्ण ज्वेलरी बाजार के विकास और स्थिरता में एक मजबूत संस्था के रूप में काम कर रहा है।

सफल नेतृत्व, सक्षम पदाधिकारी और मजबूत व सक्रिय टीम

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष महेश बाफना एवं मंत्री श्रेयांस कोठारी है। वर्तमान कमेटी में उपाध्यक्ष संदीप कोठारी एवं दिनेश कोठारी, कोषाध्यक्ष कमल मोहता, सह मंत्री रिंकू बाफना एवं सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र नवलखा हैं। इनके अलावा संस्था के बेहतर संचालन के लिए एक एडवाइजरी बोर्ड भी है, जिसमें अरविंद धाकड़, महावीर लोढ़ा, प्रेम मेहरा, चंपालाल डागा, पदम सोनी, गणपत मादरेचा, नवरतन गन्ना, मोहनलाल सेठ, विमल बागरेचा, संजय अग्रवाल, मीठालाल धाकड़ और राजकुमार चपलोत हैं। सन 2024-2026 के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में प्रकाश जैन, विनोद वडाला, प्रमोद मेहता, चेतन थडेश्वर, प्रफुल राणावत, संजय जैन, गणपत डागलिया, जुगराज बोहरा, अनिल पामेचा और महेंद्र पगारिया हैं। सन 2024-2026 की कार्यकारीणी समिति में गौतम कोठारी, देवेंद्र डागलिया, किशन राठोड़, महेंद्र चपलोत, रमेश सोनी, गौतम डांगी, सुनील संचेती, विशाल शाह, राजेश कोठारी, श्रेणिक परमार, अनिल मेहता, मितेश जैन, पारस पामेचा, सुरेश धाकड़, राहुल बोहरा, नीतेश धाकड़, सुरेश मेहता, विनोद बाफना, पंकज शाह, महावीर चौरड़िया, धीरज मेहता, दिलीप पिपाड़, विकी मेहता, राजेंद्र नवलखा, अर्जुन सोनी, किशोर धाकड़, कमलेश बंसल, मनीष बांठिया, सुनील नवलखा, अशोक बाफना, ललित इटोंदिया हैं। इन सभी सक्रि य एवं मजबूत पदाधिकारियों के नेतृत्व में संस्था लगातार आगे बढ़ रही हैं।

हम सिर्फ व्यापारी नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की ताकत हैं

विनोद वड़ाला
पूर्व अध्यक्ष, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन अपनी स्थापना के साथ ही सदा दृढ़ता के साथ व्यवसाय के विकास एवं ज्वेलर्स के हितों के दिशा में कार्य करता रहा हैं। मैं विशेष रूप से उन ऐतिहासिक क्षणों को याद करना चाहूँगा जब हमने गोल्ड इंपोर्ट ड्यूटी को हटाने के लिए बड़े आंदोलन किए थे। ज्वेलरी बिजनेस के इतिहास का वह सबसे लंबा आंदोलन था। वे आसान दिन नहीं थे। हमारे व्यवसाय के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा था, और हमने महसूस किया कि अगर हम एकजुट नहीं हुए, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। यह मेरा सौभाग्य रहा है कि मैंने उस आंदोलन में आपका नेतृत्व किया, लेकिन मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि उस आंदोलन की असली शक्ति, आप सभी ज्वेलर्स का अभूतपूर्व सहयोग था। जब हमने दुकानें बंद करने का आव्हान किया, तो सभी ज्वेलर्स ने बिना किसी हिचकिचाहट के हमारा समर्थन किया। जब हमने सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद की, तो आप कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे। आपकी एकजुटता, आपके त्याग और आपके दृढ़ संकल्प ने ही सरकार को हमारी मांगों पर विचार करने के लिए मजबूर किया। हमें यह साबित करना था कि हम सिर्फ व्यापारी नहीं, बल्कि इस देश की अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न अंग हैं। हमने साबित कर दिखाया। इंपोर्ट ड्यूटी के मोर्चे पर मिली सफलता हमारी सामूहिक शक्ति का एक जीता-जागता प्रमाण है। मैं उन सभी ज्वेलर्स का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने उस कठिन समय में हमारे साथ खड़े होकर इतिहास रचा। हम आगे भी इसी प्रकार से पूरी ताकत के साथ संस्था के हितों के लिए लड़ते रहेंगे।

एसोसिएशन द्वारा एक्साइज ड्यूटी के खिलाफ आक्रमक अंदाज

हम सबको मिलकर संस्था के हर कार्य को मजबूती देनी है

मुंबई जैसे महानगर में ज्वेलरी बिजनेस के हितों का रक्षण करने की कोशिश के तहत मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की स्थापना करके हमारे अग्रजों ने जो नींव रखी थी, उसे हमने मिलकर मजबूत किया है। आने वाली पीढ़ियों के लिए, हमने यह एक ऐसा संगठन बनाया हैं जो सशक्त है, एकजुट है और अपने सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। मैं आप सभी ज्वेलर्स का दिस से धन्यवाद करता हूं कि आप सभी के सहयोग से ही संस्था आज सबसे मजबूत मुकाम पर है। हमारे व्यापारिक माहौल के लिए आने वाला दौर बेहद चुनौतियों से भरा होगा, ऐसा साफ तौर पर दिख रहा है। सरकारी नीतियां सख्त हो रही हैं और गोल्ड व सिल्वर के रेट्स भी लगातार तेजी पकड़ रहे हैं, ऐसे में हम सब मिलकर अपने व्यापार के विकास की नई नई

प्रकाश कागरेचा
पूर्व अध्यक्ष, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन

तकनीक को अपनाएंगे, जिसमें मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन का भी पूरा सहयोग रहेगा। संस्था को 35 साल हो गए हैं तथा अगले 60 सालों के लिए हम सब मिल कर नए लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें प्राप्त करने के लिए एकजुट होकर काम करें, इसलिए आप सबसे यही कहना है कि संस्था के हर कार्य को मजबूती देनी है, तथा आप सबसे सहयोग की अपेक्षा है। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर हुई थी उनमें से कई पूरे हुए और कई बाकी हैं उनकी पूर्ती के लिए हम सभी नए पुराने पदाधिकारी व सदस्य मिलकर संस्था को और अधिक ताकतवर बनाने को पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहेंगे तभी मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन हम सबकी ताकत बनेगा।

महंगे गोल्ड और सिल्वर से मंदी ग्राहकी में आईआईजजेएस से उम्मीद

ज्वेलर्स की दुनिया में चिंता है कि ग्राहकी नहीं है, और आगे क्या होगा? लेकिन किसी भी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि न तो गोल्ड कभी सस्ता हुआ है, न कभी सिल्वर की चमक फीकी पड़ी है। बाजार में ग्राहक कम है, तो कोई बात नहीं, ये दौर भी निकल जाएगा। फिर, ज्वेलरी बिजनेस को बढ़ाने में हर बार सफल रहने वाली सबसे हिट आईआईजेएस एग्जिबिशन भी तो 30 जुलाई से आ रही है। 'आभूषण टाइम्स' सदा से ही इस बात का पक्षधर रहा है कि ज्वेलरी एग्जिबशन के जरिए बढ़ते बिजनेस को समझते हुए हर ज्वेलर को मुंबई में हो रहे इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (आईआईजेएस) प्रीमियर के 41वें संस्करण का महत्व जानना चाहिए। ताकि ग्राहकी चिंताएं कम हो सके, नई नई तकनीक सीखने को मिलें, और व्यापार भी बढ़ सके। आईआईजेएस प्रीमियर न केवल भारतीय ज्वेलरी निर्माताओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं को भी आकर्षित करता है, जिससे व्यापार के अवसरों में वृद्धि होती है।

> आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जीबिशन, ज्वेलरी बिजनेस को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा हैं। 'आभूषण टाइम्स' का अब तक के इन एग्जिब्शन में हर बार सहभागी रहा है, अतः हमारा यह दावा है कि यह एग्जीबिशन सिर्फ़ ज्वेलरी की खरीदी और बिक्री का मंच नहीं, बल्कि ये नए डिज़ाइन, तकनीक और व्यापारिक रणनीतियों को प्रदर्शित करने का अवसर भी हैं।

आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जीबिशन, ज्वेलरी बिजनेस को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा हैं। 'आभूषण टाइम्स' का अब तक के इन एग्जिब्शन में हर बार सहभागी रहा है, अतः हमारा यह दावा है कि यह एग्जीबिशन सिर्फ़ ज्वेलरी की खरीदी और बिक्री का मंच नहीं, बल्कि ये नए डिज़ाइन, तकनीक और व्यापारिक रणनीतियों को प्रदर्शित करने का अवसर भी हैं। सही मायने में देखा जाए, तो आईआईजेएस एग्जिबिशन बाजार के रुझान को समझने, अपने कंपीटिटर्स का विश्लेषण करने और इंडस्ट्री के विशेषज्ञों से बहुत कुछ सीखने का एक शानदार अवसर हैं। लेकिन वर्तमान हालात में आईआईजेएस प्रीमियर का यह 41वां संस्करण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वैश्विक परिस्थितियों में हो रहे परिवर्तन तथा बदलते जिओ-पॉलिटिकल हालातों के बीच गोल्ड व सिल्वर के बढ़ते रेट्स के माहौल में खरीददारों और विक्रेताओं के बीच मजबूत रिश्ता कायम करने का मंच हना है। हर छोटे से छोटे ज्वेलर को भी बड़े ज्वेलर्स की बराबरी में ही अपनी ज्वेलरी को भारतीय ज्वेलरी उद्योग के इस शो में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के अवसर उपलब्ध है। 'आभूषण टाइम्स' का दावा है कि आईआईजेएस केवल एक इवेंट नहीं, बल्कि भारतीय ज्वेलरी शिल्प कौशल की उत्कृष्टता का एक उत्सव है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में व्यापार के नए अवसर पैदा करता है। गोल्ड व सिल्वर के रेट्स भले ही तेजी से आसमान छू रहे हैं और बाजार में ज्वेलरी की ग्राहकी न के बराबर है, इसीलिए मुंबई में 30 जुलाई से शुरू होने वाला इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो आईआईजेएस प्रीमियर का 41वां संस्करण भारतीय ज्वेलरी उद्योग के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। हमारे ज्वेलरी बिजनेस से जुड़े साथियों को इसी मुद्दे पर गंभीरता से चिंतन की जरूरत है कि कैसे यह शो उनके बिजनेस को बढ़ावना देने में सहायक साबित हो सकता है। मुंबई में 30 जुलाई से शुरू हो रहे इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो आईआईजेएस प्रीमियर के 41वें संस्करण का महत्व ज्वेलरी सेक्टर के वर्तमान हालात में इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि यह शो ज्वेलरी उद्योग को मौजूदा बाजार की चुनौतियों के बीच नई रणनीतियों और नई तकनीक को अपनाकर व्यापार बढ़ाने में मदद करता है। 'आभूषण टाइम्स' आईआईजेएस प्रीमियर को अलग नजरिये से देखता है। गोल्ड के बढ़ते रेट्स के बीच ज्वेलरी की सेल मंदी होने से निश्चित तौर पर ज्वेलर्स चिंतित हैं। मगर, कोई ये मानकर बैठा है कि गोल्ड के रेट कम होंगे, तो भूल जाइए, इसकी गुंजाइश बेहद कम है। क्योंकि दुनिया के वर्तमान हालात के बीच हर देश गोल्ड खरीद रहा है। तय है कि गोल्ड के रेट और बढ़ेंगे। उधर, सिल्वर की बढ़ती खपत और चढ़ते रेट्स के बीच दुनिया भर के देशों में सिल्वर की सेल और बढ़ी है। यही कारण है कि सिल्वर को आने वाले भविष्य को गोल्ड कहा जा रहा है। ज्वेलर्स के लिए मौजूदा बाजार की अस्थिरता, खासकर गोल्ड के बढ़ते रेट्स और सिल्वर की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच चिंता स्वाभाविक है। हालांकि, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि गोल्ड और सिल्वर दोनों ही सदियों से मूल्यवान धातुएं रही हैं और इन्होंने हमेशा अपनी चमक बनाए रखी है। इतिहास गवाह है कि गोल्ड की कीमत में भले ही अल्पकालिक उतार-चढ़ाव आए हों, लेकिन लंबी अवधि में यह कभी सस्ता नहीं हुआ है। इसे हमेशा एक सुरक्षित निवेश के रूप में देखा गया है, खासकर आर्थिक अनिश्चितता के समय में। इसी तरह, सिल्वर की चमक भी कभी फीकी नहीं पड़ी है। यह सिर्फ़ एक आकर्षक ज्वेलरी धातु नहीं है, बल्कि इसकी औद्योगिक मांग भी बहुत अधिक है, इसीलिए वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां गोल्ड और सिल्वर को ऊपर की ओर ले जा रही हैं।

बाजार भले ही हमेशा बदलता रहता हैं, मगर ये गोल्ड और सिल्वर अपनी क्वालिटी रेटिंग के कारण हमेशा अपनी जगह बनाए रखेंगे। इसलिए, ज्वेलर्स को धैर्य रखने और बाजार की दीर्घकालिक संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। माना कि सिल्वर महंगा होता जा रहा है और गोल्ड की चमक भी लगातार बढ़ रही है, और बाजार में ग्राहकी भी नहीं है, लेकिन आईआईजेएस ज्वेलरी शो एशिया के सबसे बड़े ज्वेलरी एग्जिबिशन में से एक है, जिसमें आने वाले वैश्विक स्तर के ज्वेलर्स भी इसे व्यापार को बढ़ाने का महत्वपूर्ण आयोजन बताते हैं। 'आभूषण टाइम्स' हर हालात में आपके साथ खड़ा रहा है, अतः भरोसा रखिए, आगे भी सब अच्छा होगा।

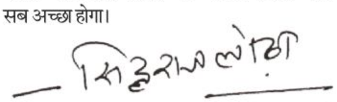

सिद्धराज लोढ़ा

संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी
तुकाराम ठीक

प्रतिनिधि
दिनेश त्रिवेदी
08765908424

आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड़,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com

आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नं. 1 हिन्दी ज्वेलरी मैगजिन

वर्षः 18, अंकः 05, जुलाई 2025

06 मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन 35 साल में शानदार रही हर ज्वेलर की सहभागिता

12 संपादकीय– महंगे गोल्ड और सिल्वर से मंदी ग्राहकी में आईआईजजेएस से उम्मीद

52 आईआईजेएस प्रीमियर - 2025 चढ़ते गोल्ड और बढ़ते सिल्वर में भी बड़े बिजनेस की उम्मीद

58 अभी और महंगा होगा गोल्ड! अमेरिकी डॉलर से मुकाबला और ट्रंप के टैरिफ का डर

64 सोने में भरोसा, डॉलर से दूरी लगातार तीसरे साल भी दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने खरीदा 1,000 टन से ज्यादा गोल्ड

68 सिल्वर का भविष्य समृद्ध क्योंकि आने वाले दिनों में सिल्वर और महंगा होगा

70 सोना महंगा होने से बढ़ रही मुख्य मुद्रास्फीति
क्या 2030 तक 7.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है सोना?

74 निवेशकों को 20 साल में कहा मिला सबसे ज्यादा रिटर्न

82 एक्सपर्ट से समझे क्यों गोल्ड हो रहा इतना महंगा
टैरिफ वॉर में उलझा रत्न एवं आभूषण कारोबार

86 आइआईजेएस है इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री की आत्मा

91 2025 में हीरे की मांग में उछाल आने की उम्मीद
भारत प्रमुख विकास बाजार के रूप में उभरेगा

92 सोने की तेजी ने बढ़ाई डायमंड की मांग
आगे कितनी ग्रोथ कह है उम्मीद!

100 कज़ाकस्तान, तुर्की, पोलैंड और सिंगापुर से पिछड़ गए भारत और चीन, अमेरिका है बेताज बादशाह

104 श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र सहित पांच कंपनियों को सेबी की मंजूरी
वर्ल्ड गोल्ड मार्केट में भारत की 15 प्रतिशत है हिस्सेदारी, आरबीआई के पास है इतना सोना

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दुसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई- 2 से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाड़ी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400 004 से मुद्रित।

भवानी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड

उत्कृष्टता और विश्वास का प्रतीक, महाराष्ट्र के हर जिले में जबरदस्त प्रतिष्ठा

मुंबई, भारत में ज्वेलरी इंडस्ट्री की कई सफल कहानियों का गवाह रहा है। इन्हीं में से एक है भवानी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड, जिसने अपनी स्थापना के बाद से ही भारतीय ज्वेलरी बाजार में एक प्रमुख स्थान हासिल किया है। वर्ष 2007 में महेश बाफना और दिनेश जैन द्वारा स्थापित इस कंपनी ने अपनी कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और अटूट समर्पण के बल पर सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ है। यह सिर्फ एक ज्वेलरी कंपनी नहीं, बल्कि विश्वास, गुणवत्ता और अद्वितीय शिल्प कौशल का पर्याय भी बन गई है। भवानी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड की कहानी महेश बाफना के प्रारंभिक संघर्ष और दृढ़ संकल्प की एक प्रेरणादायक गाथा है। 2007 में भवानी गोल्ड की स्थापना से पहले, महेश बाफना एवं दिनेश जैन ने 1994 से 1997 तक महाराष्ट्र में शहर - शहर, गांव - गांव जाकर ज्वेलरी बेचने का अथक परिश्रम किया। इस दौरान उन्होंने व्यवसाय की हर बारीकी को गहराई से समझा और बाजार की नब्ज को पहचानना। यह जमीनी अनुभव उनके भविष्य के उद्यमों की नींव बना।

इस गहन शिक्षा के बाद, उन्होंने सबसे पहले भवानी सिल्वर की स्थापना की, जिसने उन्हें ज्वेलरी उद्योग में अपनी पहचान बनाने में मदद की। सिल्वर में सफलता प्राप्त करने के बाद, उन्होंने अपनी विशेषज्ञता और अनुभव का उपयोग करते हुए गोल्ड के व्यवसाय में कदम रखा, जो अंततः भवानी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड के रूप में सामने आया। महेश बाफना और दिनेश जैन, दोनों की विश्वसनीय साझेदारी ने कंपनी को और भी मजबूत आधार प्रदान किया। इसके बाद दिनेश जैन के पुत्र शुभम जैन भी भवानी गोल्ड से जुड़े। वर्तमान में

Bhawani Gold
DESIGNER 92 & 84 GOLD JEWELLERY PVT. LTD.

महेश बाफना

दिनेश जैन

शुभम जैन

महेश बाफना मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर आसीन है, तथा उनके कार्यकाल में मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भवानी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड आज देश भर में एक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान है, जो अपने विस्तृत और उत्कृष्ट येलो गोल्ड ज्वेलरी कलेक्शन के लिए जाना जाता है। उनकी ज्वेलरी रेंज में रिंग, नेकलेस, बैंगल्स, मंगलसूत्र और अन्य सभी प्रकार के पारंपरिक और आधुनिक आभूषण शामिल हैं। प्रत्येक ज्वेलरी पीस को बारीकी से तैयार किया जाता है, जो भारतीय शिल्प कौशल और समकालीन डिज़ाइनों का एक बेहतरीन मिश्रण प्रस्तुत करता है। कंपनी अपनी क्वालिटी के प्रति अत्यंत सजग है, यही कारण है कि उनके स्टॉक में हमेशा 92 मेल्टिंग का माल उपलब्ध रहता है, जो प्योरिटी और क्वालिटी का प्रतीक है। भवानी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड का माल पूरे देश में बेचा जाता है, लेकिन महाराष्ट्र में उनका कोई सानी नहीं है।

महाराष्ट्र के हर तालुका, हर गांव और हर जिले में भवानी गोल्ड के आभूषण बेचे जाते हैं, जो राज्य के कोने-कोने में उनकी मजबूत उपस्थिति और ग्राहकों के बीच उनके गहरे विश्वास को दर्शाता है। महाराष्ट्र के बाहर भी, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पंजाब सहित पूरे देश में उनके येलो गोल्ड की भारी डिमांड रहती है, जो उनकी क्वालिटी और डिज़ाइन की लोकप्रियता को प्रमाणित करता है। यह राष्ट्रव्यापी पहुंच भवानी गोल्ड को भारतीय ज्वेलरी बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाती है। महेश बाफना बेहद संभावनाशील पर्सनैलटी है, उनकी उद्यमशीलता की भावना यहीं नहीं रुकी। भवानी गोल्ड की सफलता के कुछ समय बाद, उन्होंने मंगलसूत्रम की स्थापना की। यह विशेष रूप से मंगलसूत्रों के लिए समर्पित एक ब्रांड है, जिसमें अनगिनत डिज़ाइनों में मंगलसूत्रों की व्यापक रेंज उपलब्ध है। मंगलसूत्रम का प्रबंधन महेश बाफना के छोटे भाई अशोक बाफना द्वारा किया जाता है, जो परिवार के व्यावसायिक

मूल्यों और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। महेश बाफना ने 2015 में खुदरा व्यवसाय में भी कदम रखा और स्वर्णगंगा नाम से मुंबई के पास के उपनगरों में दो शोरूम स्थापित किए एक नेरल में और दूसरा खारघर में। इन रिटेल आउटलेट्स का प्रबंधन उनके भाई अनिल बाफना द्वारा किया जाता है, जो परिवार के व्यावसायिक विस्तार और अगली पीढ़ी के नेतृत्व को दर्शाता है। स्वर्णगंगा की सफलता के बाद, उन्होंने कथा स्टूडियो की भी स्थापना की जिसे उनके पुत्र प्रतिक बाफना द्वारा संचालित किया जा रहा है। कथा स्टूडियो एक विशेष बुटीक है, जो लक्जरी ज्वेलरी जैसे डायमंड ज्वेलरी, पोलकी ज्वेलरी और एंटीक ज्वेलरी पेश करता है, जिससे भवानी गोल्ड समूह की पेशकशों में और विविधता आती है। भवानी गोल्ड हर साल करीब 6 से 7 ज्वेलरी एग्जिबिशन में हिस्सा लेता हैं और पुणे में होने वाले यूजीजेआईएस एग्जिबिशन को सफल बनाने में भवानी गोल्ड का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

सही मायने में कहा जाए, तो भवानी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड महेश बाफना और दिनेश जैन के कठिन परिश्रम, दूरदर्शिता और व्यवसायिकता का एक जीता-जागता उदाहरण है। महाराष्ट्र के गांवों से लेकर राष्ट्रव्यापी पहचान तक, भवानी गोल्ड ने अपनी ज्वेलरी की क्वालिटी, ईमानदारी और ग्राहकों की संतुष्टि के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता के साथ सफलता की एक अद्वितीय यात्रा तय की है। यह कंपनी न केवल ज्वेलरी बेचती है, बल्कि भारतीय परंपरा और आधुनिकता के संगम से बनी कला की गोल्ड को भी एक खासियत प्रदान है।

Bhawani Gold
DESIGNER GOLD JEWELLERY
PVT. LTD.
ARTISTRY IN EVERY
Curve
iiJS
PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
2025
30TH JULY - 3RD AUGUST, 2025
STALL NO. JIO - P 27a
JIO WORLD CONVENTION CENTRE - MUMBAI
2ND FLOOR, 76/78, THAKUR PLAZA, DHANJI STREET, MUMBAI - 400 003.

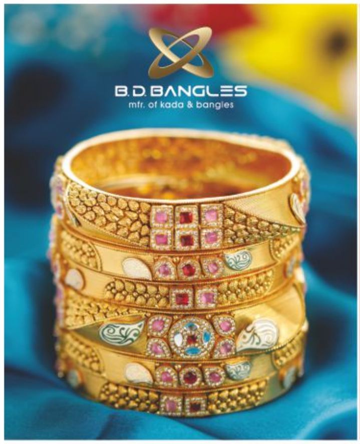

बी. डी. बैंगल्स

कला, परंपरा और उत्कृष्टता का शानदार संगम

मुंबई, कई प्रतिष्ठित ज्वेलरी कंपनियों का केंद्र है। इन्हीं में से एक है बी. डी. बैंगल्स, जिसने अपनी स्थापना के बाद से ही भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। बी. डी. बैंगल्स ने मुंबई में बैंगल्स कड़ों के निर्माण में अपनी एक मजबूत पकड़ बनाई है। यह कंपनी न केवल अपने उत्कृष्ट डिज़ाइनों के लिए जानी जाती है, बल्कि अपनी क्वालिटी, प्योरिटी, पारदर्शिता और ग्राहक संतुष्टी के लिए भी प्रसिद्ध है। वे नवीनतम फैशन रुझानों और पारंपरिक डिज़ाइनों का एक आदर्श संतुलन बनाए रखते हैं, जिससे उनके बैंगल्स व कड़े सभी आयु वर्ग की महिलाओं की पसंद हैं। उनकी मुंबई स्थित प्रोडक्शन युनिट में कुशल कारीगर काम करते हैं जो हर बैंगल व कड़े को कलात्मकता और संपूर्ण सटीकता के साथ बनाते हैं। श्रेयांश कोठारी, गौतम कोठारी और भगवान प्रजापति जैसे दूरदर्शी संस्थापकों के नेतृत्व में, बी. डी. बैंगल्स का नाम अब क्वालिटी और भरोसे का पर्याय बन गया है। बी. डी. बैंगल्स की स्थापना 2002 में श्रेयांश कोठारी, गौतम कोठारी और भगवान प्रजापति द्वारा एक साझा दृष्टिकोण के साथ की गई थी। उद्देश्य था कि ऐसे कड़े व बैंगल्स बनाना, जो न केवल ज्वेलरी के रूप में निखरते हों, बल्कि आर्ट के भी ऐसे खास पीस हों, जो भारतीय परंपरा और आधुनिक सौंदर्यशास्त्र का एक सुंदर मिश्रण प्रस्तुत कर सके। बैंगल्स में, एंटिक बेंगल्स, बॉम्बे फैंसी, बॉक्स बैंगल्स, सीएनसी बैंगल्स, गजरा बैंगल्स, गेरू बैंगल्स, कोलकाता लेजर मीना बैंगल्स, नक्शी बैंगल्स, 18 कैरेट बैंगल्स, 20 कैरेट बैंगल्स, यलो फैंसी बैंगल्स सहित कड़े में बेबी बैंगल्स, पंजाबी कड़ा और लेडीज सिंगल कड़े के करीब 5000 से ज्यादा डिजाइन बी. डी. बैंगल्स की खासियत है। श्रेयांश कोठारी वर्तमान में मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सेक्रेटरी पद पर भी सक्रियता के साथ सेवाएं दे रहे हैं।

श्रेयांश कोठारी

गौतम कोठारी

भगवान प्रजापति

भारतीय ज्वेलरी सेक्टर में बेंगल्स व कड़ों का एक अद्वितीय और केंद्रीय स्थान है। वे सिर्फ ज्वेलरी नहीं हैं, बल्कि शुद्धता, समृद्धि और वैवाहिक श्रंगार तथा जीवन के महत्व के प्रतीक हैं। श्रेयांश कोठारी, गौतम कोठारी और भगवान प्रजापति शुरू से ही जानते थे कि विभिन्न संस्कृतियों और क्षेत्रों में बैंगल्स और कड़ों के अपने विशिष्ट डिज़ाइन और महत्व होते हैं। उन्हें जानकारी थी कि विवाह समारोहों से लेकर दैनिक उपयोग तक, बैंगल्स व कड़े भारतीयों के जीवन का एक अभिन्न अंग रहे हैं। संस्थापकों का ज्वेलरी सेक्टर में गहन जानकारी, व्यवसायिक दृष्टिकोण और ज्वेलरी के प्रति समर्पण ने कंपनी को तेज़ी से विकसित होने में मदद की। उनका मानना था कि प्रत्येक बैंगल की अपनी एक कहानी होती है, हर हाथ एक भावना व्यक्त करता है, और उस हाथ में पहनी हुई बैंगल का अपना सौंदर्य सास्त्र होता है, साथ ही उसे पहनने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व को भी वह बैंगल महत्वपूर्ण बनाती है। इसीलिए, इन तीनों ही दूरदृष्टा ज्वेलर ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को स्त्रीत्व के प्रतीक के रूप में स्थापित करने के लिए बी. डी. बैंगल्स की स्थापना की, बैंगल्स को महत्व को समझते हुए, बी. डी. बैंगल्स ने अपनी विशेषज्ञता को बैंगल्स व कड़ों के निर्माण पर केंद्रित किया, तो वे इस विशिष्ट क्षेत्र में अपनी कंपनी बी. डी. बैंगल्स को अग्रणी बनने में सफल रहे और कड़े व बैंगल्स के क्षेत्र में कई अभिनव प्रयोगों के साथ साथ, स्वयं को क्वालिटी और उत्कृष्ट शिल्पकला कौशल की प्रमुख कंपनी के रूप में स्थापित किया है।

बी. डी. बैंगल्स मुख्य रूप से सोने के कड़ों का निर्माण और बिक्री करता है। वे विभिन्न कैरेट श्रेणियों में कड़े पेश करते हैं, जिनमें 18 कैरेट, 20 कैरेट, 22 कैरेट गोल्ड बैंगल्स तक शामिल हैं। यह विभिन्न बजट और प्राथमिकताओं वाले ग्राहकों को पूरा करता है। वे हॉलमार्क ज्वेलरी प्रदान करते हैं, जो प्योरिटी और क्वालिटी की गारंटी देते हैं। उनके ज्वेलरी कलेक्शन में पारंपरिक भारतीय डिज़ाइनों से लेकर वर्तमान समय के साथ साथ और फ्यूजन स्टाइल के डिज़ाइनों की एक विस्तृत रैंज शामिल है।

रोजमर्रा की जिंदगी में पहनने के लिए चाहे वह हल्के बैंगल्स व कड़े हों या विशेष अवसरों के लिए भारी और अलंकृत डिज़ाइन के कड़े व बैंगल्स, बी. डी. बैंगल्स के पास हर खरीददार व हर अवसर के लिए कुछ न कुछ जरूर है। अपनी स्थापना के बाद से, बी. डी. बैंगल्स ने देश भर में एक मजबूत सेल्स नेटवर्क विकसित किया और उनके प्रोडक्ट्स भारत के विभिन्न हिस्सों में फैले प्रमुख ज्वेलरी शोरूम और स्टोर्स के माध्यम से देश भर में उपलब्ध हैं, खास तौर से उत्तर बारत में बी. डी. बैंगल्स का मार्केट काफी बड़ा है। बी. डी. बैंगल्स अपने डीलर नेटवर्क तथा ग्राहक के साथ मजबूत संबंध बनाए रखते हैं और क्वालिटी सर्विस और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करते हैं। यह राष्ट्रव्यापी उपस्थिति उन्हें व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंचने और भारतीय बाजारों की विविध मांगों को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

B.D. BANGLES
FINEST BANGLES & KADA
Golden Whispers
of the Indian Heritage
iijs
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE 2025
STALL
3M 364F
HALL 03
31st July - 4th August, 2025
Bombay Exhibition Centre - Mumbai
Office No. 109, 1st Floor, 33/37, Chandra Bhavan, Dhanji Street,
Zaveri Bazar, Mumbai - 400003
Office: 022-2240 5552 , I.Com.: 4458 / 8691, Whats App: +91 83690 18965

स्काई चेन्स एंड ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड

विश्वास, शुद्धता और नवीनता का प्रतीक

भारत की अग्रणी ज्वेलरी निर्माण एवं होलसेल कंपनियों में से एक है, जिसकी स्थापना वर्ष 2011 में हुई थी। हालांकि इसकी नींव वास्तव में वर्ष 1997 में पड़ चुकी थी, जब संस्थापक अनिल पामेचा ने मात्र 20 वर्ष की आयु में चेन निर्माण की एक फैक्ट्री से अपने व्यवसायिक सफर की शुरुआत की। ज्वेलरी इंडस्ट्री, विशेषकर चेन और कास्टिंग मैन्युफैक्चरिंग के प्रति उनकी गहरी समझ और समर्पण ने उन्हें न केवल निर्माण, बल्कि होलसेल व्यापार में भी उल्लेखनीय सफलता दिलाई। यह सफर सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं था – इसमें उनके बड़े भाई मुकेश पामेचा, छोटे भाई निलेश पामेचा, और पूज्य पिताजी के मार्गदर्शन व आशीर्वाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। तीनों भाइयों के परिश्रम, पारिवारिक मूल्यों और एकजुट सोच ने Sky Chains को एक घरेलू नाम बना दिया, जिस पर आज देश भर में हजारों ग्राहक और व्यापारी आंख बंद कर विश्वास करते हैं।

अनिल पामेचा का विज़न शुरू से स्पष्ट था कि हर शहर के प्रमुख ज्वेलरी ब्रांड्स के साथ व्यापार करना, और Sky Chains को एक ऐसा नाम बनाना

मुकेश पामेचा | अनिल पामेचा | बसंतीलालजी पामेचा | निलेश पामेचा

जो गुणवत्ता, विश्वास और प्रतिष्ठा का प्रतीक हो। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने सदैव क्वालिटी, ट्रेंड, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को प्राथमिकता दी। व्यवसाय के साथ साथ आपने और आपके परिवार ने सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस बदलते ज़माने और फैशन के अनुरूप Sky Chains ने 18 ct Rose Gold ज्वेलरी सेगमेंट में कदम रखते हुए Myra नामक एक नया और आधुनिक ब्रांड लॉन्च किया, जो आज की पीढ़ी की पसंद, ऊर्जा और स्टाइल को समर्पित है। Myra को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी के दूरदर्शी प्रतिनिधि रचित पामेचा ने संभाली, जिन्होंने अपने रचनात्मक दृष्टिकोण से इसे एक ट्रेंडिंग और प्रीमियम ज्वेलरी ब्रांड में बदल दिया। स्त्रियों के लिए एलीगेंट, आकर्षक और मॉडर्न डिज़ाइनों से लेकर पुरुषों के लिए स्टाइलिश, ट्रेंडी और आत्म-विश्वास से परिपूर्ण ज्वेलरी – Myra आज सिर्फ एक ब्रांड नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम बन चुका है।

Sky Chains की सबसे बड़ी विशेषता इसका डिजाइन इनोवेशन है – परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन, हर पीढ़ी के लिए उपयुक्त रेंज, 100 प्रतिशत BIS Hallmark शुद्धता, समयबद्ध डिलीवरी, पारदर्शी मूल्य नीति और उत्कृष्ट ग्राहक सर्विस इसकी पहचान बन चुके हैं। खास बात यह है कि Sky Chains में पुरुषों के लिए एक विशेष ज्वेलरी रेंज भी मौजूद है, जो आज के फैशन-फॉरवर्ड जेंटलमेन की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। हमारा मानना है कि गहना केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि भावना है एक ऐसी अनुभूति जो प्रेम, परंपरा, रिश्तों और यादों को सहेजती है। हमारे लिए ज्वेलरी सौंदर्य का प्रतीक ही नहीं, आत्मीयता और पहचान का विस्तार है।

Sky Chains की संस्कृति चार मजबूत स्तंभों पर आधारित है :

ईमानदारी, पारदर्शिता, ग्राहक संतुष्टि और गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं। हम निरंतर नवाचार में विश्वास रखते हैं और नए डिज़ाइन व तकनीक को आत्मसात करते हुए ग्राहकों को कुछ ऐसा देने का प्रयास करते हैं जो न केवल उन्हें पसंद आए, बल्कि उनके दिल को भी छुए।

आज Sky Chains और Myra मिलकर उस सौंदर्य, शैली और भावना को प्रस्तुत करते हैं जो आपको केवल गहनों से नहीं, बल्कि आपकी पहचान से जोड़ता है। इसलिए हम कहते हैं...

हम सिर्फ गहने नहीं बनाते, हम रिश्तों में विश्वास और यादों में चमक भरते हैं।

SKY CHAINS
designs infinite

BRACELETS OF PRESTIGE,
CHAINS OF POWER.

iiJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

31ST JULY - 4TH AUG, 2025
HALL NO. 4
STALL NO. 4T 511B
Bombay Exhibition Centre - Mumbai

4th Floor, Sutaria Bhavan,73-75, Dhanji street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400 003.
Tel. +91 2223403000 / 23402900

एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स
'तारिनी' ब्रांड ज्वेलरी की दुनिया की नई शान

मुंबई, सपनों और अवसरों और संपन्न व्यापारिक परिदृश्य के लिए जाना जाता है, तो इस महानगर को देश में ज्वेलरी के सबसे बड़े केंद्र के रूप में भी प्रतिष्ठा हासिल है। लेकिन यह प्रतिष्ठा मुंबई को जिन ज्वेलर्स की वजह से हासिल है, उनमें एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स का भी प्रमुख नाम है, जहां ज्वेलरी की परंपरा और उसमें आधुनिकता का संगम प्रतीत होता है। मुंबई में एक प्रतिष्ठित नाम के रूप में खड़ा है। यह कंपनी, जिसे नारायण सेठ के दूरदर्शी नेतृत्व में नए आयाम मिल रहे है। पिछले 5 दशकों से एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स को ज्वेलरी की दुनिया में शुद्धता, गुणवत्ता और उत्कृष्ट डिज़ाइन का पर्याप्त अनुभव है। एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स की 10 वर्षों की सफलतम यात्रा और प्रतिष्ठा ज्वेलरी के प्रति विश्वास और डिजाइन्स की उत्कृष्टता की नींव पर बनी है।

ज्वेलरी के प्रति उनके जुनून और ग्राहकों को सर्वोत्तम प्रदान करने की प्रतिबद्धता ने उन्हें मुंबई के सबसे विश्वसनीय और सम्मानित ज्वेलरी ब्रांडों में से एक बना दिया है। कंपनी केवल ज्वेलरी नहीं बेचती; वे बेहतरीन कला से जुड़े ज्वेलरी प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जो परंपरा, शिल्प कौशल और आधुनिक सौंदर्यशास्त्र को एक साथ जोड़ते हैं। ज्वेलरी की दुनिया में 'तारिनी' ब्रांड एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स के बेहतरीन ब्रांड के रूप में जबरदस्त प्रतिष्ठा का परिचय दे रहा है। पिछले 10 वर्षों से एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स ज्वेलरी की दुनिया में अपने शिल्प कौशल, प्योरिटी और विश्वसनीयता का प्रतीक रहा है। बेजोड़ क्वालिटी के साथ परंपरागत डिजाइन्स का मिलान करने की दृष्टि से देखा जाए, तो एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स की

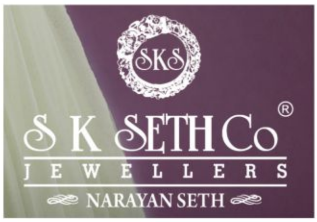

एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स मुंबई में एक प्रतिष्ठित नाम के रूप में खड़ा है। यह कंपनी, जिसे नारायण सेठ के दूरदर्शी नेतृत्व में नए आयाम मिल रहे है।

नारायण सेठ

आयुष सेठ

व्यापारिक विकास यात्रा परिवार की विरासत और उसमें लगातार अभिवृद्धि के साथ उत्कृष्ट कृतियां पेश करते हुए निरंतर आगे बढ़ने के प्रति समर्पण की यात्रा रही है। नारायण सेठ और आयुष सेठ के नेतृत्व में ब्राईडल और टेंपल ज्वेलरी से लेकर ज्वेलरी की खास कृतियों तक, एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स द्वारा तैयार किया गया प्रत्येक ज्वेलरी प्रोडक्ट उत्कृष्टता और कारीगरी की कुशलता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स ज्वेलरी की सबसे प्रतिष्ठित एग्जिबिशन आईआईजेएस प्रीमियर में हमेशा अग्रमी ज्वेलर्स में गिना जाता है। इस बार भी सभी को हार्दिक आमंत्रित करते हुए एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स ज्वेलरी की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन करने को तैयार है।

अब जब देश - दुनिया में हर तरफ ब्रांड का बोलबाला है, तो एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स ने भी अपने 'तारिनी' ब्रांड को बाजार में उतारा है, जो कंपनी की उल्लेखनीय विरासत का जश्न मनाते हुए तेजी से अपना परचम लहरा रहा हैं। नारायण सेठ कहते हैं कि हमें अपनी नई ब्रांड आइडेंटिटी 'तारिनी' के लॉन्चिंग पर गर्व है। माना जा रहा है कि प्रतिष्ठित एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स का 'तारिनी' ब्रांड परंपरागत ज्वेलरी डिजाइंस में अभिनव नयेपन का प्रतीक है, वे कहते हैं कि 'तारिनी' ब्रांड हमारे ज्वेलरी प्रोडक्ट्स में आधुनिकता को अपनाते हुए हमारे मूल व्यावसायिक मूल्यों को मजबूती देता है। नारायण सेठ बताते हैं कि आज के बेहतरीन ज्वेलरी पसंद कस्टमर्स को आकर्षित करने के लिए ही उन्होंने 'तारिनी' ब्रांड डिज़ाइन किया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में, एसके सेठ कंपनी ज्वेलर्स भारत सहित विदेशों में भी उच्च श्रेणी के रिटेल ज्वेलर्स के बीच एक विश्वसनीय नाम बन गया हैं, तथा उनका ब्रांड 'तारिनी' रेडी इन्वेंट्री, क्वालिटी की निरंतरता और प्रोडक्ट्स को नए तरीके से परिभाषित करने वाली प्रामाणिकता को बढ़ाता है। उनका कहना है कि वे जो कुछ भी करते हैं, उसके मूल में डिजाइन की उत्कृष्टता के प्रति जुनून, परंपरा के प्रति सम्मान और ईमानदारी का हमारा वादा ही प्रमुख रूप से स्थित है।

Tarini
BY S K SETH CO, MUMBAI
iijs PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025
30th July - 3rd August, 2025
Jio World Convention Centre
The Select Club
EXCLUSIVE HIGH-END COUTURE JEWELLERY
Club 18 D
SKS
S K SETH Co®
JEWELLERS
NARAYAN SETH
Office no.101/103, 1st Floor, 28 D.D. Jewels, 1st Agyari Lane, Khau Gali, Zaveri Bazar, Mumbai- 400002
9930603365

'श्रृंगार-हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड'
चेतन थड़ेश्वर की जादुई सफलता का सपना

INDIA'S LEADING MANGALSUTRA MANUFACTURER

मंगलसूत्र को भारत में वैवाहिक प्रतीक के रूप में सबसे अधिक पवित्र ज्वेलरी के रूप में माना जाता है, तथा मंगलसूत्र निर्माण के मामले में प्रसिद्ध ज्वेलरी कंपनी 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' आज देश के सबसे प्रमुख मंगलसूत्र निर्माता के रूप में सर्वोच्च शिखर पर स्थित है। देश भर में 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' सबसे ज्यादा बिक्री वाला एक अति प्रतिष्ठित संस्थान है तथा इसके मंगलसूत्र बाजार में काफी ख्याति अर्जित करते देखे जा सकते हैं। बाजार में आज जिन चंद कंपनियों की ज्वेलरी निर्माण में साख है, उनमें 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' सबसे आगे माना जाता हैं। उनकी ज्वेलरी की साख तथा प्रसिद्धि की सीमाएं नापने निकलें, तो जितनी दूर देखेंगे, वहां से आगे ही नजर आती हैं। 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' की सबसे बड़ी ताकत है।

देश के ज्वेलरी हब कहे जाने वाले झवेरी बाजार की सबसे प्रतिष्ठित बिल्डिंग ज्वेल वर्ल्ड में 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' का लगभग 6 हजार वर्ग फीट का विशाल शोरूम और कॉर्पोरेट कार्यालय है, जहां बैठकर चेतन थड़ेश्वर और उनके दो बेटे विराज थड़ेश्वर तथा बलराज थड़ेश्वर भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों की महिलाओं के लिए मंगलसूत्र की दुनिया को संवारते रहने के कल्पना लोक को नई दिशा दे रहे हैं, तथा खुशी की बात ये है कि मंगलसूत्र निर्माण के मामले में 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' आज देश के सबसे प्रमुख मंगलसूत्र निर्माता के रूप में भारत के सर्वोच्च शिखर पर है। वर्तमान हालात में, जीवन जीने के तेजी से बदलते हुए युग में, जब समाज की पुरानी परंपराएं बदल रही है, मान्यताओं तथा वर्जनाओं के बंधन टूट रहे हैं तथा आधुनिक समाज में ज्वेलरी के मायने भी परिवर्तित हो रहे

बलराज थडेश्वर I चेतन थडेश्वर I विराज थडेश्वर

है, ऐसे में मंगलसूत्र जैसी धार्मिक परंपरा वाली सामान्य सी ज्वेलरी को समाज में महत्वपूर्ण बनाए रखना 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' के लिए किसी चुनौती से कम नहीं हो सकता। साथ ही जितने लोग उतनी ही पसंद अलग अलग का सिद्धांत खासकर महिलाओं की ज्वेलरी में ज्यादा मायने रखता है। तो मंगलसूत्र के मामले में तो यह अपने आप में एक सबसे बड़ा चैलेंज है, फिर भी 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' ने देश भर के बाजारों में अपनी महत्वपूर्ण पहचान न केवल बरकरार रखी है, अपनी साख को मजबूत किया है तथा अपने प्रोडक्ट्स को भी जबरदस्त उंचाई बख्शी है, जो कि अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण बात है।

चेतन थडेश्वर ने बेहद नजदीक से देखा है कि उनके पिता गजब के समर्पण और कभी न खत्म होने वाले उत्साह के साथ लगातार आगे बढ़ते रहे। फिर तो सन 1981 में चेतन थडेश्वर खुद भी अपने पिता के साथ व्यापार में आ गए और कड़ी मेहनत के साथ अपने शिल्प कौशल को विकसित करते हुए मंगलसूत्र को नए जमाने की ज्वेलरी के रूप में नए आकार देना शुरू किया, तो सफलता की उपलब्धि के लिए नए मार्ग भी प्रशस्त हुए। समय बीतने के साथ आज 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ज्वेलरी कंपनी के रूप में हमारे सामने है, जिसके हर प्रोडक्ट की अपनी अलग पहचान है।

कहते हैं कि कोई भी पहचान आसान नहीं होती। फिर पहचान जब तेजी से बदलते युग में किसी डिजाइनर ज्वेलरी तथा लोगों की बदलती पसंद के मामले में हो, तो संकट और भी गहरा जाता है। विशेषकर मंगलसूत्र जैसी ज्वेलरी के मामले में तो अपनी पहचान बनाना, साख स्थापित करना तथा ख्याति अर्जित करना बेहद मुश्किल काम है। परंतु 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' ने अपनी बेहतरीन क्वालिटी, अभिनव तरीके के डिजाइन के साथ भारी भरकम मंगलसूत्रों की सेल को बढ़ाने के अलावा उनके विकल्प की तुलना में नए जमाने की महिलाओं के लिए ग्लैमरस व डिजाइनर मंगलसूत्रों को भी रुचि का विषय बनाया।

इन्हीं वजहों से 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' आज देश की जानी मानी ज्वेलरी कंपनी के रूप में विख्यात है। वैसे, तो मुंबई के मार्केट में हर कोई हर किसी की व्यापारिक विकास की यात्रा से वाकिफ है, इसी परिदृश्य में 'श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड' की विकास यात्रा को भी लोग जानते ही है, लेकिन निदेशक चेतन थडेश्वर से जब आभूषण टाइम्स ने उनकी ज्वेलरी के साथ अपनी व्यावसायिक यात्रा के बारे में जानकारी ली, तो पता चला कि लोग बहुत सारी बातें उनके बारे में जानते ही नहीं कि किस तरह से उन्होंने अपने पिता द्वारा स्थापित व्यापार को आसमान चूमने वाली ऊंचाई तक पहुंचाया, तथा किस प्रकार से अब उनके दो बेटे विराज थडेश्वर व बलराज थडेश्वर उनकी इस उंचाई को अधिक गरिमा देने की दिशा में लगातार जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं।

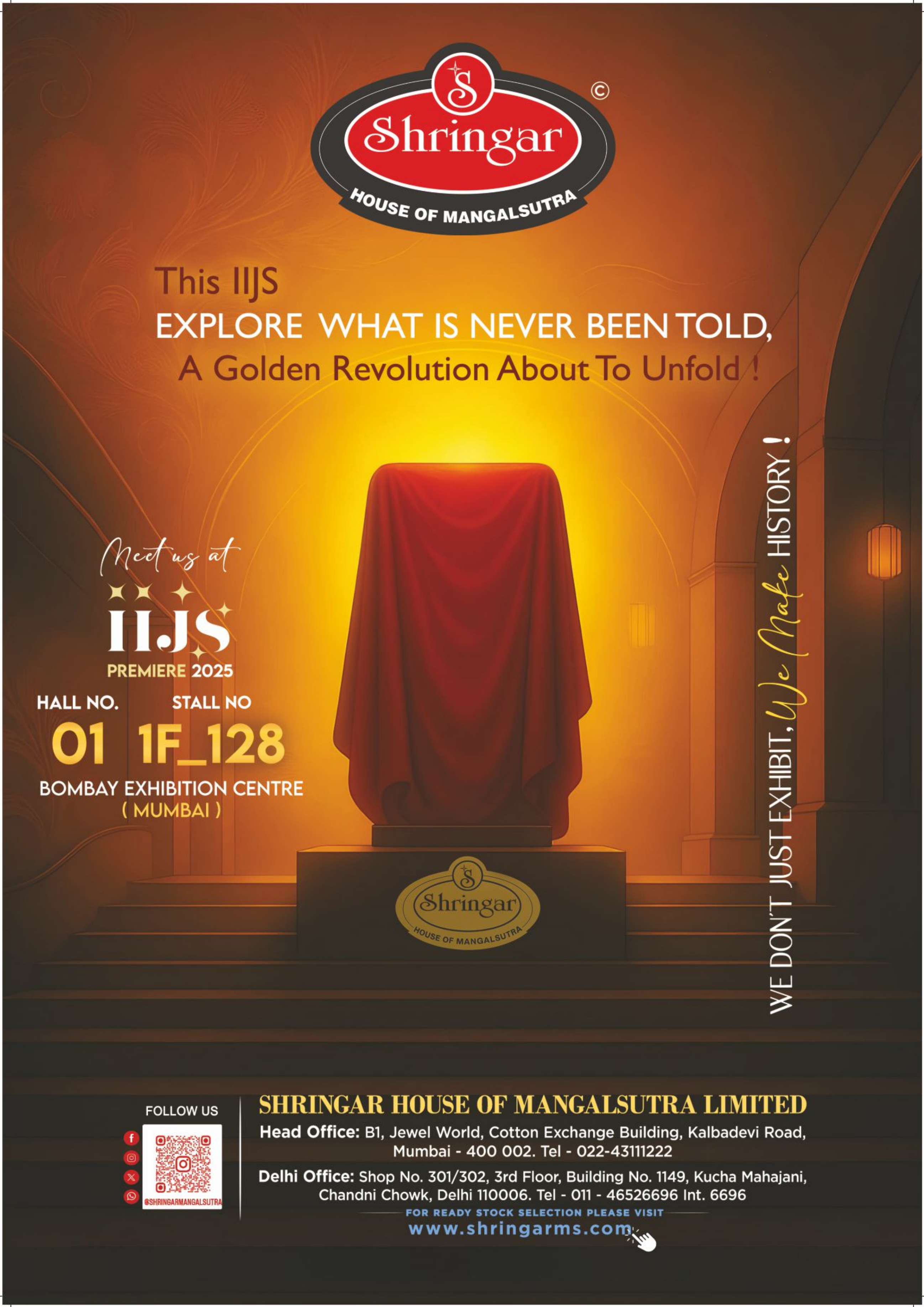
Shringar
HOUSE OF MANGALSUTRA
©
This IIJS
EXPLORE WHAT IS NEVER BEEN TOLD,
A Golden Revolution About To Unfold !
Meet us at
IIJS
PREMIERE 2025
HALL NO. STALL NO
01 1F_128
BOMBAY EXHIBITION CENTRE
(MUMBAI)
WE DON'T JUST EXHIBIT, We Make HISTORY !
Shringar
HOUSE OF MANGALSUTRA
FOLLOW US
@SHRINGARMANGALSUTRA
SHRINGAR HOUSE OF MANGALSUTRA LIMITED
Head Office: B1, Jewel World, Cotton Exchange Building, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002. Tel - 022-43111222
Delhi Office: Shop No. 301/302, 3rd Floor, Building No. 1149, Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi 110006. Tel - 011 - 46526696 Int. 6696
FOR READY STOCK SELECTION PLEASE VISIT
www.shringarms.com

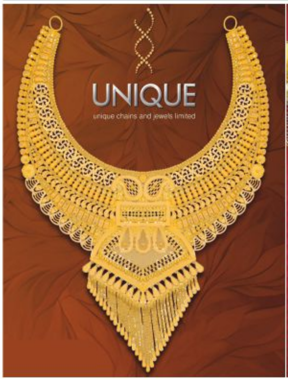

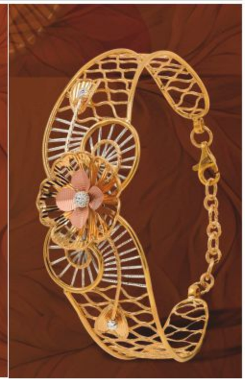

यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़

ज्वेलरी बिजनेस की सफलता के संसार में एक चमकती मिसाल

गोल्ड ज्वेलरी के चमकते, दमकते और भीड़ भरे मुंबई के जवेरी बाजार स्थित मुंबादेवी इलाके में, जहां ज्वेलर्स की प्रतिस्पर्धा कदम कदम पर चौंकाती है, उतनी ही उनकी ज्वेलरी भी चमकती रहती है। लेकिन इसी चमक के बीच खुद की चमक बनाना, उसे लगातार बनाए रखना और दूसरों पर भारी भी पड़ना बहुत ही मुश्किल खेल है। उसी मुश्किल खेल को आसानी से खेलते हुए सर्वोच्च शिखर पर अपनी जगह बनाने की कामयाब कला को प्रेम मेहरा ने यहां कदम रखते ही जान लिया था, इसीलिए आज प्रेम मेहरा और उनकी ज्वेलरी कंपनी यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ की सफलता सभी को आकर्षित करती हैं। गोल्ड ज्वेलरी सेक्टर में यूनिक चेन्स यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ ने शानदार मुकाम हासिल किया है, और संस्थापक प्रेम मेहरा की सफलता की कहानियां कईयों को नई प्रेरणा भी दे रही है। दरअसल, यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ केवल एक कंपनी नहीं, बल्कि प्रेम मेहरा की लगन, दूरदर्शिता और अटूट दृढ़ संकल्प की एक शानदार गाथा है। वे मानते हैं कि हर व्यक्ति जब यूनिक है, कुछ खास है, औरों से अलग है, तो ज्वेलरी भी खास ही क्यों नहीं होनी चाहिए। ऐसी ही कुछ खास ज्वेलरी बनाने और उसे ज्वेलरी में कुछ खास पसंद करने वालों तक पहुंचाने के लिए सन 1987 में जब प्रेम मेहरा ने जब अपनी ज्वेलरी कंपनी की शुरुआत की थी, तब न तो ज्वेलरी ट्रेड का आयाम इतना बड़ा था, न लोगों के पास ज्वेलरी के प्रति गोल्ड की कीमत के अलावा कोई खास दृष्टिकोण था और न ही खुद प्रेम मेहरा की कोई खास पहचान थी। लेकिन वे एक यूनिक विजन लेकर बाजार में उतरे, तो उनकी दृढ़ता और पेशेवर प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि आज यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ का नाम इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री में सूरज की तरह चमक रहा है। सन 1987 में यूनिक चेन्स की शुरूआत करते हुए, प्रेम मेहरा ने ज्वेलरी बाजार में जब कदम रखे थे, तो ये वो दौर था, जब ज्वेलरी इंडस्ट्री का माहौल काफी हद तक पारंपरिक था और नए खिलाड़ियों के लिए जगह बनाना बहत ही चुनौतीपूर्ण था। हालांकि, उनके पास एक स्पष्ट विजन था, ऐसी ज्वेलरी बनाना जो न केवल सुंदर हो बल्कि अद्वितीय और अदभुत भी हो, और जो बदलते वक्त के साथ ग्राहकों की बदलती चाहत को भी पूरा करे। उन्होंने गुणवत्ता, डिज़ाइन और ग्राहक संतुष्टि पर अथक ध्यान केंद्रित किया। शुरुआती दिनों में कई चुनौतियों का सामना

करने के बावजूद, प्रेम मेहरा अपने लक्ष्य पर अडिग रहे। उन्होंने बाजार की नब्ज को समझा और ऐसे प्रोडक्ट्स पेश किए जो भीड़ से अलग थे, कुछ खास थे और यूनिक थे, जिससे उन्हें बाजार में बहुत तेजी से पहचान मिली। उनकी व्यावसायिक दूरदर्शिता ने उन्हें यह समझने में मदद की कि भविष्य में ग्राहकों को सिर्फ गोल्ड ज्वेलरी ही नहीं, बल्कि गोल्ड के साथ साथ रचनात्मकता, कलात्मकता, समयानुकूलता और विश्वसनीयता भी चाहिए। प्रेम मेहरा की इसी सोच ने उनको सफलता के साथ आगे बढ़ते रहने में मदद की।

यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ की सफलता का एक बड़ा कारण इसके ज्वेलरी उत्पादों की विविधता और उत्कृष्टता है। बाजार में हर जुबान पर चर्चा है कि यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ कुछ खास और बेहद अलग किस्म की ज्वेलरी की निर्माता कंपनी हैं। प्रेम मेहरा एक परंपरागत ज्वेलर परिवार में जन्मे और बचपन से ही वही देखते देखते बड़े हुए, सो बाजार की जरूरतों को समझते थे उन्होंने उन्हीं जरूरतों को नई तकनीक के साथ कुछ नया करने की शुरुआत की। हालांकि, समय के साथ, प्रेम मेहरा ने बाजार की मांगों को पहचानते हुए अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार किया। आज, यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ केवल चेन्स तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गोल्ड ज्वेलरी की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें अंगूठियां, हार, कंगन, झुमके और बहुत कुछ शामिल हैं। यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ के प्रत्येक ज्वेलरी प्रोडक्ट में गुणवत्ता, शुद्धता और उत्कृष्ट शिल्प कौशल पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ केवल बेहतरीन क्वालिटी की प्रमाणित ज्वेलरी के निर्माता है, जिससे ग्राहकों का विश्वास उन्हें हासिल है।

यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ के संस्थापक प्रेम मेहरा कहते हैं कि जैसा कि हर व्यक्ति का डीएनए अलग होता है, ये डीएनए ही हर किसी को औरों से अलग बनाता है, और मजबूती देता है। उसी तरह से हर ज्वेलरी भी अलग होती है जो पहनने वाले को औरों अलग बनाती है। उनकी इसी परंपरा को उनके बेटे संयम मेहरा और अंकित मेहरा आगे बढ़ा रहे हैं। यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ ने आधुनिक उत्पादन तकनीक पर भी फोकस किया किया है, जिससे बड़े पैमाने पर भी उच्च क्वालिटी वाले और अभिनव ज्वेलरी डिजाइन तैयार किए जा सकें। यह यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ की वक्त के साथ निरंतर कदम बढ़ाने और क्वालिटी को लेकर उनकी प्रतिबद्धता ही है, जिसने यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ को बाजार में एक विश्वसनीय और प्रीमियम ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। प्रेम मेहरा ने यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ को न केवल एक सफल व्यवसायिक संस्थान बनाया है, बल्कि उन्होंने इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी तैयार किया है। उनके बेटे, संयम मेहरा, और उनके दूसरे बेटे अंकित मेहरा भी व्यवसाय में सक्रिय रूप से शामिल हैं। देश भर में संयम मेहरा को ज्वेलरी इंडस्ट्री के युवा नेतृत्व के रूप में जाना जाता है। संयम मेहरा और अंकित मेहरा, अपने पिता के मार्गदर्शन में, नए विचारों, आधुनिक व्यावसायिक रणनीतियों और तकनीकी नवाचारों को व्यवसाय में ला रहे हैं। यह युवा ऊर्जा और अनुभव का संयोजन यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ को तेजी से बदलते बाजार में अनुकूलन और फलने-फूलने में सक्षम बनाता है। यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ नए बाजारों तक विस्ताकर की कोशिश में हर साल करीब 5 ज्वेलरी एग्जिबिशन में हिस्सा लेती रही है। युवा उद्यमी संयम मेहरा के विकसित व्यावसायिक दृष्टिकोण का लाभ द जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल को भी मिला, जहां उन्होंने अपने नेतृत्व में सफलता के कई नए आयाम स्थापित किए। आज यूनिक चेन्स एण्ड ज्वेल्स लिमिटेड़ अपने ब्रांड को मजबूत करने और देश के बाहर भी अपनी पहुंच का विस्तार करने में सफलता पा रही रही है। प्रेम मेहरा की दूरदर्शिता ने न केवल एक बेहतरीन ज्वेलरी कंपनी का निर्माण किया है, बल्कि एक पारिवारिक विरासत भी स्थापित की है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए नए बदलाव और उत्कृष्टता के मूल्यों को आगे बढ़ाएगी। यूनिक चेन्स मुंबई के ज्वेलरी बाजार में एक चमकता सितारा है, जो अपने उत्पादों की क्वालिटी, प्योरिटी और अभिनव डिजाइंस पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही युवा नेतृत्व के निर्देशन में, यूनिक अपनी चमक को और बढ़ा रहा है।

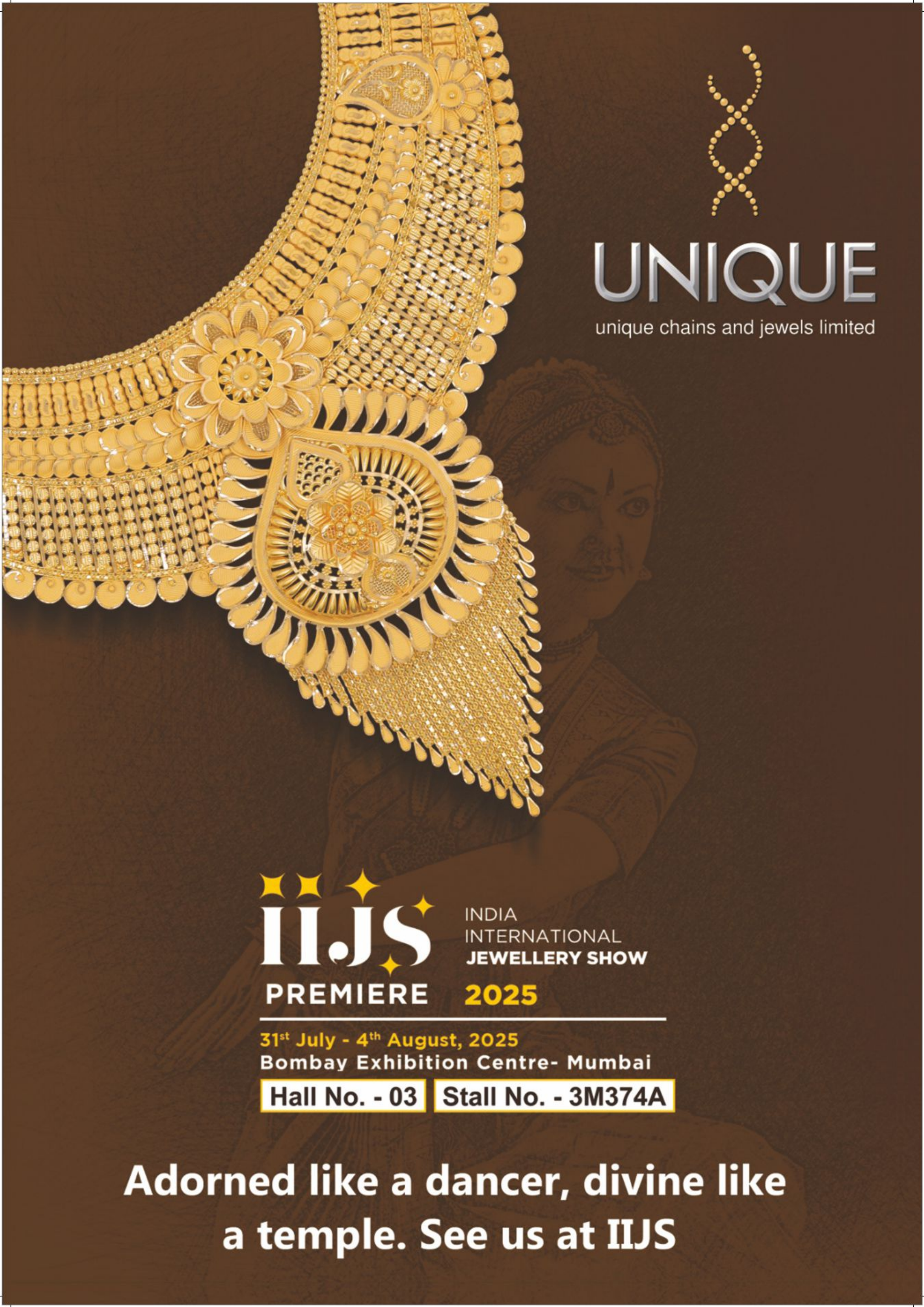
UNIQUE
unique chains and jewels limited
IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
2025
31st July - 4th August, 2025
Bombay Exhibition Centre- Mumbai
Hall No. - 03
Stall No. - 3M374A
Adorned like a dancer, divine like a temple. See us at IIJS

मिथाली गोल्ड

प्लेन गोल्ड ज्वेलरी सेक्टर में एक चमकता ब्रांड

देश के गोल्ड ज्वेलरी मार्केट्स में मुंबई का खास स्थान है, तथा मुंबई में मिथाली गोल्ड ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। खासकर प्लेन गोल्ड ज्वेलरी के मामले में मिथाली गोल्ड का नाम देश भर में, एक भरोसेमंद और प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में उभरा है। इसकी स्थापना सन 2001 में हुई थी, और तब से यह ब्रांड अपनी बेहतरीन कारीगरी, नवीन डिजाइनों और विश्वसनीयता के लिए जाना जाता है। मिथाली गोल्ड की यात्रा में संदीप कोठारी के योगदान, और इस ब्रांड की सफलता के पीछे की कहानी सचमुच प्रेरणास्पद है। मिथाली गोल्ड भारतीय ज्वेलरी उद्योग में एक चमकता सितारा कहा जा सकता है।

संदीप कोठारी की नेतृत्व क्षमता, नवाचार की सोच और शुद्धता के प्रति प्रतिबद्धता ने इस ब्रांड को एक अलग मुकाम दिलाया है। संदीप कोठारी एक आधुनिक विचार वाले युवा और गतिशील व्यक्तित्व के बिजनेसमैन हैं, जिन्होंने ज्वेलरी उद्योग में अपनी नवीन सोच और समर्पण से एक अलग मुकाम हासिल किया है। उनका मानना है कि ज्वेलरी केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि भावनाओं, परंपराओं और कला का संगम है। संदीप कोठारी ने अपने करियर की शुरुआत परिवार के पारंपरिक ज्वेलरी व्यवसाय में की। इस दौरान उन्होंने मार्केट की गहरी समझ विकसित की और महसूस किया कि ज्वेलरी उद्योग में कुछ नया और अनोखा करने की जरूरत है। इसी विचार के साथ, सन 2001 में मिथाली गोल्ड की स्थापना के समय

Mithali® GOLD
Mumbai

संदीप कोठारी

संदीप कोठारी का उद्देश्य स्पष्ट था की ऐसी ज्वेलरी बनाना, जो न केवल सुंदर हों, बल्कि उच्च क्वालिटी और प्योरिटी के स्टेंडर्ड पर भी खरी उतरे। उनकी यह सोच जल्द ही रंग लाई और मिथाली गोल्ड ने बहुत ही कम समय में ज्वेलरी बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बना ली। आज यह ब्रांड देश भर में, विशेष रूप से कोलकाता, कोयंबटूर, राजकोट, मुंबई की प्लेन गोल्ड ज्वेलरी के लिए जाना जाता है।

मिथाली गोल्ड की सफलता का एक प्रमुख कारण उनकी डिजाइनों की अनूठी शैली है। जहां प्लेन गोल्ड ज्वेलरी को आमतौर पर सादगी का प्रतीक माना जाता है, वहीं मिथाली गोल्ड ने इस धारणा को चुनौती दी है। उनके संस्थान में नेकलेस, चेन, बैंगल्स, मंगलसूत्र और अन्य ज्वेलरी न केवल पारंपरिक बल्कि नए जमाने के ट्रेंड को भी ध्यान में रखकर बनाई जाता है, जिनके डिजाइनों में कारीगरी में बारीकियों का जबरदस्त समन्वय होता है जो ग्राहकों को आकर्षित करता है। मिथाली गोल्ड की विशेषताएं देखें, तो बेहतरीन कारीगरी और शुद्धता, वेडिंग कलेक्शन तथा नई पीढ़ी की पसंद के मुताबिक नई सोच के अभिनव डिजाइंस ने ही इसे बहुत तेजी से लोगों के दिलों में बसाया है। मिथाली गोल्ड की ज्वेलरी अपनी प्योरिटी और क्वालिटी के लिए जानी जाती है। संदीप कोठारी ने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि उनके उत्पादों में प्योरिटी का कोई समझौता न हो। यही बात, ग्राहकों के बीच मिथाली गोल्ड की विश्वसनीयता का आधार बनी। मिथाली गोल्ड का वेडिंग कलेक्शन उनकी सबसे बड़ी ताकत है। संदीप कोठारी कहते हैं कि विवाह भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण अवसर है, और इस मौके पर ज्वेलरी की मांग हमेशा उच्च रहती है। उनके कंपनी मिथाली गोल्ड का वेडिंग कलेक्शन इस मांग को बखूबी पूरा करता है। उनके पास नेकलेस, मंगलसूत्र, झुमके और अन्य ज्वेलरी की एक विस्तृत रेंज होती है, जो विशेष रूप से विवाह जैसे अवसरों के लिए डिजाइन की जाती है। मिथाली गोल्ड की खासियत यह है कि वे पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों का संतुलन बनाए रखते हैं। संदीप कोठारी की डिजाइन टीम लगातार नए और अभिनव डिजाइंस पर काम करती है। मिथाली गोल्ड की डिजाइनों में बारीकी और सौंदर्य का ऐसा मेल होता है जो उनकी ज्वेलरी को बाजार में विशिष्ट बनाता है।

न केवल अपने बेहतरीन ज्वेलरी प्रोडक्ट्स के लिए, बल्कि ज्वेलरी इंडस्ट्री में भी मिथाली गोल्ड अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रतिष्ठित है। यह ब्रांड हर साल देश भर में आयोजित होने वाली कम से कम पांच ज्वेलरी एग्जिबिशन में हिस्सा लेता है, जहां मिथाली गोल्ड को अपने नए कलेक्शंस को प्रदर्शित करने और ग्राहकों के साथ सीधा संपर्क स्थापित करने का अवसर मिलते हैं। इसके अलावा, मिथाली गोल्ड और संदीप कोठारी प्रमुख ज्वेलरी संगठनों जैसे द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी), ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) और इंडियन बुलियन एंड ज्वेलरी एसोसिएशन (इब्जा) आदि के सदस्य हैं।

संदीप कोठारी की उद्योग में सक्रियता का एक उदाहरण यह है कि वे मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। इस भूमिका में वे न केवल अपने ब्रांड को बढ़ावा देते हैं, बल्कि पूरे ज्वेलरी उद्योग के विकास के लिए भी योगदान देते हैं। उनकी यह सक्रियता मिथाली गोल्ड को उद्योग में एक अग्रणी स्थान दिलाती है। मिथाली गोल्ड ने यह साबित किया है कि प्लेन गोल्ड ज्वेलरी भी स्टाइल और सौंदर्य का प्रतीक हो सकती है।

Mithali® GOLD
Mumbai
CRAFTED IN GOLD
Made for Grace
VISIT US AT
HALL NO : 2
BOOTH NO
2J 265 B
IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
2025
31st July - 4th August, 2025
Bombay Exhibition Centre- Mumbai
Shop No. 3, 1st Floor, 130/132, Chandra Mahal, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400 002.

चेन्स कॉर्नर
ज्वेलरी इंडस्ट्री में विश्वसनीयता का प्रतीक

चेन्स कॉर्नर ज्वेलरी कंपनी, मुंबई की आर्थिक राजधानी में स्थित एक प्रसिद्ध ज्वेलरी ब्रांड है, जो अपनी उत्कृष्ट डिजाइनों और उच्च क्वालिटी की चेन के लिए जाना जाता है। दो मित्रों, भगवतीलाल धाकड और प्रकाश जैन ने मिलकर चेन्स कॉर्नर की शुरूआत की और उसे आज सफलता के उंचे मुकाम तक पहुंचाया और दोनों की मेहनत ने इस कंपनी ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी एक खास पहचान बनाने के मुकाम पर पहुंचाया है। यह ज्वेलरी कंपनी पारंपरिक भारतीय शिल्पकला को आधुनिक डिजाइनों के साथ मिश्रित करने के लिए प्रसिद्ध है। चेन्स कॉर्नर ने अपने व्यावसायिक सफर में न केवल स्थानीय बल्कि वैश्विक डिजाइंस के जरिए भी अपने ग्राहकों का विश्वास जीता है, और चेन्स कॉर्नर को ज्वेलरी इंडस्ट्री में विश्वसनीयता का प्रतीक है।

चेन्स कॉर्नर की स्थापना भगवतीलाल धाकड और प्रकाश जैन ने की थी, जिन्होंने भारतीय पारंपरिक ज्वेलरी की समृद्ध विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा और चेन के क्षेत्र में अपनी ताकत बढ़ाने की रणनीति के तहत ही चेन के विभिन्न प्रोड्क्टस की ओर ध्यान दिया। शुरुआत में, भगवतीलाल धाकड और प्रकाश जैन की इस कंपनी ने स्थानीय बाजारों में गोल्ड के पारंपरिक ज्वेलरी पर भी ध्यान केंद्रित किया, लेकिन तत्काल ही चेन से जुड़ी ज्वेलरी में विस्तार किया। चेन्स कॉर्नर विभिन्न प्रकार की चेन से जुड़ी ज्वेलरी प्रदान करता है, जिनमें गोल्ड चेन, ब्रेसलेट तथा लाइफस्टाइल के विभिन्न प्रॉडक्ट का निर्माण किया जाता है। चेन्स कॉर्नर की ज्वेलरी को ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिलता रहा है, यही वजह है कि इनका व्यापार पूरे देश भर में बहुत तेजी

प्रकाश जैन भगवतीलाल धाकड

से फैला। वे 18 से 22 कैरेट गोल्ड की हर डिजाइन और वजन की चेन्स का निर्माण करते हैं। कंपनी की विशेषता है इनकी सभी ज्वेलरी जो कुशल कारीगरों द्वारा बनाई जाती हैं। चेन्स कॉर्नर की ज्वेलरी देश में विभिन्नस्थानों पर बिकती है तथा वर्तमान डिजिटल युग में ग्राहकों के लिए और भी सुलभ होती जा रही है।

मुंबई, भारत की आर्थिक राजधानी तथा ज्वेलरी के मामले में नेशनल हब होने के नाते, चेन्स कॉर्नर के लिए एक आदर्श स्थान है। ज्वेलरी उद्योग की मांग हमेशा काफी हाई रहती है, खासकर शादियों और त्योहारों के दौरान। कंपनी ने इन अवसरों का लाभ उठाते हुए, मध्यम वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक के ग्राहकों को हमेशा लक्षित किया है, जिनका रिस्पॉस भी बेहतर मिला है। वैसे तो बाजार में हर किसी की हर किसी से होड़ है, लेकिन चेन्स कॉर्नर अपने प्रतिस्पर्धियों में बड़े ब्रांड को ही मानता हैं, लेकिन चेन्स कॉर्नर अपनी अनूठी डिजाइनों और व्यक्तिगत सेवाओं के कारण मार्केट में सबसे अलग पहचान रखता है। देश भर में हर साल होने वाली विभिन्न ज्वेलरी एग्जिबिशन, जिनमें मुख्य रूप से आईआईजेएस मको गिना जा सकता है, उसमें चेन्स कॉर्नर पिछले कई सालों से प्रतिभागी होता रहा है, साथ ही देश में होने वाले कुछ प्रमुख एग्जिबिशन्स में भी चेन्स कार्नर अपनी ज्वेलरी को प्रजदर्शित करने के लिहाज से हिस्सा लेता रहा है। अपने कारोबार को आगे बढाने में चेन्स कॉर्नर के संस्थापकों भगवतीलाल धाकड और प्रकाश जैन की दूरदर्शी नीति सबसे प्रमुख है। वे अपने ग्राहकों की मांग और बाजार में चलने वाले ज्वेलरी ट्रेंड्स पर तेज नजर रखते हैं। यही कारण है कि दोनों ही साथी, चेन्स कॉर्नर में चेन, ब्रेसलेट्स तथा अन्य ज्वेलरी की नई नई वेरायटी पर नई डिजाइन के लिए नई टेक्निक के साथ काम करते रहे हैं। चेन्स कॉर्नर के सह संस्थापक प्रकाश जैन मुंबई होलसेल ज्वेलरी गोल्ड असोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे हैं और ज्वेलर्स और ग्राहकों के हितों का खयाल रखने के मामले में उनका नजरिया साफ हैं कि ग्राहक उनकी ज्वेलरी से संतुष्ट होगा, तो ही फिर आएगा। चेन्स कॉर्नर कस्टमर्स के प्रति अपनी जिम्मेदारी और मार्केट में प्रगति के बारे में पूरी तरह से प्रति प्रतिबद्ध है। चेन्स कॉर्नर ने ज्वेलरी के विकास में कई नई पहलों में भी अपना अहम योगदान दिया है, जैसे कि मुंबई में चेन ज्वेलरी सेक्टर में उन्होंने कई तरह के नए डिजाइन पेश करके अपने आस पास के कई ज्वेलर्स को कई बार चकित किया है। चेन्स कॉर्नर की ज्वेलरी के डिजाइन भारतीय संस्कृति से प्रेरित हैं, जो आधुनिक और पारंपरिक शैलियों का मिश्रण हैं। इसके अलावा, कंपनी कस्टमाइज्ड ऑर्डर पर भी ज्वेलरी निर्माण करती है, जहां ग्राहक अपनी पसंद के डिजाइन बनवा सकते हैं।

CHAINS® CORNER
JEWELLERY (I) PVT. LTD.
PURE
grace
VISIT US AT
IIJS
PREMIERE 2025
31ST JULY - 04TH AUGUST 2025
HALL NO
3
STALL NO
3M_384D
BOMBAY EXHIBITION CENTRE - MUMBAI
(P)+91 - 022 - 2341 5650, 2344 0637 (M)+91 - 99872 20006 / 90048 20006 / 99871 20006
Bracelet | Chains | Malas | Rings | Frames | Gents Kada | Pendents | Straps | Lifestyle Products

शाइन शिल्पी

ज्वेलरी में क्वालिटी और उत्कृष्टता के दम पर जबरदस्त प्रतिष्ठा

गोल्ड एवं प्लेटिनम ज्वेलरी के क्षेत्र में मुंबई स्थित प्रतिष्ठित कंपनी शाइन शिल्पी भारतीय ज्वेलरी उद्योग में उत्कृष्टता, नवीनता और बेजोड़ ग्राहक संतुष्टि का पर्याय बन चुकी है। अपनी स्थापना के बाद से, कंपनी ने एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है और बेहतरीन ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक के रूप में खुद को स्थापित किया है। तीन दशकों से अधिक की समृद्ध परंपरा के साथ, शाइन शिल्पी ने, न केवल अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, बल्कि लगातार गुणवत्ता, शुद्धता और अद्वितीय डिज़ाइनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया है। खास बात यह भी है कि शाइन शिल्पी ने अपने विशेष नाइन शाइन कलेक्शंस के दम पर ज्वेलरी उद्योग में एक बड़ा नाम कमाया है। प्रमोद मेहता के दूरदर्शी नेतृत्व, एक मजबूत विरासत, व्यापक पहुंच और क्वालिटी के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, साइन शिल्पी भारतीय ज्वेलरी उद्योग में अपनी चमक बिखेरना जारी रखे हुए है। कुल मिलाकर, शाइन शिल्पी सिर्फ एक ज्वेलरी कंपनी नहीं, बल्कि यह उत्कृष्टता, क्वालिटी और भरोसे का प्रतीक है।

शाइन शिल्पी की उल्लेखनीय सफलता का श्रेय इसके संस्थापक प्रमोद मेहता के दूरदर्शी व्यावसायिक विजन को जाता है। मेहता के असाधारण नेतृत्व में, साइन शिल्पी ने एक स्पष्ट मिशन स्थापित किया है जो रिटेल ज्वेलरी क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। उनकी दूरदृष्टि ने साइन शिल्पी को पारंपरिक ज्वेलरी बनाने वाली कंपनी से कहीं आगे बढ़कर एक ऐसी संस्था में बदल दिया है जो आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को समझती है और उन्हें पूरा करती है। मेहता के मार्गदर्शन में, कंपनी ने लगातार नयेपन, अभिनवता तथा वक्त के बदलते दौर को यह सुनिश्चित करते हुए अपनाया है, कि साइन शिल्पी न केवल बाजार के रुझानों के साथ बना रहे, बल्कि उन्हें स्थापित भी करे। उनका नेतृत्व कंपनी को सफलता की राह पर लगातार आगे बढ़ा रहा है, जिससे यह भारतीय ज्वेलरी परिदृश्य में एक अग्रणी शक्ति बनी हुई है। साइन शिल्पी की 30 साल की परंपरा इसकी गहरी जड़ों और उद्योग में स्थायी उपस्थिति का प्रमाण है। इस अवधि में, कंपनी ने भारत के 300 से अधिक शहरों में 4499 से अधिक खुदरा स्टोर्स में अपनी ज्वेलरी की शानदार उपस्थिति दर्ज कराई है। यह व्यापक पहुंच साइन शिल्पी की उत्पाद की गुणवत्ता, डिज़ाइन की अपील और खुदरा भागीदारों के साथ मजबूत संबंधों का प्रमाण है। चाहे वह महानगर हों या बी क्लास सिटी, साइन शिल्पी की गोल्ड व प्लेटिनम ज्वेलरी हर जगह उपलब्ध है, जो इसे देश के हर कोने में ज्वेलरी शौकीनों के

प्रमोद मेहता

लिए सुलभ बनाती है। यह विशाल वितरण नेटवर्क कंपनी की बाजार में गहरी पैठ और ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है।

शाइन शिल्पी ने अपने विशेष नाइन शाइन कलेक्शंस के दम पर ज्वेलरी उद्योग में एक बड़ा नाम कमाया है। नाइन शाइन कलेक्शन में, कोलकाता, मंगलसूत्र, चेन्स, एमेरल्ड, प्लेटिनम, ट्रायोस, टर्किश, बॉम्बे, और एंटिक ज्वेलरी शामिल है। ये सभी कलेक्शंस कंपनी की रचनात्मकता, शिल्प कौशल और ग्राहकों की पसंद की गहरी समझ का प्रतीक हैं। नाइन शाइन कलेक्शंस में गोल्ड और प्लेटिनम ज्वेलरी के विविध और लुभावने डिज़ाइन शामिल हैं, जो विभिन्न अवसरों और व्यक्तिगत शैलियों के अनुरूप हैं। प्रत्येक कलेक्शन अपनी अनूठी थीम, जटिल विवरण और शानदार फिनिश के लिए जाना जाता है, जिसने इसे उपभोक्ताओं के बीच अत्यधिक लोकप्रिय बना दिया है। नाइन शाइन ने साइन शिल्पी को भीड़ से अलग खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे यह नवाचार और सौंदर्यशास्त्र के लिए जाना जाने वाला ब्रांड बन गया है।

कहते हैं कि उत्कृष्ट डिज़ाइन और ग्राहक संतुष्टि ही किसी भी ज्वेलरी बिजनेस की जान होते हैं। साइन शिल्पी की पहचान भी उसकी ज्वेलरी के शानदार डिज़ाइनों के तौर पर तो है ही, अपने ग्राहकों की संतुष्टि के प्रति भी उसकी अटूट प्रतिबद्धता है। कंपनी के लोकप्रिय नाइन शाइन कलेक्शंस के डिज़ाइन उत्कृष्टता और नवीनता के इर्द-गिर्द घूमते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप वे ज्वेलरी के ऐसे शानदार पीस बनाते हैं जो कला के करतब कहे जा सकते हैं। शाइन शिल्पी का प्रत्येक ज्वेलरी पीस, चाहे वह पारंपरिक हो या समकालीन, बेहतरीन शिल्प कौशल और कला की गहनता पर गहरे ध्यान का प्रतीक है। उनकी ज्वेलरी के डिज़ाइन न केवल सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन होते हैं, बल्कि पहनने वाले की व्यक्तित्व को भी दर्शाते हैं। उत्कृष्ट डिज़ाइन के साथ-साथ, ग्राहक संतुष्टि शाइन शिल्पी के संचालन के मूल में है। कंपनी ग्राहकों की जरूरतों और अपेक्षाओं को समझने और उन्हें पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करती है। प्रमोद मेहता कहते हैं कि इसी वजह से शाइन शिल्पी का नाम देश भर में है और उन्होंने पूरा फोकस कर के शाइन शिल्पी को एक विश्वसनीय और सम्मानित ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। क्वालिटी, प्योरिटी और, डिज़ाइन के इस तालमेल ने शाइन शिल्पी को गोल्ड ज्वेलरी उद्योग में एक निर्विवाद लीडर बना दिया है।

गोल्ड ज्वेलरी क्षेत्र में, शाइन शिल्पी अपनी ज्वेलरी की गुणवत्ता, शुद्धता तथा डिज़ाइन्स के बल पर शिखर पर है। प्रमोद मेहता कहते हैं कि कंपनी गोल्ड और प्लेटिनम की उच्चतम शुद्धता मानकों का कड़ाई से पालन करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक ज्वेलरी पीस न केवल सुंदर है बल्कि कलात्मकता में भी बेहतरीन है। मेहता की यही प्रतिबद्धता ग्राहकों के बीच विश्वास पैदा करती है, जो यह जानते हैं कि वे शाइन शिल्पी से असली और उच्च-गुणवत्ता वाली ज्वेलरी खरीद रहे हैं। शाइन शिल्पी को अब तक अनेक ज्वेलरी इवेंट्स में कई अवार्ड्स मिले हैं। सन 2013, 14, 15 और 16 में लगातार चार बार उन्हें इब्जा का बेस्ट चेन ऑफ होलसेल स्टोर अवॉर्ड मिला, तो 2014 में आर्टिसन का बेस्ट गोल्ड ज्वेलरी डिजाइन ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिला। इसी तरह 2014 और 2018 में जीजेटीसीआई एक्सिलेंस अवॉर्ड तथा 2019 और 2020 में कास्टिंग और हैंडमेड ज्वेलरी में भी अवॉर्ड मिले। सन 2019 का द आइकॉनिक अवॉर्ड भी शाइन शिल्पी को मिला। प्रमोद मेहता कहते हैं कि ये प्रत्येक पुरस्कार शाइन शिल्पी की टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है और यह कंपनी को अपने उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। शाइन शिल्पी ज्वेलरी उद्योग की विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं और संघों, द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जेम एंड़ ज्वनेलरी ट्रेड काउंसिल ऑफ इंडिया, इंडिया बुलियन एंड़ ज्वेलर्स एसोसिएशन तथा ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डॉमेस्टिक काउंसिल से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। यह जुड़ाव कंपनी की उद्योग के विकास और मानकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इन संघों का सदस्य होने के नाते शाइन शिल्पी को नवीनतम उद्योग रुझानों, सर्वोत्तम प्रथाओं और नियामक परिवर्तनों के साथ अद्यतन रहने में मदद मिलती है। प्रमोद मेहता कहते हैं कि इन संस्थाओं से सक्रिय भागीदारी न केवल साइन शिल्पी को उद्योग की दिशा को प्रभावित करने में सक्षम बनाती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि कंपनी हमेशा पारदर्शिता, नैतिकता और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का पालन करे।

Retailers Prefer
SHINE FIRST
We Invite you to experience and feel
RELATION
INNOVATION
TRADITION
A Different Connection
Excited to meet you at
SHINESHILPI®
MARK OF TRUST
IIJS
PREMIERE 2025
HALL NO. : 3 | ZONE.: 3B | STALL NO.: 3M 369A
31st July - 4th August 2025
BOMBAY EXHIBITION CENTRE - MUMBAI
Marketing: +91 88799 60700 | Platinum: +91 82910 60701/02 | Shine 18 : +91 9076260701
www.shineshilpi.com | follow us

MANGAL MANI
JEWELLERS LTD.

मंगलमणि ज्वेलर्स लिमिटेड ज्वेलरी की दुनिया में खास पहचान

मुंबई केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में ज्वेलरी उद्योग का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां के मुंबादेवी इलाके में स्थित झवेरी बाजार क्षेत्र में हज़ारों ज्वेलरी कंपनियां कार्यरत हैं, जिनमें से कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हैं। इन कंपनियों के राष्ट्रीय और वैश्विक प्रतिस्पर्धी वातावरण में भी मंगलमणि ज्वेलर्स लिमिटेड ने न केवल अपनी अहम जगह बनाई है, बल्कि एक अलग पहचान भी कायम की है। मंगलमणि ज्वेलर्स की सबसे बड़ी पहचान उसकी ज्वेलरी की विश्वसनीयता कमाल की है। बेहतरीन डिज़ाइनों और पारदर्शी व्यापारिक नीति के चलते यह कंपनी मुंबई में ज्वेलरी खरीदने वालों व्यापारियों की पहली पसंद बन गई है। मुंबई जैसे बड़े शहर में जहां हर दिन नए ट्रेंड्स आते हैं, मंगलमणि ने परंपरा और आधुनिकता के बेहतरीन समन्वय से ग्राहकों का जबरदस्त विश्वास अर्जित किया है। आज यह कंपनी न केवल मुंबई में बल्कि देशभर और एनआरआई बाजारों में भी अपनी 18, 20 और 22 कैरेट ज्वेलरी में पहचान स्थापित कर चुकी है और 1990 से एक बेहद सामान्य शुरुआत के साथ 2024 में लिमिटेड कंपनी के रूप में नई पहचान कायम करते हुए कॉरपोरेट जगत की ज्वेलरी कंपनियों में अपनी जगह बनाने में सफल रही है। मंगलमणि ज्वेलर्स लिमिटेड के संस्थापक अरविंद धाकड़ जो, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। मंगलमणि की स्थापना - दो साथियों का सपना, दोनों की साझा मेहनत और दोनों की दूरदर्शी कोशिशों से लिखी गई, सफलता की कहानी है।

मंगलमणि ज्वेलर्स लिमिटेड की शुरुआत वर्ष 1990 में दो दूरदर्शी और मेहनती व्यापारियों अरविंद धाकड़ और जुगराज बोहरा ने मिलकर की थी। शुरुआत में ये दोनों केवल मंगलसूत्र और उसमें प्रयुक्त मणियों का व्यापार करते थे। इन्हीं दो चीजों से प्रेरित होकर उन्होंने कंपनी का नाम 'मंगलमणि' रखा 'मंगल' अर्थात मंगलसूत्र और 'मणि' अर्थात उसमें जड़ी गई मूल्यवान रत्न। अपने शुरुआती व्यापार में इन्होंने गुणवत्ता और सच्चाई को

अरविंद धाकड़

जुगराज बोहरा

सर्वोच्च प्राथमिकता दी, जिससे उन्हें उपभोक्ताओं का गहरा विश्वास प्राप्त हुआ। धीरे-धीरे व्यापार बढ़ा और उसी नाम से मंगलमणि ज्वेलर्स की स्थापना की गई। एक छोटी दुकान से शुरू हुआ यह सफर अब एक स्थापित ब्रांड में बदल चुका है, जिसकी ज्वेलरी देश के विभिन्न शहरों के हजारों ज्वेलरी आउटलेट्स पर उपलब्ध है, और आजकल तो यह अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक भी पहुंच चुका है। ज्वेलरी बिजनेस की शुरुआत से पहले अरविंद धाकड़ मेटल बिजनेस में थे लेकिन बाद में जुगराज बोहरा और वे दोनों ज्वेलरी बिजनेस में गोल्ड चेन बनाकर बेचने लगे। शुरुआत में वे गोल्ड चेन के बाद, धीरे धीरे कदम बढ़ाते हुए उन्होंने मंगलमणि को मंगलसूत्र के साथ साथ कड़े, बैंगल्स, टॉप, नेकलेस, रिंग जैसी ज्वेलरी की ऐसी कंपनी के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया, जहां 18, 20 और 22 कैरेट की लाखों डिजाइन की सबके लिए सब तरह की ज्वेलरी उपलब्ध है।

दूरदर्शी बिजनेसमेन की सबसे बड़ी पहचान उनकी सोच होती हैं, वे कुछ अलग तरीके से सोचते है। जुगराज बोहरा और अरविंद धाकड़ ने अपने सिर्फ एक स्लोगन से अपनी कंपनी की किस्मत ही नई स्याही से लिख दी। मुंबई के ज्वेलरी सेक्टर में मंगलमणि की शुरुआत के साथ ही एक कहानी बड़ी प्रचलित है। यह अलग बात है कि दोनों में समन्वय शानदार है, सामंजस्य भी बेहतरीन हुआ और जिस बात ने मंगलमणि को खास बना दिया, वह है इसका प्रेरणादायक और विशिष्ट स्लोगन 'जो कहीं नहीं मिलता, वह मंगलमणि में मिलता है!' अधिकांश स्वर्ण आभूषण दुकानों का शुभारंभ मंगलमणि की ज्वेलरी द्वारा ही हुआ है। जो कहीं नहीं मिलता वो आपको मंगलमणि में मिल ही जाएगा। एसे पहचान पूरे ज्वेलरी व्यवसाय में आज दिन तक बरकरार हैं। यह केवल एक प्रचार वाक्य नहीं था, बल्कि कंपनी की व्यापारिक नीति और दृष्टिकोण का मूल मंत्र बन गया। इस विचारधारा के तहत मंगलमणि ने अपनी ज्वेलरी में ऐसे अनोखे डिजाइन, शुद्धता और सेवा प्रदान करने की ठानी जो आमतौर पर बाजार में कम ही मिलती है। यही सोच उन्हें दूसरों से अलग बनाती गई।

चाहे त्योहार हों या शादी-ब्याह, मंगलमणि के पास हर अवसर के लिए कुछ विशेष था। यह स्लोगन ग्राहकों के दिल में बैठ गया और उन्हें यह विश्वास होने लगा कि जब कुछ खास चाहिए, तो उन्हें मंगलमणि ही जाना चाहिए। यही सोच कंपनी की ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हुई। ज्वेलरी बिजनेस की सबसे खास बात क्या है कि इसके व्यापारिक विकास में जितनी मेहनत संस्थापकों की लगती है, उतना ही बाजार की भी सहयोगात्मक स्थिति का साथ रहता है। व्यापार के विकास में बाजार का सहयोग, आजकल व्यापारिक संस्थानों, संस्थाओं और एग्जीबिशन के जरिए भी जबर्दस्त मिलता है, जो देश में समय-समय पर होते रहते हैं। मंगलमणि ज्वेलर्स की ओर से हर साल कई महत्वपूर्ण एग्जीबिशन में सहभागिता करके व्यापारियों से जुड़ाव की मजबूत प्रक्रिया लगातार जारी रखने का प्रयास किया जाता है। आज घर देखे तो मुंबई के बाजार और ज्वेलरी प्रोडक्शन कंपनियों में मंगलमणि की टॉप 10 कंपनी में सम्मानित जगह बनी हुई है, क्योंकि उनकी प्रोडक्शन टीम सदा नए ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखती रहती है। ज्वेलरी की क्वालिटी की वजह से मंगलमणि को कई अवार्ड मिले हैं और पुणे के ज्वैलरी एग्जिबिशन में बेस्ट ज्वेलरी प्रोड्यूसर का अवार्ड भी उनको मिल चुका है। मंगलमणि ज्वेलर्स लिमिटेड, जीजेईपीसी, जीजेसी, इब्जा और महाराष्ट्र सराफा एसोसिएशन, जवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन और मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन से भी जुड़े हुए हैं।

MANGAL MANI
JEWELLERS LTD.
You are invited to Join
HALL NO. 3
STALL NO. 3M 368A
IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025
31st July - 4th August, 2025
Bombay Exhibition Centre- Mumbai
FOR ORDERS
+91 70450 70100 - 18 & 20 CT
+91 77100 57874 - 22 CT
+91 93218 33945 - Bangle
ARABIC
BOMBAY
TURKISH
MANGALSUTRA
ROSEGOLD
PAPER CASTING
BANGLES
Shop No. 3, Ground Floor, Motiwala Building No. 45, Third Agiary Lane (Nasta Gali), Behind Bank Of India, Zaveri Bazar, Mumbai - 400 003, Maharashtra
mangalmani.jewellers@redifmail.com | mangalmanijewellers

विनायक एक्सपोर्ट
925 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी में एक चमकता नाम

मुंबई के चमकते आभूषण बाजार में, विनायक एक्सपोर्ट ने अपनी अलग पहचान बनाई है। ज्वेलरी के क्षेत्र में वैसे तो हर तरफ सफलता की एक नई कहानी सुनने को मिलती है, लेकिन दिनेश कोठारी की कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और अटूट लगन की कहानी बेहद अनुकरणी है, जिन्होंने 925 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी के क्षेत्र में देश भर में अपना दबदबा कायम किया है। दिनेश कोठारी का ज्वेलरी उद्योग की विभिन्न संस्थाओं से भी गहरा जुड़ाव है। आज विनायक एक्सपोर्ट्स 925 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी के मामले में देश की अग्रणी ज्वेलरी निर्माता कंपनियों में है, जो कोरिया, थाइलैंड और चीन से सिल्वर ज्वेलरी इंपोर्ट करते हैं, तो जयपुर, कोल्हापुर, बैंगलुरू और आगरा से ज्वेलरी खरीदते भी हैं। उनकी सफलता का सफर केवल व्यापारिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ईमानदारी, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की कहानी है। दिनेश कोठारी, जो इस व्यापार के अग्रदूत हैं, उन्होंने दशकों पहले इस क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने स्टर्लिंग सिल्वर के व्यापार की बारीकियों को गहराई से समझा और एक मजबूत नींव रखी।

दिनेश कोठारी का ज्वेलरी उद्योग से परिचय बीकॉम की पढ़ाई पूरी करने के बाद हुआ। उन्होंने माटुंगा स्थित अपने दादा, मोतीलालजी कोठारी की 70 साल पुरानी प्रसिद्ध दुकान कोठारी ज्वेलर्स में दो साल तक काम किया और गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह उनकी पहली नींव थी, जहां उन्होंने इस व्यवसाय की बारीकियों को समझना शुरू किया। यह अनुभव उनके लिए सोने की खान साबित हुआ, जिसने उन्हें ज्वेलरी निर्माण और व्यापार की गहरी समझ दी। फिर, सन 1992 में सिद्धार्थ ट्रेडर्स सिल्वर नामक ज्वेलरी शॉप के साथ उनकी व्यावसायिक शुरूआत हुई। इसी अनुभव और आत्मविश्वास के साथ, दिनेश कोठारी ने 1996 में विनायक एक्सपोर्ट की स्थापना की। यह सिर्फ एक नई ज्वेलरी कंपनी नहीं थी, बल्कि उनके भीतर बसे ऐसे जुनून की अभिव्यक्ति थी, जहां गुणवत्ता, डिज़ाइन और ग्राहक संतुष्टि ही सर्वोच्च प्राथमिकता थी। अब उनके इस बिजनेस में दोनों बेटे भी साथ है, जिनके सहयोग से दिनेश कोठारी के नेतृत्व में विनायक एक्सपोर्ट अपनी 925 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी के जरिए ज्वेलरी उद्योग में लगातार प्रगति कर रहा है।

जय कोठारी दिनेश कोठारी सुमित कोठारी

विनायक एक्सपोर्ट ने बहुत ही कम समय में 925 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी में पूरे देश में अपनी धाक जमा ली। कंपनी इयर रिंग, पेंडेंट, रिंग, सेट और हर तरह की स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी बनाती है। उनकी विशेषज्ञता केवल आधुनिक डिज़ाइन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे आकर्षक एंटीक और मोजोनाइन ज्वेलरी भी बनाते हैं। विनायक एक्सपोर्ट की ज्वेलरी की सबसे बड़ी खासियत उनकी आकर्षकता है; ग्राहक पहली नजर में ही उन्हें पसंद कर लेते हैं। यह उनकी डिज़ाइन टीम की रचनात्मकता और कारीगरों के बेजोड़ शिल्प कौशल का प्रमाण है। विनायक एक्सपोर्ट में हर वक्त 2500 से 3000 तक ज्वेलरी डिज़ाइन उपलब्ध रहते हैं, जो ग्राहकों को एक विशाल रेंज प्रदान करते हैं। उनका माल पूरे भारत में बेचा जाता है, और साथ ही वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात भी करते हैं, जिससे उनकी वैश्विक पहुंच का पता चलता है।

वे मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन, इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन, ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल, जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, और श्री श्रॉफ वेलफेयर एसोसिएशन जैसे प्रतिष्ठित संगठनों से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में, वह मुंबई होलसेल गोल्ड संगठन के उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं, जो उद्योग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। विनायक एक्सपोर्ट, दिनेश कोठारी के नेतृत्व में, न केवल एक सफल व्यावसायिक उद्यम है, बल्कि इंडुयन ज्वेलरी वर्ल्ड में अभिनव प्रयोगों और गुणवत्ता के प्रतीक के रूप में भी प्रतिष्ठित है।

दिनेश कोठारी की कड़ी मेहनत का नतीजा है कि कुछ ही समय में 925 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी के मामले में विनायक एक्सपोर्ट का नाम देशभर में गूंजने लगा। सन 2016 में, उनके ज्येष्ठ पुत्र सुमित कोठारी व्यवसाय से जुड़े, और 2020 में उनके दूसरे पुत्र जय कोठारी भी इस पारिवारिक उद्यम का हिस्सा बने। यह अगली पीढ़ी का जुड़ाव विनायक एक्सपोर्ट के भविष्य के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

वर्तमान में, सुमित कोठारी विनायक एक्सपोर्ट के संचालन को देखते हैं, जबकि जय कोठारी वसई में ज्वेलरी प्रोडक्शन फैक्ट्री का प्रबंधन करते हैं। यह व्यवस्थित विभाजन कंपनी को और अधिक कुशलता से कार्य करने में मदद करता है और भविष्य के विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। विनायक एक्सपोर्ट हर साल कम से कम 8 से 10 ज्वेलरी एग्जीबिशन में हिस्सा लेता है, और उनके 925 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी प्रोडक्ट्स को इन आयोजनों में हमेशा भरपूर रिस्पांस मिलता है। यह उन्हें नए ग्राहकों तक पहुंचने और अपने नवीनतम डिज़ाइन प्रदर्शित करने का अवसर देता है।

Dinesh Kothari
+91-9820050845

Sumit Kothari
+91-9867406115

Jay Kothari
+91-9172204824

92.5 SILVER

Vinayak Exports

Sidharth Traders

93/95, Golden Plaza, Office No. 119, 1st Floor, Dhanji Street, Mumbai-400 003.
vinayakexports@rediffmail.com Tel.: 022-23415561 / 022 23453692, I.Com: 4398

IIJS PREMIERE

INDIA INTERNATIONAL **JEWELLERY SHOW** **2025**

31st July To 4th Aug 2025

HALL NO. 3
STALL NO.
3Q 406A

Bombay Exhibition Centre, NESCO - Mumbai

'माई गोल्ड'
18 कैरेट डीजाईनर ज्वेलरी में चमकता ब्रांड

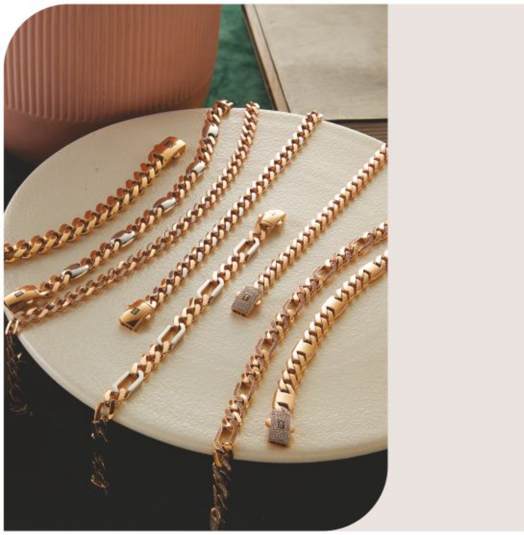

ज्वेलरी एक ऐसी दुनिया है, जहां बहुत कुछ बहुत तेजी से बदलता हैं। इसी तेजी से बदलती ज्वेलरी की दुनाय में 'माई गोल्ड' एक ऐसा नाम है जो अपनी प्रामाणिकता की प्रथा, शुद्धता की विरासत और बेजोड़ ज्वेलरी डिजाइंस कौशल के लिए जाना जाता है। 'माई गोल्ड' को आज 18 कैरेट इटालियन गोल्ड चेन और बेहतरीन ज्वेलरी के अग्रणी निर्माता और थोक विक्रेता के रूप में जाना जाता है, जहां, इटालवी कलात्मकता और भारतीय डिजाइंस के एक शानदार मेलजोल की ज्वेलरी विरासत की उपलब्धता है। दरअसल, 'माई गोल्ड' केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि गोल्ड ज्वेलरी की दुनिया में एक मील का पत्थर है, जो क्वालिटी, प्योरिटी और विश्वसनीतया का श्रेष्ठतम पर्याय बन चुका है।

'माई गोल्ड' की स्थापना ज्वेलरी इंडस्ट्री के दूरदर्शी और अग्रणी, सुरेश वडाला ने की थी। उनका असली सोने के प्रति गहरा जुनून और दशकों का अनुभव इस ब्रांड की नींव है। सुरेश वडाला और उनके बेटे तनिश वडाला ने मिलकर 'माई गोल्ड' को केवल एक लेवल से कहीं अधिक, वैश्विक ज्वेलरी बाजार में एक विश्वसनीय नाम के रूप में स्थापित किया है। यह उनकी कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और अटूट प्रतिबद्धता का परिणाम है कि 'माई गोल्ड' ने इतनी कम अवधि में इतनी ऊंचाइयों को छुआ है। यह विरासत केवल एक पीढ़ी तक सीमित नहीं है। वडाला परिवार की जड़ें ज्वेलरी व्यवसाय में बहुत गहरी हैं। वी चेन के पीछे की ताकत विनोद वडाला और माई गोल्ड के संस्थापक सुभाष वडाला के अटूट समर्थन के साथ, 'माई गोल्ड' को एक ऐसी विरासत का लाभ मिलता है जो पीढ़ियों तक फैली हुई है। वडाला परिवार ने मिलकर क्वालिटी ज्वेलरी प्रोडक्ट्स और निरंतरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ गोल्ड बिजनेस को

18kt Designer Jewellery

विनोद वड़ाला

सुरेश वड़ाला

आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पारिवारिक बंधन और साझा मूल्य ही 'माई गोल्ड' की सफलता का एक प्रमुख कारण है, जो उन्हें बाजार में एक अद्वितीय स्थान प्रदान करता है। 'माई गोल्ड' में, हर ज्वेलरी को विशेष रूप से प्राप्त 18 कैरेट गोल्ड का उपयोग करके सावधानीपूर्वक निर्माण किया जाता है। इनकी पारंपरिक इटालियन तकनीक को आधुनिक सौंदर्यशास्त्र के साथ कुशलता से जोड़ा जाता है। यह अनूठा संगम 'माई गोल्ड' के प्रत्येक ज्वेलरी पीस को एक विशेष पहचान देता है, जहां पुरानी दुनिया का आकर्षण वर्तमान डिज़ाइनों से बेहतरीन तरीके से मिलता है। उनके कलेक्शन्स में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए डिज़ाइन किए गए बोल्ड, स्टेटमेंट ज्वेलरी पीस शामिल हैं। लाइट वेट चेन हो या किसी विशेष अवसर के लिए शानदार नेकलेस, 'माई गोल्ड' के पास हर टेस्ट और हर अवसर के लिए बेहतरीन ज्वेलरी उपलब्ध है। सुरेश वडाला कहते हैं कि हम सिर्फ ज्वेलरी नहीं बेच रहे हैं - हम एक ट्रेडिशन पेश कर रहे हैं। सुरेश वडाला की यह प्रतिक्रिया 'माई गोल्ड' के मूल दर्शन को दर्शाता है। जब ग्राहक 'माई गोल्ड' से ज्वेलरी की खरीदारी करते हैं, तो उन्हें केवल एक ज्वेलरी नहीं मिलती, बल्कि उन्हें प्योरिटी का आश्वासन, इटालियन शिल्प कौशल की सुंदरता और एक ऐसे ज्वेलरी हाउस के नाम की ताकत भी मिलती है, जिनकी हर ज्वेलरी वक्त की कसौटी पर खरी उतरी है। यह 'माई गोल्ड' का अपने ग्राहकों के साथ विश्वास का एक बंधन है, जो केवल व्यापारिक लेन-देन से बहुत बढ़कर होता है।

आज के दौर में 'माई गोल्ड' को जो प्रतिक्रिया मिल रहा है, उसी वजह से उनके वैश्विक ग्राहकों - खुदरा विक्रेताओं, बुटीक और ज्वेलरी के पारखी लोगों की सेवा करने पर गर्व है। वे बेजोड़ गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और उत्कृष्टता के लिए एक स्थायी प्रतिबद्धता प्रदान करते हैं। यह प्रतिबद्धता उनके उत्पादों के हर पहलू में परिलक्षित होती है, उनकी ज्वेलरी डिज़ाइन से लेकर बनावट तक और ग्राहक सर्विस तक 'माई गोल्ड' की ज्वेलरी बेहतरीन मानी जाती है। 'माई गोल्ड' का लक्ष्य केवल व्यावसायिक सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्वेलरी इंडस्ट्री में उच्च मानकों को स्थापित करना भी है। कुल मिलाकर, 'माई गोल्ड' 18 कैरेट इटालियन ज्वेलरी के क्षेत्र में एक वास्तविक लीडर कहा जाता है है। वडाला परिवार की सामूहिक कोशिशें और बिजनेस में क्वालिटी के प्रति उनका जुनून 'माई गोल्ड' को एक बेहतरीन ब्रांड और आधुनिक शान के साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रहा है, और यह ज्वेलरी सेक्टर में एक चमकदार नाम माना जाता है।

MyGOLD
18kt Designer Jewellery
(A unit of V DIA JEWELS PVT LTD)

YOU ARE INVITED AT

IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

HALL NO. 2
STALL NO.
2K 262A

31ST JULY TO
4TH AUG

Floor - 1, Plot 219/221, Mehta Mansion,
Shaikh Memon St. , Zaveri Bazaar, Opp.
ICICI Bank, Kalbadevi, Mumbai - 400 003

+91 84510 67685
/+91 8850492038

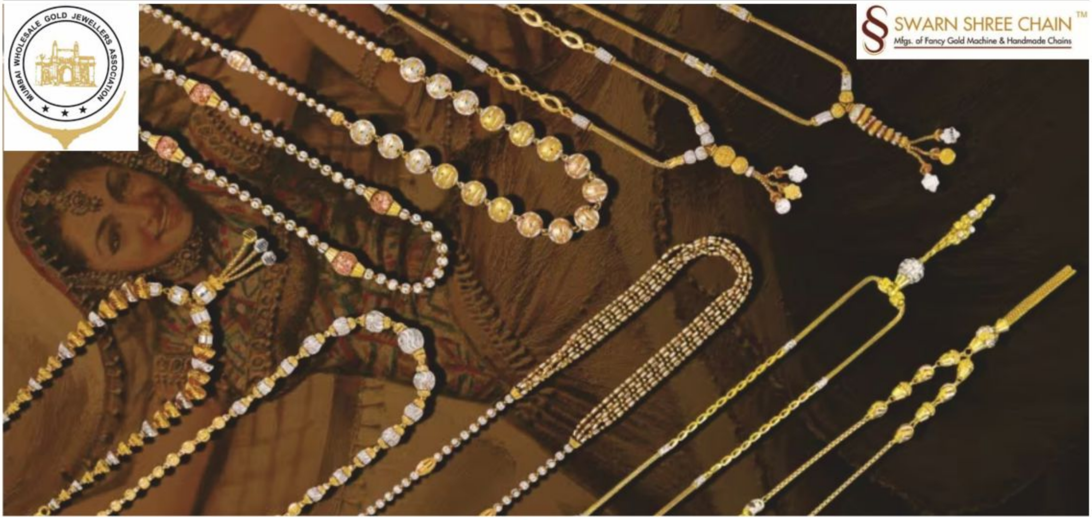

स्वर्णश्री चेन

क्वालिटी और प्योरिटी से रचे सफलता के नए कीर्तिमान

भारतीय गोल्ड ज्वेलरी सेक्टर में स्वर्णश्री चेन आज, विश्वास और परंपरा का प्रतीक है। स्वर्णश्री चेन की सफलता की कहानी केवल एक व्यवसाय की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी प्रेरणादायक यात्रा है, जो मेहनत, क्वालिटी और नैतिकता का प्रतीक है। नरेंद्र नवलखा ने शुरू की, तो और उनके पुत्र ऋतिक नवलखा ने इस ब्रांड को न केवल एक नाम, बल्कि एक विश्वास का प्रतीक भी बनाया है। स्वर्णश्री और उनका अमायरा ब्रांड आज ज्वेलरी उद्योग में गुणवत्ता और विश्वसनीयता के पर्याय हैं। भविष्य में, स्वर्णश्री का लक्ष्य नई ऊंचाइयों को छूना और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और मजबूत करना है, ताकि यह हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा बने, जो सपनों को हकीकत में बदलना चाहता है। स्वर्णश्री चेन एंड ज्वेलरी कंपनी के संस्थापक नरेंद्र नवलखा ने ज्वेलरी बिजनेस के गहन रहस्य की गहराई को बहुत पहले ही जान लिया था। इसीलिए सन 1994 से 1996 तक, नवलखा ने रिटेल ज्वेलरी व्यवसाय में अनुभव प्राप्त किया और दो वर्षों तक गोल्ड ज्वेलरी के व्यवसाय की बारीकियां सीखीं। इस अनुभव ने उन्हें एक मजबूत नींव प्रदान की, जिसके आधार पर उन्होंने सन 1996 में स्वर्णश्री की स्थापना की, और आज, वे उस मुकाम पर हैं, जहां पहुंचने की चाहत हर उद्यमी के मन में होती है।

स्वर्णश्री की सफलतम स्वर्णिम यात्रा में उसकरी गुणवत्ता, विश्वसनीयता और प्योरिटी का जबरदस्त सहयोग रहा है, इसी कारण यह ब्रांड आज बाजार में, पर्याय बन चुका है। स्वर्णश्री की सफलता के लिए नवलखा ने अपनी मेहनत, लगन और नैतिकता के मामले में कभी पीछे हटकर नहीं देखा। अपने मेहनत के बल पर भारतीय ज्वेलरी उद्योग में स्वर्णश्री ने एक विशिष्ट पहचान बनाई है। स्वर्णश्री की प्रेरणादायक व्यावसायिक यात्रा, इसकी सफलता के वास्तविक तत्वों, अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को देखें, तो ज्वेलरी बिजनेस में सफलता के लिए हर किसी के लिए नवलखा की सफलता प्रेरणादायक मानी जाती है। ज्वेलरी बिजनेस में जिधर भी देखो, नई

नरेंद्र नवलखा

ऋतिक नवलखा

पीढ़ी हर तरफ नए कीर्तिमान गढ़ रही है। इसी परंपरा के निर्वहन में, सन 2021 में, नरेंद्र नवलखा के पुत्र, ऋतिक नवलखा भी इसी व्यवसाय में शामिल हुए। उन्होंने अपने पिता की तरह मेहनत और समर्पण के साथ स्वर्णश्री को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का सफर जारी रखा।

स्वर्णश्री की अपार सफलता के बाद, 2024 में नरेंद्र नवलखा ने एक नए ज्वेलरी ब्रांड, अमायरा की स्थापना की। अमायरा 18 कैरेट रोज़ गोल्ड में चेन, ब्रेसलेट्स और अन्य ज्वेलरी का निर्माण करता है। उनकी वैश्विक पहुंच स्वर्णश्री की क्वालिटी और अभिनवता की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। नरेंद्र नवलखा और ऋतिक नवलखा के नेतृत्व में, स्वर्णश्री ने नई परंपरा और क्वालिटी कंट्रोलिंग का एक अनूठा संगम बनाया, जिसने अमायरा और स्वर्णश्री को भरोसेमंद ब्रांड्स के रूप में स्थापित किया। स्वर्णश्री चेन की शुरुआत इस विश्वास के साथ हुई थी कि मशीन से बनी चेन बेहतर क्वालिटी, डिजाइन और सौंदर्य प्रदान कर सकते हैं। इस अभिनव प्रयोग के परिणाम स्वरूप, स्वर्णश्री ने हल्के वजन की उच्च क्वालियी वाली गोल्ड की चेन और ब्रेसलेट्स का निर्माण शुरू किया। नवलखा का यह कदम न केवल तकनीकी रूप से उन्नत था, बल्कि ग्राहकों की जरूरतों को भी प्रभावी ढंग से पूरा करता था। अपनी मेहनत और लगन के बल पर, स्वर्णश्री ने बहुत कम समय में मुंबई सहित पूरे भारत में अपनी पहचान बनाई। कंपनी ने ग्राहकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए हर संभव सकारात्मक प्रयास किए। स्वर्णश्री ने समय के साथ अपने ज्वेलरी प्रोडक्शन ओर कंपनी पोर्टफोलियो का विस्तार किया और 22 कैरेट के सभी प्रकार के आभूषणों का निर्माण शुरू किया। इसी विशिष्टता ने स्वर्णश्री को बाजार में बहुत ही कम वक्त में एक अग्रणी स्थान प्रदान किया। नवलखा कहते हैं कि उनके प्रत्येक उत्पाद की क्वालिटी सुनिश्चित करने के लिए, स्वर्णश्री की अपनी इन-हाउस क्वालिटी कंट्रोल प्रक्रिया है, जिसमें डिजाइन की एकरूपता, समरूपता और प्रत्येक स्टेंडर्ड की सटीकता की जांच की जाती है, जिससे उनकी शुद्धता और क्वालिटी तथा विश्वसनीयता की गारंटी दी जा सके। स्वर्णश्री चेन एक प्रतिष्ठित गोल्ड ज्वेलरी होलसेलर कंपनी है, जो मशीन-निर्मित चेन और ब्रेसलेट्स में अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में खास स्थान रखती है। कंपनी निष्पक्ष व्यापारिक परंपराओं और पारदर्शी रेट्स का पालन करती है, जिससे कस्टमर्स का विश्वास बना रहता है। खास बात यह है कि स्वर्णश्री चेन अपनी ब्रांडिंग और ग्राहक आधार को मजबूत करने के लिए हर साल देश भर में कम से कम 5 से 6 ज्वेलरी एग्जिबिशन में हिस्सा लेती रही है। इन एग्जिबिशन ने न केवल कंपनी की साख को बढ़ाया है, बल्कि नए कस्टमर्स तक पहुंचने में भी मदद की है। ये नए प्रयास स्वर्णश्री को बाजार में एक मजबूत स्थिति प्रदान करते हैं। अगले दस वर्षों में, कंपनी का लक्ष्य पूरे भारत में अपने व्यवसाय का विस्तार करना, विशेष कलेक्शंस लॉन्च करना, नई तकनीकों को अपनाना और अंतरराष्ट्रीय बीटूबी बाजारों में अपनी उपस्थिति दर्ज करना है। इसके साथ ही, स्वर्णश्री अपने मूल मूल्यों – विश्वास, क्वालिटी और ट्रांसपेरेंसी को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसे देख कर कहा जा सकता है कि स्वर्णश्री चेन का भविष्य उज्ज्वल है। नरेंद्र नवलखा का मानना है - नैतिकता और गुणवत्ता हमारे व्यवसाय की नींव हैं। ये हमें ईमानदारी और व्यावसायिकता के साथ विश्वसनीय उत्पाद प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं। नवलखा के इसी स्पष्ट व्यावसायिक दृष्टिकोण ने स्वर्णश्री को न केवल एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में स्थापित किया है, बल्कि विश्वास के प्रतीक के रूप में बी बाजार में स्थापित किया है।

SWARN SHREE CHAIN ™
Mfgs. of Fancy Gold Machine & Handmade Chains
Narendra Navlakha
9821258507
Ritik Navlakha
9004788664
AMAIRA
by swarn shree
Visit us at
iiJS
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE - 2025
31st July-4th August-2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai
Hall No.: 05, 5U540
Shop No. 201/A, 2nd Floor
National Refinery Bldg., D.D. Jewel
Near Khara Kuwa
Zaveri Bazar, Mumbai - 400002

फॉरएवर ज्वेल्स भारतीय कारीगरी और परंपरा का एक प्रतिष्ठित ब्रांड

ज्वेलरी की दुनिया में हर रोज नई कंपनिया आती है, नए नए डिजाइंस बाजार में उतारती हैं तथा बड़ा व्यापार भी करती है, लेकिन बिजनेस में शानदार इमेज, बेहतरीन क्वालिटी तथा जानदार डिजाइंस के मामले में कुछ कंपनिया ही तेजी से आगे बढ़ती हैं। ऐसी, ही एक कंपनी है फॉरएवर ज्वेल्स, जिसने केवल दो सालों की मेहनत से ही ज्वेलरी सेक्टर में शानदार मुकाम हासिल किया है। यह सब, बेहतरीन क्वालिटी, शानदार डिजाइंस तथा पॉवरफुल प्योरिटी के साथ साथ नई सोच का भी कमाल है, जिसके पीछे दिमाग है एक युवा ज्वेलर का, जिनका नाम है शुभ जैन (कागरेचा)।

फॉरएवर ज्वेल्स ने 1 अप्रेल 2023 को अपनी स्थापना के बाद से ही बाजार में एक मजबूत स्थिति बनानी शुरू कर दी थी। एक कहावत है कि सूरज के उगने से पहले ही उसकी रोशनी से दुनिया जगमग हो जाने लगती है, उसी तर्ज पर, शुभ जैन (कागरेचा) की ज्वेलरी कंपनी फॉरएवर ज्वेल्स ने भी अपनी शुरूआत के साथ ही ज्वेलरी जगत में जबरदस्त पहचान बनाई तथा आज उनकी ज्वेलरी मुंबई में तो खूब बिकती ही है, बल्कि देश के अन्य प्रमुख शहरों सहित दुबई, अमेरिका तथा दुनिया के कई देशों में एक्सपोर्ट की जाती है। वे डायमंड पोल्की तथा स्टडेड गोल्ड ज्वेलरी बनाते हैं, तथा फॉरएवर ज्वेल्स की इस ज्वेलरी का उनके ग्राहकों के बीच लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है - उच्च क्वालिटी, विश्वसनीयता और अनूठे

FOREVER JEWELS
JEWELLERY FOR GENERATIONS

शुभ जैन (कागरेचा)

डिजाइन। बचपन से ही शुभ जैन (कागरेचा) की सोच पारंपरिक ढांचे से हटकर थी। वे हमेशा कुछ अलग और विशेष करने की चाह रखते थे। यही सोच उन्हें ज्वेलरी व्यवसाय में अभिनव प्रयोग की ओर ले आई। उन्होंने 2020 में अपना ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद अलग-अलग जॉब प्रोफाइल और अलग-अलग कंपनियों में काम करने की शैली को समझने और अपने मेनेजमेंट कौशल को बढ़ाने के लिए खुद को आजमाया, तथा गोल्ड ज्वेलरी बिजनेस, जो आमतौर पर परंपरागत तरीके से ही चलाया जा रहा है, उसमें कुछ नया कर दिखाने की ठानी। शुभ जैन (कागरेचा) ने ज्वेलरी के क्वालिटी स्टेंडर्ड से समझौता किए बिना सभी के लिए सुलभ हो सके, ऐसी ज्वेलरी बाजार में उतारने का निश्चय किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि फॉरएवर ज्वेल्स के सभी ज्वेलरी कस्टमर्स की मांगें सही समय पर सही क्वालिटी के साथ पूरी की जाएं, यह सिद्दांत उनके व्यापारिक प्रतिबद्धता को प्रतिष्ठित करता है। वे ज्वेलरी के क्षेत्र में नैतिकता के साथ आगे बढ़ाने में विश्वास रखते है।

बाजार में शायद बहुत कम ज्वेलर्स हैं, जो अगले 10 साल की योजना बनाकर काम करते हैं। शुभ जैन (कागरेचा) उन्हीं में से एक है, वे कहते हैं कि अब 10 वर्षो के फॉरएवर ज्वेल्स के लक्ष्य को देखते हुए एक बहुत मजबूत व्यापारिक आधार प्राप्त करने की दिशा में उन्होंने खुद को लगा दिया है तथा जो पहले से किया जा रहा है उसे और मजबूत किया जा रहा है। फॉरएवर ज्वेल्स हर साल विभिन्न ज्वेलरी एग्जिबिशन में हिस्सा लेती है, तथा वहां पर जबरदस्त वाहवाही के साथ साथ शानदार बिजनेस भी करती है, क्योंकि फॉरएवर ज्वेल्स अपनी शानदार ज्वेलरी के लिए जानी जाती है। उनकी ज्वेलरी के डिजाइन और बेहतरीन कारीगरी ने ज्वेलरी की दुनिया में एक नया आयाम जोड़ा जा सकता है। उनके डिजाइनों में परंपरा और आधुनिकता का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है, जो देश - विदेश के ज्वेलरी ग्राहकों बीच खासे लोकप्रिय है। उनकी ज्वेलरी की फिनिशिंग और डिजाइन इतने उत्कृष्ट होते हैं कि वे हर आयु वर्ग और पसंद के लोगों को लुभाते हैं। डायमंड पोल्की और स्टडेड गोल्ड ज्वेलरी के मामले में, फॉरएवर ज्वेल्स की ज्वेलरी हर अवसर पर ग्राहकों की पसंद बनती है। चाहे वह हल्के वजन के ज्वेलरी हों या भारी और जटिल जड़ित डिजाइनों वाली ज्वेलरी, फॉरएवर ज्वेल्स हर ग्राहक की जरूरत को पूरा करने में सक्षम है। ज्वेलरी सेक्टर में उनकी सक्रिय भागीदारी और ग्राहकों के बीच शुभ जैन (कागरेचा) की विश्वसनीयता उन्हें बाजार में एक मजबूत स्थिति प्रदान कर रही है। फॉरएवर ज्वेल्स न केवल एक प्रतिष्ठित ब्रांड है, बल्कि यह भारतीय कारीगरी और परंपरा का प्रतीक भी है, जो आधुनिकता के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। शुभ जैन (कागरेचा) हर फैसला बहुत सोच समझ कर लेते हैं तथा रणनीतिक प्लानिंग से आगे बढ़ते हैं। युवा व्यवसायी शुभ जैन (कागरेचा) की दूरदर्शिता और नए जमाने की सोच को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि फॉरएवर ज्वेल्स भविष्य में और अधिक ऊंचाइयों को छुएगा। वे न केवल अपने कलेक्शनों को और विस्तार देना चाहते हैं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी उपस्थिति को मजबूत करना चाहते हैं। इसके लिए वे नई तकनीकों और डिजाइनों पर काम कर रहे हैं, ताकि ग्राहकों को और बेहतर अनुभव मिल सके।

FOREVER JEWELS

JEWELLERY FOR GENERATIONS

VISIT US AT

IIJS

PREMIERE 2025

Hall No .04

Stall No .

4S_472G

31st July to 4th August 2025

Bombay Exhibition Center- Mumbai

CRAFTED

Royalty

04, 2nd Floor, 73/75-Sutaria Bhavan, Dhanji Street, Mumbai - 400 003.

Tel. : +91 22-4607 5973 | Mob. : +91 8452060640.

I com. : 4571 | Email : forever_jewels@yahoo.com

लक्ष्मी गोल्ड

टेंपल ज्वेलरी की दुनिया में सितारे की तरह चमकती रिंकू बाफना की रौनक

रिंकू बाफना

धीरज सरूपरिया

अर्पित बाफना

भारतीय ज्वेलरी उद्योग, अपनी अनूठी शिल्प कौशल और समृद्ध परंपराओं के साथ, दुनिया भर में अपनी पहचान बना चुका है। भारत ज्वेलरी के एक बड़े एक्सपोर्टर देश बनता जा रहा है। भारत में हजारों ज्वेलरी कंपनियां है, जो बेहतरीन, शानदार और लुभावनी ज्वेलरी की निर्माता है, उन हजारों ज्वेलरी कंपनियों के बीच, कुछेक ही ऐसी ज्वेलरी कंपनिया हैं जो अपनी बेहतरीन क्वालिटी, शानदार डिजाइन और काम की प्रतिष्ठा के लिए असाधारण रूप से तेजी से आगे बढ़कर अपनी जगह बनाने में कामयाब रही हैं। मुंबई स्थित लक्ष्मी गोल्ड, भी इन्हीं चुनिंदा वर्ल्ड-क्लास ज्वेलरी निर्माताओं में से एक है, जिसने भारतीय ज्वेलरी परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है। शानदार, लुभावनी और क्वालिटी क्लास टेंपल ज्वेलरी निर्माता कंपनी लक्ष्मी गोल्ड की नींव वर्ष 2011 में युवा और दूरदर्शी उद्यमी रिंकू बाफना द्वारा रखी गई थी। एक नई सोच वाले ज्वेलर के रूप में, रिंकू बाफना ने लक्ष्मी गोल्ड की स्थापना से पहले दो साल तक ज्वेलरी व्यवसाय की बारीकियों को गहराई से समझने के लिए कड़ी मेहनत की।

दो वर्ष की इस अवधि में एक ज्वेलरी फर्म में काम सीखते हुए उन्होंने इस दौरान व्यवसाय के हर पहलू को सच्चाई से जाना, जिसमें न केवल मुनाफा कमाना बल्कि उद्योग में एक प्रतिष्ठित नाम बनाना भी शामिल था। इस गहन अनुभव के बाद, उन्होंने साझेदारी में अपना ज्वेलरी व्यवसाय शुरू किया। कहते हैं कि जिनकी उड़ान ऊंची होती हैं, वे अकेले ही अपने आकाश में अपने रास्ते बनाते हैं। इसी कारण, कुछ वर्षों तक साझेदारी में सफलतापूर्वक काम करने के बाद, रिंकू बाफना ने अपने दम पर अपनी खुद की कंपनी स्थापित करने का निर्णय लिया और शीघ्र ही लक्ष्मी गोल्ड की स्थापना की। रिंकू बाफना कहते हैं कि यह वो दौर था, जब कुछ नया करने के लिए बहुत मेहनत लगती थी, लेकिन वे न तो मेहनत करने में पीछे रहे और न ही नई सोच को लागू करने से पीछे हटे। बेहद मेहनती व दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी रिंकू बाफना की अटूट मेहनत, लगन और जुनून ने इस ज्वेलरी कंपनी को बहुत कम समय में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

ज्वेलरी व्यवसाय के प्रति उनकी ईमानदारी, ज्वेलरी उद्योग के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और ज्वेलरी उत्पादों की बेहतरीन क्वालिटी पेश करने के उनके समर्पण ने रिंकू बाफना और उनकी कंपनी लक्ष्मी गोल्ड को ज्वेलरी इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण संस्थान और एक सफल व्यवसायी के रूप में स्थापित किया। जो लोग रिंकू बाफना को जानते हैं, वे यह भी मानते हैं कि उनको हमेशा जीवन में कुछ नया करने का शौक रहा है। इसी कुछ खास करने के जुनून के साथ, उन्होंने ज्वेलरी व्यवसाय में भी कुछ अनूठा करने की ठानी। उन्होंने पारंपरिक ज्वेलरी से हटकर टेम्पल ज्वेलरी में विशेषज्ञता हासिल की तथा इसी ज्वेलरी में वे तेजी से आगे बढ़ते गए। लक्ष्मी गोल्ड की ज्वेलरी रेंज में, नेकलेस, चोटी, कमर पट्टा, बैंगल्स सहित सभी प्रकार की ज्वेलरी को टेम्पल ज्वेलरी फॉर्मेट में बड़ी प्रतिष्ठा के साथ निर्मित किया जाता है। वे जानते हैं कि लोगों की पसंद कितनी तेजी से बदलती रहती है, तो उसी के अनुरूप उनकी कंपनी में ज्वेलरी का निर्माण कराया जाता हैं, तथा फिनिशिंग का खास खयाल रखा जाता हैं। रिंकू बाफना का कहना है कि पहले तो वे अकेले ही थे, फिर भी लक्ष्मी गोल्ड को टेंपल ज्वेलरी के मामले में बहुत आगे तक ले गए। लेकिन बाद के दिनों में उनके साथियों और सहयोगियों सहित भांजे धीरज सरूपरिया और बेटे अर्पित बाफना ने भी बिजनेस में साथ दिया, तो वे अपनी कंपनी लक्ष्मी गोल्ड को नए शिखर पर स्थापित करने में समर्थ रहे।

सन 2017 में, रिंकू बाफना के भांजे धीरज सरूपरिया भी लक्ष्मी गोल्ड में शामिल हुए। धीरज सरूपरिया ने अपने मामा रिंकू बाफना के नक्शे कदम पर चलते हुए कंपनी को नए तरीके से विकसित करने में महत्वपूर्ण कदम उठाए। धीरज ने इंडिया के कई लिडींग कार्पोरेट में अपने व्यवसाय का विस्तार किया जिससे व्यवसाय को और गति मिली। हाल ही में, पिछले साल 2024 में, रिंकू बाफना के पुत्र अर्पित बाफना ने भी लक्ष्मी गोल्ड में काम शुरू किया है। अर्पित बाफना ने लंदन में एमबीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद लक्ष्मी गोल्ड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पिता की तरह ही ऊंची उड़ान भरने के लिए पंख फैलाए हैं। ज्वेलरी इंडस्ट्री में आज के दौर की बात करें, तो युवा वर्ग का हर व्यक्ति जानता है कि रिंकू बाफना ने अपनी मेहनत और लगन से अपनी कंपनी लक्ष्मी गोल्ड को टेम्पल ज्वेलरी सेक्टर में काफी आगे बढ़ा दिया है। उन्होंने टेम्पल ज्वेलरी के विभिन्न पारंपरिक और ट्रेंडी डिजाइनों के माध्यम से बहुत जल्द ही बाजार में अपनी अमिट छाप छोड़ी। लक्ष्मी गोल्ड की टेम्पल ज्वेलरी का पूरे देश में एक बड़ा नाम है। विशेष रूप से दक्षिण भारत में उनकी मेहनत ज्यादा फलीभूत हुई, और तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में उनकी टेम्पल ज्वेलरी की जबरदस्त मांग रहती है।

ज्वेलरी बिजनेस को शुरू करने के दौर में भले ही पहले रिंकू बाफना अकेले थे, फिर भी उन्होंने अपने व्यावहारिक नजरिए से लक्ष्मी गोल्ड को ज्वेलरी व्यवसाय में एक खास मुकाम तक पहुंचाया। फिर धीरज सरूपरिया उनके साथ आए, तो लक्ष्मी गोल्ड को एक नई गति मिली। अब, अर्पित बाफना अपने पिता के व्यवसाय में साथ आ गए हैं, और उनके कदमों पर चलते हुए व्यापार को आगे बढ़ा रहे हैं। तीनों की अभिनव और नई सोच, सामूहिक प्रयास और निरंतर मेहनत का नतीजा है कि आज टेम्पल ज्वेलरी के मामले में लक्ष्मी गोल्ड का न केवल मुंबई के ज्वेलरी बाजार में बल्कि देश भर में एक बड़ा नाम है। लक्ष्मी गोल्ड की सफलता का श्रेय न केवल उनकी उत्कृष्ट गुणवत्ता और अनूठे डिजाइनों को जाता है, बल्कि यह रिंकू बाफना, धीरज और अर्पित बाफना की त्रिमूर्ति के सामूहिक दृष्टिकोण और समर्पण का भी परिणाम है, जिन्होंने भारतीय ज्वेलरी उद्योग में लक्ष्मी गोल्ड को एक चमकदार सितारा बना दिया है।

"Tradition reimagined, light as divine"

Rinku Bafna
Founder & Business Head

LIGHTWEIGHT
Temple Jewellery Collection

EXPERIENCE AT

IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

31st July - 4th August, 2025
Bombay Exhibition Centre- Mumbai

HALL 1
STALL
1D 85G

202, Golden Plaza, Dhanji Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400003

LaxmiGold92@gmail.com

नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क

गणपत डागलिया एवं चिराग डागलिया की विश्वनीय परंपरा में

जिंदगी और हेल्थ दोनों के लिए इंश्योरेन्स जरूरी है, लेकिन बिजनेस में भी इंश्योरेन्स अतिआवश्यक है। आज हर ज्वेलर्स के लिए गोल्ड ज्वेलरी बिजनेस का इंश्योरेंस प्लान होने की आवश्यकता है, जो जान और माल दोनों की रक्षा करता है। इसी दिशा में गणपत डागलिया एवं चिराग डागलिया की कंपनी नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क को विश्वनीय परंपरा का प्रतीक माना जाता है, जो इंश्योरेंस और बिजनेस इंश्योरेंस के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। ज्वेलर्स ब्लॉक इंश्योरेंस, हेल्थ इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस के क्षेत्र में नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क को जबरदस्त प्रतिष्ठा हासिल है, उसकी उदाहरण केवल इसी से नापा जा सकता है कि आज नाइस इंश्योरेन्स के पास भारत भर में 30000 से अधिक खुशहाल क्लाइंट्स हैं और 12000 से अधिक क्लेम सेटलमेंट करके एक कार्तिमान कायम किया है। उसी का परिणाम है कि अब तक लगभग 300 से ज्यादा अवार्ड नाइस इंश्योरेन्स को मिले हैं।

कुल चार दशक की विश्वनीय परंपरा के साथ नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क बाजार में अपनी साख जमाए हुए हैं। गणपत डागलिया ने इसकी स्थापना 41 साल पहले की थी और तब से यह कंपनी इंश्योरेंस के क्षेत्र में एक विश्वनीय नाम बनी हुई है। हर बिजनेस की अपनी एक खास आधारशिला होती है, जो अगर पहले से मजबूत है, तो आने वाली पीढ़ी उस पर बहुत बड़ा महल खड़ा कर सकती है, वरना उसे शुरू से स्टार्ट करना होता है। नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क की स्थापना गणपत डागलिया ने की थी, तब बाजार के हालात बहुत नाजुक थे, फिर भी उनकी मेहनत व दूरदर्शी नजरिये की वजह से नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क का इंश्योरेंस बिजनेस सेक्टर में एक प्रतिष्ठित नाम हैं।

गणपत डागलिया के पुत्र चिराग डागलिया ने भी बाद में इस क्षेत्र में कंपनी की खास पहचान बनाने में जबरदस्त मेहनत की और कंपनी का विस्तार किया, तो उसी वजह से ज्वेलरी बिजनेस सेक्टर में भी इंश्योरेंस के मामले में नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क का नाम आज 41 साल के सफर में सबसे ऊंचे शिखर पर है। नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क की सफलता की कहानी समझने लायक है। वक्त 41 साल पहले का था, और यह वो दौर था, जब लोगों के पास पैसा अभी के मुकाबले बहुत कम था तथा इंश्योरंस के नाम से ही लोग डरते थे। लेकिन गणपत डागलिया ने लोगों को समझाने की तथा सरलता के साथ कन्वींस करने की अपनी स्किल के जरिए, इंश्योरेंस की वास्तविक अवधारणा को बदलकर लोगों के दिमाग में उतारा, तो वे इसे जीवन के साथ साथ बिजनेस की भी सबसे पहली जरूरत मानने लगे। ज्वेलरी बिजनेस के लिए इंश्योरेंस का बहुत बड़ा महत्व है। नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क ज्वेलरी सेक्टर में अपने इंश्योरेंस के जरिए

गणपत डागलिया

चिराग डागलिया

NICE™
INSURANCE LANDMARK
One Stop Insurance Solution in India !

नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क की स्थापना गणपत डागलिया ने की थी, तब बाजार के हालात बहुत माजुक थे, फिर भी उनकी मेहनत व दूरदर्शीन नजरिये की वजह से नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क का इंश्योरेंस बिजनेस सेक्टर में एक प्रतिष्ठित नाम हैं। गणपत डागलिया के पुत्र चिराग डागलिया ने भी बाद में इस क्षेत्र में कंपनी की खास पहचान बनाने में जबरदस्त मेहनत की और कंपनी का विस्तार किया, तो उसी वजह से ज्वेलरी बिजनेस सेक्टर में भी इंश्योरेंस के मामले में नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क का नाम आज 41 साल के सफर में सबसे ऊंचे शिखर पर है।

हर ज्वेलर की ज्वेलरी की शोरूम, यात्रा, लॉजिस्टिक, एग्जिबिशन, कारीगर आदि के मामले में चोरी, लूट, डकैती, आगजनी जैसी दुर्घटना से सुरक्षित रखता है। ज्वेलरी बिजनेस में इंश्योरेंस के महत्व को समझाते हुए डागलिया कहते हैं कि यह न केवल जान की रक्षा करता है, बल्कि माल की भी रक्षा करता है। इसके अलावा भी ज्वेलरी बिजनेस में इंश्योरेंस के बहुत फायदे हैं, जैसे वित्तीय सुरक्षा की दृष्टि से देखा जाए, तो ज्वेलरी बिजनेस में इंश्योरेंस वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। और सबसे बड़ा मामला है मानसिक शांति का, क्योंकि ज्वेलरी बिजनेस का इंश्योरेंस होने से प्रत्येक ज्वेलर को मानसिक शांति व सुकून भी सदा रहता है। ज्वेलर्स समुदाय समान्य तौर पर इन तथ्यों को स्वीकारता भी है, इसी कारण पिछले कुछ सालों में ज्वेलरी बिजनेस में इंश्योरेंस का महत्व बहुत अधिक बढ़ता जा रहा है।

अब तक के अपने 41 साल के सफर में नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क के बड़े - बड़े क्लेम की चर्चा करते हुए डागलिया कहते हैं कि ज्वेलरी सेक्टर में मुंबई के धाकड़ ज्वेलर्स और आगम ज्वेलर्स को 1-1 करोड़ रुपए और रांची के राजवंती ज्वेलर्स को 1.28 करोड़ रुपए का क्लेम सेटलमेंट करवाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। इसी तरह से फायर क्लेम के मामले में वलसाड़ की शाह एंड शाह इंडस्ट्री को 11 करोड़ रुपए, वापी की एमजेएफ मिल को 4.35 करोड़ रुपए और जनरल इंपोर्ट को 25 लाख रुपए का क्लेम दिला चुके हैं। लाइफ इंश्योरेंस के मामले में रतनचंद नांगलिया एवं डिंपल महावीर जैन को 1-1 करोड़ रुपए और अशोक वागरेचा को 80 लाख रुपए का क्लेम सेटलमेंट करवाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। इसके अलावा हेल्थ क्लेम में भी देवेंद्र वकारिया को 22 लाख रुपए, रमेश डांगी को 15 लीख रुपए और प्रवीण बछावत को 14 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा लाभ दिला चुके हैं।

ज्वेलरी सेक्टर में नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क का खासा प्रतिष्ठित नाम है। मुंबई के कई प्रतिष्ठित ज्वेलर्स में जैसे, चेन्स कॉर्नर, साइन शिल्पी, मंगलमणि ज्वेलर्स, मातुश्री गोल्ड, मंशापूर्णा चेन्स आदि में नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क का जबरदस्त भरोसा है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी ट्रेड फेडरेशन, इंडिया बुलियान एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन, रोटेरी क्लब औफ दुबई और जीतो इंटरनेशनल से भी नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क को जुड़ाव है। इंश्योरेन्स सेक्टर में नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क एमडीआरटी के भी सदस्य हैं।

दरअसल, नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क के संचालक गणपत डागलिया और चिराग डागलिया, दोनों पिता पुत्र न केवल लोगों के जीवन, बिजनेस तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा से संबद्ध पेशे से जुड़े है, बल्कि वे अपनी अभिनव सोच से ज्वेलरी बाजार के ज्वेलर्स को सुरक्षित बिजनेस तथा निश्चिंत बिजनेस की एक नई दिशा में भी ले जा रहे हैं, जहां किसी को भी किसी भी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। इसी वजह से दुनिया भर के लगभग 28 देशों में उनके क्लाइंट हैं। वे व्यापार की सुरक्षा, बिजनेस की निश्चिंतता और जीवन के प्रति सजगता के नजरिये से ज्वेलरी बिजनेस सहित हर व्यापार, हर व्यक्ति तथा हर संस्थान की सुरक्षा की गारंटी तय करने का विश्वास दिलाने में सफल रहे हैं। यही कारण है कि नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क का 41 साल का यह स्वर्णिम सफर लगातार आगे बढ़ रहा है। ज्वेलरी इंडस्यट्री से जुड़े हर व्यक्ति की जुबान पर आज नाइस इंश्योरेन्स लैंडमार्क और गणपत डागलिया व चिराग डागलिया दोनों का नाम है, तो कोई तो बहुत खास बात जरूर है उनमें।

ज़िंदगी के हर मोड़ पर सुरक्षा !

इंस्टेंट मेडिक्लेम कवर, बिना प्रतीक्षा अवधि के, आयु 0 से 65 वर्ष के लिए। कवर: 10 लाख से 3 करोड़ तक।

1 करोड़ लाइफ इंश्योरंस प्राप्त करें मात्र 15,000 रुपये में और मेचुरिटी पर प्रीमियम की वापसी।

अपने बच्चे को जीवन भर के लिए 50,000 रुपये का उपहार दें, मात्र 4,000 रुपये प्रति माह में।

भारत से बाहर यात्रा कर रहे हैं? मात्र 1000 रुपये में 1,00,000 डॉलर का ट्रेवल इंश्योरेंस प्राप्त करें।

सोने की रेट 2020 में 50,000 रुपये प्रति ग्राम थीं और 2025 में 1,00,000 रुपये प्रति ग्राम तक पहुंच गई हैं। ज्वेलरी डकैती के मामले बढ़ रहे हैं। अपने ज्वेलर्स को सुरक्षित करें, मात्र 12,000 रुपये सालाना में 1 करोड़ रुपये का स्टॉक कवर।

एक्सीडेंट (फ्रैक्चर) हो गया और डॉक्टर ने 5 सप्ताह के लिए बेड रेस्ट बताया और आपकी इनकम हो गयी बंद? तो आपको मिलेगा 5000 रुपये हर सप्ताह, मात्र 200 रुपये प्रति माह पॉलिसी से।

G. M. Dagliya
Gold Medalist
Double T.O.T - U.S.A

NICE™
INSURANCE LANDMARK

One Stop Insurance Solution in India !

Since 40 Years | 30000+ Happy Clients | 12000+ Claims Solved
Policies : Health | Jewellers | Pactory | Building | Life | Travel

हमारी सेवाएं पूरे भारत में ऑनलाईन द्वारा ले सकते है।

300 से अधिक एवार्ड विजेता | क्लेम सर्विस 100% गारंटी पुरे भारत में

Chirag Dagliya
MBA, Harvard Uni. Cert.,
Double T.O.T - U.S.A

Shreepati Aradhana, A-801 / 802 / 803, 8th Floor, Dr. A. M. Road, Kabutar Khana, Marine Lines (E), Mumbai - 400 002.
info@niceinsure.com www.niceinsure.com 022-4609 00 22 / 23 / 24 Market Intercom: 5050

98690 50031 98692 30444

मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स

जिसके हर ज्वेलरी पीस में है क्वालिटी, प्योरिटी और श्योरिटी का बेजोड़ संगम

किसी भी श्रेष्ठ ज्वेलरी कंपनी की पहचान उस कंपनी द्वारा निर्मित ज्वेलरी के तीन प्रमुख तत्वों, उस ज्वेलरी की क्वालिटी, ज्वेलरी में प्रयुक्त किए गए गोल्ड की प्योरिटी और जो ज्वेलरी हाथ में है, वह वास्तव में बेहतरीन है इसकी श्योरिटी में निहित होती है। मुंबई की विख्यात ज्वेलरी कंपनी मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स की हर ज्वेलरी में भी इन तीनों तत्वों का गजब तालमेल है और क्वालिटी, प्योरिटी और श्योरिटी का उनके प्रचार अभियान में भी कंपनी की वेबसाइट पर प्रधानता से प्रस्तुत किया गया है।

मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स गोल्ड ज्वेलरी की प्रमुख कंपनी है, जिसे मदन कोठारी की मेहनत, दूरगामी नजरिए तथा उनके पुत्र राज कोठारी के अभिनव प्रयासों से गोल्ड ज्वेलरी के निर्माण के क्षेत्र में एक दूरदर्शी कंपनी के रूप में जाना जाता हैं। आज के दौर की बात करें, तो अपनी ज्वेलरी के क्वालिटी, प्योरिटी और श्योरिटी के बेजोड़ संगम की वजह से ही मुंबई की गोल्ड ज्वेलरी निर्माता कंपनियों में मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स को अग्रणी ज्वेलरी निर्माताओं में से एक प्रमुख कंपनी की प्रतिष्ठा हासिल हैं। मुंबई सहित बैंगलुरू, नई दिल्ली व हैदराबाद में भी उनकी शाखाएं हैं और भारत सहित वैश्विक स्तर पर भी डिस्ट्रिब्यूटर्स और स्टोर्स के जरिए उनकी ज्वेलरी उपलब्ध हैं।

मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स ने ज्वेलर्स की दुनिया में अपनी बेहतरीन ज्वेलरी की क्वालिटी के दम पर जबरदस्त धाक जमाई है। मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स की प्रतिष्ठा पीढ़ी-दर-पीढ़ी ग्राहकों के विश्वास और वफादारी पर बनी है। बाजार में होलसेलर्स से लेकर रिटेलर्स हर तरह के ग्राहक जानते हैं कि जब वे मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स से जब ज्वेलरी की खरीदारी करते हैं, तो वे न केवल एक सुंदर ज्वेलरी की खरीदी कर रहे

होते हैं, बल्कि एक ऐसी विरासत में भी निवेश कर रहे हैं जो ईमानदारी और उत्कृष्टता के मूल्यों पर आधारित है। देश भर के प्रमुख ज्वेलर्स, विभिन्न शहरों में फैले रिटेल ज्वेलर्स, होलसेल ज्वेलरी विक्रेताओं और ज्वेलरी एक्सपोर्टर्स के लिए एक मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स एक प्रभावी सप्लायर के रूप में स्थापित कंपनी की ख्याति हासिल कर चुकी है। वे ऑर्डर के अनुसार, येलो और वाइट गोल्ड में किसी भी शुद्धता में 1 ग्राम से लेकर 100 ग्राम या उससे अधिक वजन की चेन बनाते हैं, तथा ऑर्डर के अनुसार गोल्ड की ज्वेलरी, कॉइंस आदि किसी भी फॉर्मेट में ट्रांसफॉर्म कर सकते हैं, और हॉलमार्क गारंटी के साथ 22 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी के प्रतिष्ठित सप्लायर व निर्माता है। मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स के मालिक मदन कोठारी लगभग 5 दशक से ज्वेलरी बिजनेस में हैं और यह व्यापारिक ताकत उनको अपने पिता सरदारमल कस्तूरचंद कोठारी से मिली है। अपनी वंशानुगत ज्वेलरी स्किल को समझते हुए मदन कोठारी ने मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स की स्थापना की और अपनी मेहनत, ताकत व दूरदर्सी व्यापारिक नजरिये से उन्होंने मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स को आज सबसे ऊंचे मुकाम पर पहुंचाया है। अपने व्यापार की शुरूआत के साथ ही मदन कोठारी से यह सुनिश्चित कर लिया था कि वे अपने कंपनी को उस मुकाम पर ले जाएंगे, जिसे ज्वेलरी इंडस्ट्री में प्रीमियर पोजिशन माना जाता है। सन 2009 में उनके बेटे राज कोठारी ने भी मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स की व्यापारिक कमान में हाथ बंटाना शुरू किया और इस नई पीढ़ी ने परिवार की व्यापारिक परंपरा को तेजी से आगे बढ़ाते हुए कंपनी को नए मुकाम पर पहुंचाने में अथक मेहनत की। इसके साथ ही अपने पिता मदन कोठारी के नेतृत्व में राज कोठारी ने अपनी पत्नी खुशबू कोठारी के साथ 'ऑरस ज्वेल्स' ब्रांड से एक नई कंपनी लॉंच की तथा 100 प्रतिशत स्टोन्स वेट लैस सीजेड ज्वेलरी की अवधारणा शुरू की, जिसे जबरदस्त प्रतिसाद मिला। मदन कोठारी कहते हैं कि 'ऑरस ज्वेल्स' और मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स का यह एक क्रांतिकारी कदम था, जिसे हर तरफ से पूरी सराहना मिली।

मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड, 1997 में अपनी स्थापना के बाद से ही आभूषण निर्माण और थोक उद्योग में एक दूरदर्शी कंपनी रही है। कंपनी मूल्य-प्रति-मूल्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला में विशेषज्ञता रखती है, और उत्कृष्ट और विशिष्ट डिज़ाइनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करती है। अपनी विश्वस्तरीय गुणवत्ता, उत्कृष्ट फ़िनिश और समय पर डिलीवरी के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जानी जाने वाली इस कंपनी ने आभूषण क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए एक प्रतिष्ठा अर्जित की है। प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने पर उनके ध्यान ने उन्हें उद्योग में एक विश्वसनीय नाम बना दिया है। मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड ने निरंतर तकनीकी उन्नयन, डिज़ाइन नवाचार और दशकों की विशेषज्ञता के माध्यम से अपनी उत्पाद श्रृंखला को परिष्कृत किया है। कंपनी सौंदर्य की दृष्टि से असाधारण आभूषण बनाने के लिए कुशल कारीगरों और डिज़ाइनरों को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके और विनिर्माण से लेकर बिक्री के बाद की सेवा तक की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, कंपनी उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और एक सहज ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करती है, जो आभूषण उद्योग में इसकी सफलता को आगे बढ़ाती है।

बाजार में एक आम धारणा है कि मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स विश्व स्तरीय क्वालिटी स्टेंडर्ड्स को फॉलो करते हुए, बेहतरीन डिज़ाइन, शानदार फ़िनिशिंग के साथ अपनी ज्वेलरी की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करता है। बेमिसाल प्रतिष्ठा और ग्राहको का विश्वास इस कंपनी की सबसे बड़ी ताकत है। भले ही कंपनी की ज्वेलरी का ब्रांड मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स है, लेकिन पिछले कुछ सालों में, मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स ने अन्य सभी प्रकार की ज्वेलरी का निर्माण भी शुरू कर दिया है, जिसे देश के ज्वेलरी सेक्टर में धड़ल्ले से प्रतिसाद मिल रहा है। आज मुंबई में मशीन चेन्स, हेंडमेड चेन्स, होलो चेन्स व ब्रेसलेट्स, नवाबी चेन्स और ब्रेसलेट्स, ब्राइडेड चेन्स, जेंट्स चेन्स, लेडीज चेन्स, लेडीज ब्रेस्ट्स, सीजेड पेंडेंट्स सेट्स, सीजेड तनमानिया सेट्स, सीजेड लेडीज रिंग्स, सीजेड़ जेंट्स रिंग्स और फैंसी नेकलेस के अलावा रोजकोट ज्वेलरी की भी प्रमुख निर्माता कंपनी के रूप में मास्टर चेन्स एन ज्वेल्स बेहतरीन ज्वेलरी कंपनी का खिताब हासिल है।

MASTER CHAINS & JEWELS

Exclusive Gold Chains
CZ Gold Jewellery at **100 % STONE LESS** Weight

iijs PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
2025

31th July - 4th August 2025
Bombay Exhibition Center - Mumbai

Hall No. 2
Stall No. 2K 267

OFFICE ADDRESS

301, 3rd floor, 99/103, Jewel Crown, Tambakanta, Pydhonie, Mumbai - 400003
Tel : +91-22-46015588 /+91-22-46025588, I-Com No.:5588//4066
Mumbai ♦ Bengaluru ♦ Secunderabad ♦ Delhi

बेहतरीन गोल्ड ज्वेलरी प्रोड्क्ट्स से बना देश भर में बड़ा ब्रांड कनक ज्वेल्स

भारत में ज्वेलरी हर व्यक्ति, हर परिवार और हर अवसर की एक महत्वपूर्ण जरूरत मानी जाती है। अमीर से लेकर सामन्य वर्ग के सभी तरह के लोग ज्वेलरी पसंद करते हैं, तथा खरीदते हैं। तो, जब बाजार तेजी से बढ़ रहा है, तो इसमें कमाई के अवसर भी तेजी से विकसित हो रहे हैं। इस सच्चाई को केतन जैन और पारस जैन ने करीब से जाना, और ज्वेलरी बिजनेस में आने का फैसला कर लिया। दोनों ने मिलकर सन 2015 में एक कंपनी की शुरूआत की, जिसका नाम है कनक ज्वेल्स। लगभग एक दशक होने को है और इतने कम वक्त में दोनों मिलकर अपनी मेहनत और कोशिशों से अपने व्यापारिक संस्थान को जिस उंचाई के मुकाम पर पहुंचा सकते थे, कनक ज्वेल्स को वहां उन्होंने ले जाकर खड़ा कर दिया है। केवल 10 सालों में ही कनक ज्वेल्स का बिजनेस आज पूरे देश में विस्तार ले चुका है। मुंबई के गोल्ड ज्वेलरी मार्केट में अपने बेहतरीन प्रोडक्ट्स के जरिए बहुत तेजी से बहुत आगे बढ़ने वाली कंपनियों में कनक ज्वेल्स का नाम अग्रणी माना जाता है।

तेजतर्रार और दूरदर्शी बिजनेसमैन के रूप में मुंबई के ज्वेलरी मार्केट में अपनी शानदार छवि स्थापित कर चुके केतन जैन और पारस जैन, दोनों ने बाजार की व्यापारिक विकास की संभावनाओं के साथ साथ व्यापार के विकास के तथ्यों को भी भली भांति समझ लिया था। उन्होंने जान लिया था कि भारत में आम तौर पर लोग अपने लिए जब ज्वेलरी की खरीदारी करते हैं, तो उस ज्वेलरी की क्वालिटी, उसके डिजाइन, उसकी कलात्मकता और गोल्ड की प्योरिटी को सबसे ज्यादा देखते हैं, साथ ही उसके टिकाऊपन को भी देखते हैं। इसीलिए उन्होंने अपनी ज्वेलरी के डिजाइन, कलात्मकता और प्योरिटी पर सर्वाधिक ध्यान फोकस किया और ग्राहक को हर तरह से संतुष्ट करने के सारे सफल प्रयास किए, तो आज कनक ज्वेल्स व्हाइट गोल्ड में सीजेड रोज गोल्ड ज्वेलरी के मामले में सबसे अग्रणी कंपनियों में जानी जाती है। इसके साथ ही वे हर तरह की ज्वेलरी का निर्माण करते हैं, तथा

नेकलेस, ब्रासलेट, रिंग, इत्यादि में तो उनकी गुणवत्ता का देश भर में काफी बड़ा नाम है। कनक ज्वेल्स में निर्मित स्पेशल कॉकटेल रिंग भी आज न केवल मुंबई के ज्वेलरी मार्केट बल्कि पूरे देश भर के ज्वेलर्स में काफी प्रसिद्ध है। गोल्ड ज्वेलरी बाजार की तासीर और उसमें विकास की संभावनाओं को बहतर समझने वाले केतन जैन और पारस जैन गोल्ड ज्वेलरी मार्केट के भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करना भी जानते हैं। वे कहते हैं कि उनका व्यापार पूर्ण रूप से ग्राहक और उपभोक्ता की संतुष्टि पर आधारित है। उनके उपभोक्ता व ग्राहक उनकी ज्वेलरी से संतुष्ठ हैं, उसी कारण उनका सीजेड ज्वेलरी का व्यापार भी तेजी से बढ़ रहा है। कनक ज्वेल्स की हर ज्वेलरी अपनी खूबसूरती और डायमंड जैसे लुक के कारण हर किसी को पसंद आती है तथा बहुत तेजी से लोकप्रिय भी हो रही है। देश में कनक ज्वेल्स के बढ़ते बाजार का जलवा यह है कि वे हर साल जितनी ज्वेलरी का निर्माण करते है, वह सारी ही खप जाती है। अपने व्यापार के विकास के लिए वे आइआइजेएस में भी हिस्सा लेते रहे हैं, जहां पर बिजनेस नेटवर्किंग का जरिए वे देश भर में कनक ज्वेल्स को एक ब्रांड के रूप में मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। दरअसल, आइआइजेएस यानी इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो वह ज्वेलरी एग्जिबिशन है, जहां देश - दुनिया के हजारों ज्वेलर्स आते हैं तथा वहां कनक ज्वेल्स की ज्वेलरी ही उनको लुभाती है।

कनक ज्वेल्स के केतन जैन कहते हैं कि आइआइजेएस का भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री के विकास में बहुत बड़ा योगदान है, तथा उसमें सहभागिता करने से कनक ज्वेल्स की भी अपनी साख मजबूत बनी है। कनक ज्वेल्स पिछले 8 साल से लगातार आइआइजेएस में हिस्सा लेकर बाजार की व्यापारिक धाराओं को गहरे से समझ चुका है, इसी कारण मार्केट में कनक ज्वेल्स की ज्वेलरी का महत्व अत्यधिक तेजी से बढ़ता जा रहा है। विशेषकर, शादियों और महिलाओं के त्योहारों में कनक ज्वेल्स की ज्वेलरी की डिमांड परम्परागत रूप में बढ़ जाती है। कनक ज्वेल्स के पारस जान कहते हैं कि वे अपने व्यापार के विकास की सारी चुनौतियों का अध्ययन करके ही आगे कदम बढ़ाते हैं। बहुत सधे हुए कदमों से अपनी चाल को तेजी से आगे बढ़ाने के कारण ही कनक ज्वेल्स की ज्वेलरी को अद्वितीय रूप से सराहा जाता रहा है। कनक ज्वेल्स की कॉकटेल रिंग तो गोल्ड ज्वेलरी मार्केट में सबसे प्रसिद्ध ज्वेलरी प्रोडक्ट के रूप में स्थापित हो गई है और कनक ज्वेल्स एक स्थापित ज्वेलरी ब्रांड के रूप में अपनी पहचान कायम कर चुका है।

कंपनी के भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए केतन जैन कहते हैं कि हम हर हाल में बाजार के साथ चलते रहेंगे, क्योंकि हमारे ज्वेलरी प्रोडक्ट ही ऐसे हैं कि उनका चलन कभी कम नहीं हो सकता। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए पारस जैन बताते हैं कि आपको अपने प्रतिद्वंद्वियों के प्रोडक्ट्स पर नहीं बल्कि हमारे प्रमुख ज्वेलरी प्रोडक्ट्स ब्रैसलेट्स, रिंग्स और नेकलेस आदि के बारे में बाजार में ग्राहकों की डिमांड को वक्त पर पूरा करने के साथ साथ क्वालिटी पर ज्यादा फोकस करते हैं। साथ ही यह भी पता करते रहते हैं कि मार्केट में कौनसी ज्वेलरी या डिजाइन ज्यादा बिक रही हैं या लोगों को किस तरह की चीज़े ज्यादा पसंद आ रही हैं। उसी तरह की ज्वेलरी या उससे भी ज्यादा अच्छी वाइट गोल्ड सीजेड ज्वेलरी हम बाजार में उतारने का प्रयास करते हैं, तथा इसी स्वस्थ व्यापारिक परंपरा को आगे बढ़ाते रहेंगे, यही हमारी भावी योजना है।

KANAK JEWELS
SUNRISE
MUMBAI
MFG OF PREMIUM
ROSE GOLD CZ JEWELLERY
M: 8169923442 / 8928502770
Visit us at
IIJS
INDIA
INTERNATIONAL
JEWELLERY SHOW
PREMIERE - 2025
31st July-4th August-2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai
Hall - 04
Stall - 491B

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन का गेम चेंजर कार्यक्रम शानदार रूप से संपन्न

डॉ. उज्जवल पाटनी ने बताएं बिजनेस में ग्रोथ के गुर

मुंबई। ज्वेलरी बिजनेस की प्रमुख संस्था मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन एवं यूथ विंग द्वारा अपने सदस्यों की शानदार व्यावसायिक प्रगति हेतु चमत्कारी आईडियाज की प्रस्तुति के लिए प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. उज्जवल पाटनी का एक अभिनव कार्यक्रम चेंबुर स्थित फाइन आर्ट्स ऑडिटोरियम में 28 जून को संपन्न हुआ।

डॉ. उज्जवल पाटनी ने संस्था के सदस्यों के साथ समरोह में उपस्थित सभी मेहमानों को जीवन बदलने तथा बिजनेस को बढ़ाने की रणनीतियों से संबंधित आईडिया बताया। वे युवा ज्वेलर्स को नए दृष्टिकोण के साथ ज्वेलरी बिजनेस में आगे बढ़ने के आईडिया से समृद्ध किया। इस आयोजन में बड़ी तादाद में ज्वेलरी बिजनेस से जुड़े लोग उपस्थित थे। 'गेम चेंजर्स' कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. उज्जवल पाटनी वर्तमान विपरीत हालात में ज्वेलरी बिजनेस के विकास के नए दरवाजे खोलने के अंतर्राष्ट्रीय विचार प्रस्तुत किए। डॉ. पाटनी ने बहुत ही सरल शब्दों में बिजनेस को कैसे बढ़ाएं वो सभी गुर बताए। इसके बाद जीतो मुंबई जोन के चेयरमेन डॉ विनय जैन ने कम समय में युवाओं को प्रेरणायुक्त बातें बताई। पूरे कार्यक्रम को उनकी जबर्दस्त समझाने की शैली को लोगों ने खूब सराहा। इस अवसर पर जीजेईपीसी के चेयरमेन किरीट भंसाली, जीजेसी के पूर्व चेयरमेन संयम मेहरा, जीतो मुंबई झोन के चेयरमेन डॉ विनय जैन, जवेरी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमेन हितेश जैन, कार्यक्रम के स्पॉन्सर स्काय गोल्ड लिमिटेड के मंगेश चौहान, महेन्द्र चौहान, दर्शन चौहान का मुंबई होससेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा सम्मान किया गया। प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना, सेक्रेट्री श्रेयांस कोठारी, कोषाध्यक्ष कमल मेहता, उपाध्यक्ष संदिप कोठारी, दिनेश कोठारी, सहमंत्री रिंकू बाफना, सहकोषाध्यक्ष नरेन्द्र नवलखा, कार्यक्रम के संयोजक राजेश कोठारी, पूर्व मंत्री अनिल पामेचा, यूथ विंग का सराहनीय योगदान रहा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश बाफना ने संस्था के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। और उन्होंने विश्वास जताया कि गेम चेंजर कार्यक्रम हम सभी के लिए व्यवसायिक, सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। गेम चेंजर कार्यक्रम शानदार, अलौकिक, अद्धित्य व अविस्मरणीय रहा जिसे लोग लंबे समय तक याद रखेंगे।

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की स्वर्णमयी यात्रा और 'आभूषण टाइम्स' का अटूट साथ

ज्वेलरी उद्योग की नब्ज समझने वालों के लिए मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन और 'आभूषण टाइम्स' का साथ किसी परिचय का मोहताज नहीं। एक ओर जहां मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ज्वेलर्स का एक प्रमुख और विश्वसनीय संगठन है, वहीं 'आभूषण टाइम्स' ज्वेलरी उद्योग की नंबर वन पत्रिका के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। हमारा रिश्ता सिर्फ व्यावसायिक नहीं, बल्कि उद्योग के विकास और हर उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे का संबल बनने का रहा है, जिसकी बुनियाद 25 वर्षों के गहरे विश्वास और सहयोग पर टिकी है।

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने पिछले 35 वर्षों में ज्वेलरी उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उसे पेश आने वाली हर चुनौती का डटकर सामना किया है। पिछले 35 वर्षों में, इस संगठन ने न केवल उद्योग की प्रगति को बढ़ावा दिया, बल्कि हर संकट में अपने सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष किया। चाहे कोई सरकारी नीतिगत बदलाव हो, बाजार में अनिश्चितता का दौर हो, या फिर उपभोक्ताओं की बदलती पसंद, मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन ने हमेशा अपने सदस्यों के हितों की रक्षा और उद्योग को सही दिशा देने के लिए संघर्ष किया है। इस लंबी और सुदीर्घ यात्रा में 'आभूषण टाइम्स' हर कदम पर मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के साथ खड़ा रहा है। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के हर आंदोलन, हर महत्वपूर्ण पहल और हर ज्वेलर की आवाज को 'आभूषण टाइम्स' ने अपने पन्नों पर जगह दी है, जिससे उद्योग को एक सशक्त मंच मिला है। यह सहयोग और मजबूत तब हो रहा है जब द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा आयोजित आइआइजेएस प्रीमियर जैसे प्रतिष्ठित आयोजन में 'आभूषण टाइम्स' अपने एक

सिद्धराज लोढ़ा

राकेश लोढ़ा

खास तौर पर समर्पित विशेषांक के पन्नों पर मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की 35 साल की संघर्ष यात्रा और उद्योग के प्रमुख ज्वेलर्स को प्रमुखता से दर्शा रहा है। हमने अपने इस विशेषांक में एसोसिएशन की संघर्ष यात्रा को प्रमुखता से स्थान दिया है। इसके साथ ही, प्रमुख ज्वेलर्स के योगदान को भी रेखांकित किया गया, जो वास्तव में बाजार की ताकत और इसकी गतिशीलता को दर्शाता है। वास्तव में बाजार को महत्व देने के लिए यह हमारा एक जरूरी कदम है। 'आभूषण टाइम्स' ने कदम-कदम पर हर ज्वेलर का साथ दिया और न केवल संगठन के आंदोलनों को व्यापक कवरेज प्रदान किया, बल्कि प्रत्येक ज्वेलर की आवाज को बुलंद करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह 'आभूषण टाइम्स' की दूरदृष्टि और उद्योग के प्रति हमारी गहरी समझ है कि हमने मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन जैसे महत्वपूर्ण संगठन और उसके सदस्यों की सफलताओं को उजागर कर समूचे उद्योग को प्रेरित किया। यह सिर्फ एक पत्रिका की भूमिका नहीं, बल्कि एक सच्चे सहयोगी की भूमिका है, जो ज्वेलरी उद्योग की जड़ों को समझता है और उसे पोषण देता है, तथा मजबूत संगठनों को ताकत देने के लिए तेयार रहता है। 'आभूषण टाइम्स' हमेशा से ही ज्वेलरी व्यवसाय को अपने पन्नों पर प्राथमिकता देता रहा है, और यह इसी ताकत की वजह है कि आज यहज्वेलरी उद्योग की नंबर वन पत्रिका है। मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन को इस विशेषांक में जिस तरह से स्थान मिला है, वह इस बात का प्रमाण है कि 'आभूषण टाइम्स' सिर्फ खबरें नहीं छापता, बल्कि उद्योग के हर कोने, हर संघर्ष और हर सफलता को पूरी निष्ठा से उजागर करता है। यह प्रधानता कोई नई बात नहीं है, बल्कि 'आभूषण टाइम्स' की दशकों पुरानी परंपरा का हिस्सा है, जहां हर ज्वेलर और हर व्यापार को समान रूप से सहयोग और महत्व मिलता रहा है। 'आभूषण टाइम्स' का यह अटूट समर्थन और समावेशी दृष्टिकोण ही है, जिसने 'आभूषण टाइम्स' को अपने पाठकों और पूरे उद्योग के दिलों में एक खास जगह दी है। यह साझेदारी न केवल उद्योग की प्रगति का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि एकजुटता और सहयोग से हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।

'आभूषण टाइम्स' अपनी इस उपलब्धि के लिए पूरे ज्वेलरी उद्योग का हृदय से आभार व्यक्त करता है, जिसने हमें नंबर वन पत्रिका के रूप में अपने दिलों में जगह दी। विशेष रूप से, हम मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों के प्रति अपना गहरा आभार व्यक्त करते हैं। आपका स्नेह और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि 'आभूषण टाइम्स' सदा आपके साथ चलता रहेगा, ठीक वैसे ही जैसे इन 35 वर्षों में मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के साथ रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि आपका यह साथ इसी तरह बना रहेगा, क्योंकि आपके सहयोग के बिना हमारी यह यात्रा अधूरी है। हम मिलकर ज्वेलरी उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अब तक के पदाधिकारी

• प्रथम कार्यकाल •

बाबुलाल कच्छारा
अध्यक्ष

महावीर लोढ़ा
सेक्रेट्री

• द्वितीय कार्यकाल •

अरुण मेहरा
अध्यक्ष

विमल वागरेचा
सेक्रेट्री

• तृतिय कार्यकाल •

पदम सोनी
अध्यक्ष

महावीर लोढ़ा
सेक्रेट्री

• चतुर्थ कार्यकाल •

अरविंद धाकड़
अध्यक्ष

विमल वागरेचा
सेक्रेट्री

• पंचम कार्यकाल •

विनोद वड़ाला
अध्यक्ष

निमेश राठौड़
सेक्रेट्री

• षष्ठम कार्यकाल •

प्रकाश कागरेचा
अध्यक्ष

अनिल पामेचा
सेक्रेट्री

• वर्तमान कार्यकाल •

महेश बाफना
अध्यक्ष

श्रेयांश कोठारी
सेक्रेट्री

आईआईजेएस प्रीमियर - 2025

चढ़ते गोल्ड और बढ़ते सिल्वर में भी बड़े बिजनेस की उम्मीद

इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो अर्थात आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन के 41वें एडिशन के लिए देश भर के ज्वेलर्स ने कमर कस ली है, तो आईआईजेएस की आयोजक संस्था जीजेईपीसी ने भी सारी तैयारियां पूरी करने में कोई कसर नहीं रखी है। भारत का सबसे बड़ा और सर्वाधिक प्रतिष्ठित ज्वेलरी शो, जिसे आईआईजेएस प्रीमियर के नाम से जाना जाता है, वह एक बार फिर मुंबई में दो प्रमुख स्थानों पर आयोजित होने वाला है। आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन मुंबई में 30 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में और गोरेगांव स्थित नेस्को के नाम से मशहूर बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में 31 जुलाई से 4 अगस्त तक चलेगा। जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में सुबह 10 से शाम 7 बजे तक और और गोरेगांव स्थित नेस्को में यह शो सुबह 11 बजे से शान 8 बजे तक चलेगा। आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन की यह दोहरे स्थानों की व्यवस्था एग्जीबिटर्स और ज्वेलरी बिजनेसमेन को अधिक सुविधा और व्यापक अनुभव प्रदान करती है, जिससे यह आयोजन वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनता जा रहा है। इस बार की तैयारियों को देख कर कहा जा सकता है कि आईआईजेएस प्रीमियर - 2025 भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री की वैश्विक पहचान को पहले से भी और ज्यादा सशक्त करेगा। यह आयोजन न केवल देश - दुनिया के प्रत्येक ज्वेलर तथा ज्वेलरी सेक्टर के बिजनेसमैन को नए नए व्यापारिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि नई कोशिशों से इस इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों तक भी ले जा रहा है। इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो की आयोजक संस्था द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) की दूरदर्शिता और समर्पण के साथ, आईआईजेएस प्रीमियर विश्व स्तर पर ज्वेलरी उद्योग का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। इस बार के आईआईजेएस प्रीमियर - 2025 शो

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी शो 2025 एक बार फिर मुंबई में दो प्रमुख स्थानों पर आयोजित होने वाला है। ये आईआईजेएस प्रीमियर का 41वां आयोजन होगा। आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन मुंबई में 30 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में और गोरेगांव स्थित नेस्को के नाम से मशहूर बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में 31 जुलाई से 4 अगस्त तक चलेगा।

में देश - दुनिय से लगभग 50 हजार से अधिक व्यापारिक विजिटर्स शामिल होंगे, जिनमें, 2 हजार से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खरीददार भी शामिल होंगे। गोल्ड के बढ़ते रेट्स तथा सिल्वर में भी बेहत तेजी के बावजूद आईआईजेएस प्रीमियर के माध्यम से लगभग 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार इस आयोजन के जरिए होने की उम्मीद की जा रही है।

आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन जिसे व्यापक तौर पर इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो प्रीमियर कहा जाता है, वह भारत की सबसे बड़ी और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बीटूबी ज्वेलरी एग्जिबिशन है, जो जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित किया जाता है। यह एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलरी उद्योग की समृद्ध परंपराओं, उत्कृष्ट शिल्प कौशल और इसकी अभिनवता को प्रदर्शित करती है। 2025 में अपने 41वें संस्करण के साथ, यह आयोजन 135,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला होगा, जिसमें 2100 से अधिक एग्जीबिटर्स और 3600 से अधिक स्टॉल होंगे। यह 50 हजार से अधिक व्यापारिक विजिटर्स को आकर्षित करने की उम्मीद है, जिनमें भारत के 800 से ज्यादा शहरों और 60 से अधिक देशों के ज्वेलरी खरीददार आ रहे हैं। बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में विशेष हाई-एंड कॉउचर ज्वेलरी सेक्शन के लिए सेलेक्ट क्लब सेक्शन रहेगा। जीजेईपीसे ने 30 जुलाई की रात को बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में नेटवर्किंग नाइट का आयोजन किया है, जिसमें बॉलीवुड के विख्यात सिंगर सोनू निगम से गीतों के साथ ज्वेलरी की दुनिया के लोग मिलेंगे तथा अपने व्यापारिक संबंधों को विकसित करने के नए जद्वार खोलेंगे।

आईआईजेएस प्रीमियर के नाम से मशहूर आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन में, न केवल ज्वेलरी प्रोडक्ट्स की विस्तृत श्रृंखला जैसे डायमंड, स्टोन्स, गोल्ड, सिल्वर, प्लैटिनम, लैब-ग्रोन डायमंड्स, और हाई-एंड ज्वेलरी को प्रदर्शित होती है, बल्कि यह ज्वेलरी उद्योग के लिए नेटवर्किंग, व्यापार विस्तार और नवीनतम रुझानों को जानने का एक अनूठा मंच भी है। आईआईजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलरी उद्योग की सांस्कृतिक विविधता और आधुनिकता के मिश्रण को दर्शाता है, तथा यह स्थापित करता है कि भारतीय ज्वेलरी की दुनिया संसार के हर देश को लुभाती है। जीजेईपीसी ने इस बार के आईआईजेएस प्रीमियर की सफलता के लिए 100 से ज्यादा शहरों में रोड शो आयोजित किए, जिनमें नासिक, दिल्ली, सूरत, जयपुर,

कोलकाता, और चेन्नई भी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, कंबोडिया, ईरान, जापान, और सऊदी अरब जैसे देशों में भी प्रचार किया गया। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा समर्थित, जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल को देश के ज्यादातर ज्वेलर्स जीजेईपीसी के नाम से जानते हैं। यह देश के ज्वेलरी बिजनेस सेक्टर की प्रतिनिधि संस्था है, जो भारत को ज्वेलरी उद्योग में वैश्विक नेतृत्व देने के लिए प्रतिबद्ध है। ज्वेलरी के एक्सपोर्ट में वृद्धि को प्रतिबद्ध जीजेईपीसी 2025 तक भारत के जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट को 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने की कोशिश में है। इसके साथ ही रोजगार सृजन की दिशा में जीजेईपीसी की कोशिश है कि इस क्षेत्र में 2 मिलियन अतिरिक्त रोजगार सृजित किए जाएं। जीजेईपीसी कौशल्य विकास की दिशा में बी काम कर रही है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के तौर पर उदयपुर, जयपुर, और गुवाहाटी में, 400 से अधिक ज्वेलरी कारीगरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। आईआईजेएस के माध्यम से जीजेईपीसी भारतीय शिल्प कौशल बढ़ाने के लिए डिजाइनरों को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए उन्हें वैश्विक मंच प्रदान कर रहा है। जीजेईपीसी की रणनीति में सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी), ज्वेलरी पार्क, और शैक्षिक संस्थान स्थापित करना भी शामिल है, ताकि ज्वेलरी उद्योग स्थायी विकास की ओर लगातार तेज गति से आगे बढ़ता रहे।

आईआईजेएस की शुरुआत 1985 में हुई थी, और तब से यह भारत के ज्वेलरी उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। पिछले चार दशकों में इसका आकार और प्रभाव कई गुना बढ़ा है। अपने शुरुआती वर्षों में, यह एक छोटा आयोजन था, जिसमें स्थानीय एग्बिटर्स और ज्वेलरी के खरीददार शामिल थे। 2000 के दशक में आईआईजेएस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित करना शुरू किया, जिससे वैश्विक खरीदारों की भागीदारी बढ़ी। धीरे धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़ती गई और लगातार बढ़ती ज्वेलर्स ही हिस्सेदारी और स्टॉल्स की बढ़ती संख्या के साथ यह एक प्रमुख वैश्विक आयोजन बन गया। इस बार आईआजेएस प्रीमियर - 2025 में 2100 कंपनियों और 3600 स्टॉल पर ज्वेलरी के विभिन्न डिजाइन देखने को मिलेंगे, जो इसकी अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाता है। आईआईजेएस ने अपने एग्जिबिशनमें समय के साथ कई नए विभाग पेश करते हुए नए ज्वेलरी सेक्टर से संबद्ध नए क्षेत्रों को इस एग्जिबिशन में समाहित किया है, जिसमें लैब-ग्रोन डायमंड्स, हाई-एंड कॉउचर ज्वेलरी, और उद्योग की बदलती जरूरतों को पूरा करने वाली मशीनरी एग्जिबिशन, तथा ज्वेलरी से जुड़े शैक्षणिक संस्थान आदि भी शामिल हैं। आईआईजेएस में इस बार भी 'वन अर्थ' पहल लगातार चलती रहेगी। की शुरुआत IIJS सिग्नेचर 2023 के दौरान की गई थी और प्रदर्शकों, आगंतुकों, विक्रेताओं और जीजेईपीसी की यह पहल 1.0 लाख वृक्षारोपण के तक पहुंच गई,है। जीजेईपीसी मानती है कि उस मुहिम में कई संस्थानों व लोगों ने भी उदारतापूर्वक योगदान दिया है। आईआईजेएस प्रीमियर 2025 में भी ईको फ्रेंडली आयोजन की दिशा में इस मिशन को जारी रख रहे हैं।

दरअसल, सही मायने में देखें, तो आईआईजेएस प्रीमियर की आयोजन संस्था जीजेईपीसी ने इस ज्वेलरी एग्जिबिशन की ज्वेलरी उद्योग में व्यापारिक विकास के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में तैयार किया है। यहां ज्वेलर्स को परस्पर नेटवर्किंग के अवसर मिलते हैं, जो यह एग्जीबिटर्स और खरीददार, दोनों को एक मंच प्रदान करता है, जहां वे नए व्यापारिक संबंध स्थापित कर सकते हैं। इसके साथ ही एक्सपोर्ट वृद्धि की बीत की जाए, तो 2024 में आईआईजेएस प्रीमियर ने 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापारिक सफर तय किया, जो भारत के एक्सपोर्ट बिजनेस को बढ़ावा देता है। आईआईजेएस प्रीमियर एग्जिबिशन की वैश्विक पहुंच पर भी बात करनी जरूरी है, क्योंकि 60 से देशों से 2000 से अधिक ज्वेलरी के अंतरराष्ट्रीय खरीददार और 15 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल आईआईजेएस में भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही इनोव8 टॉक्स और डिज़ाइन गैलरी जैसी अपनी अभिनव पहल के जरिए नए डिजाइनों, नए डिजाइनरों और नए संस्थानों को भी आईआईजेएस प्रीमियर में, इसकी आयोजक संस्था जीजेईपीसी बढ़ावा देने की तैयारी में हैं। भारतीय ज्वेलरी को वैश्विक बाजारों में स्थापित करने में अनिवासी भारतीय ज्वेलर्स के लिए एक महत्वपूर्ण सोर्सिंग मंच के रूप में भी आईआईजेएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से कहा जाए, तो ज्वेलरी उद्योग के लिए महत्व की बात यह है कि आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी उद्योग के लिए कई कारणों से बेहद जरूरी आयोजन बन गया है। यह भारतीय शिल्प कौशल को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करता है, जिससे भारत को कट और पॉलिश्ड डायमंड्स का सबसे बड़ा निर्माता बनने में मदद मिली। इसी एग्जिबिशन के जरिए नए नए डिज़ाइन किए गए नए उत्पाद और लैब-ग्रोन डायमंड्स जैसे उभरते खंड उद्योग की दिशा तय करते हैं। भारतीय अर्थ जगत में देखें, तो आईआईजेएस का आर्थिक योगदान, भारतीय उद्योग के कुल एक्सपोर्ट का 9.31 प्रतिशत हिस्सा है, जो इसे एक प्रमुख विदेशी मुद्रार्जन का माध्यम है।

आईआईजेएस प्रीमियर 2025 के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। जिसमें डिजिटल सुविधाएं इस बार भी सबसे अहम हैं। आईआईजेएस ऐप के माध्यम से रीयल-टाइम अपडेट, इंटरैक्टिव फ्लोर प्लान, और एग्जीबिटर्स सूची उपलब्ध होगी। लॉजिस्टिक्स की बात की जाए, तो बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर और गोरेगांव स्थित नेस्को के नाम से मशहूर बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर, इन दोनों जगहों पर हो रही आईआईजेएस एग्जिबिशन के बीच ज्वेलर्स और विजियर्स को लाने ले जाने के लिए शटल बस सेवाएं, मुफ्त पार्किंग, और डेडीकेटेड़ हेल्प डेस्क के अलावा सुरक्षा के भी अत्याधुनिक बनाने की दिशा में डिजिटल एंट्री बैज और फेस डिटेक्शन तकनीक से प्रवेश और निकास सुगम होगा।

जीजेईपीसे ने इस बार आईआईजेएस प्रीमियर के लिए कास तौर से 100 से ज्यादा शहरों में रोड शो और डोर-टू-डोर अभियान चलाकर विजिटर्स की संख्या बढ़ाने की कोशिश की है। खास तौर से विभिन्न दृशों में ज्वेलरी के अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विशेष रूप से प्रयास किए गए हैं। अब बाकत करते हैं आईआईजेएस प्रीमियर में विशेष सुविधाओं की, तो हर बार की तरह इस बार भी प्राइम लाउंज, हाई-स्पीड वाई-फाई, और अंतरराष्ट्रीय विजिटर्स के लिए मुफ्त पंजीकरण भी आईआईजेएस प्रीमियर की तैयारियों का हिस्सा है। माना जा रहा है कि गोल्ड और सिल्वर दोनों के बढ़ते रेट्स के बावजूद इस बार आईआईजेएस में बहुत बड़े बिजनेस की उम्मीद है।

किरिट भंसाली
चेयरमेन-जीजेईपीसी

जीजेईपीसी के चेयरमैन किरिट भंसाली कहते हैं कि देश का यह सबसे बड़ा ज्वेलरी शो आईआईजेएस प्रीमियर विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ कदम बढ़ा रहा है। हम जेम एंड ज्वेलरी सेक्टर में पारंपरिक कौशल को अत्याधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करके उद्योग की निरंतर वृद्धि सुनिश्चित कर रहे हैं। हम मान रहे हैं कि इस बार का आईआईजेएस हर किसी को लिए खास अनुभव होगा, तथा ज्वेलरी इंडस्ट्री को व्यावसायिक तथा क्रिएटिविटी दोनों क्षेत्रों में नए आयाम देगा।

शौनक पारीख
वाइस चेयरमेन-जीजेईपीसी

जीजेईपीसी के वाइस चेयरमेन शौनक पारीख कहते हैं कि आईआईजेएस की सफलता की 41 साल की समृद्ध परंपरा की यह लंबी यात्रा जबरदस्त उत्साहजनक एवं बेहद असाधारण रही है। इस ज्वेलरी शो के जरिए भारतीय ज्वेलर्स का नाम तथा हमारी ज्वेलरी की क्वालिटी दुनिया भर में भारत को एक ब्रांड के रूप में स्थापित कर रही है। इस बार सभी देख रहे हैं कि यह ज्वेलरी एग्जिबिशन न केवल आकार में बल्कि अपने प्रभाव में भी साल दर साल लगातार बढ़त हासिल करने में कामयाब रही है।

निरव भंसाली
नेशनल कन्वीनर एक्जीबिशन-जीजेईपीसी

जीजेईपीसी के नेशनल कन्वीनर एक्ज़ीबिशन निरव भंसाली का कहना है कि आईआईजेएस प्रीमियर के नाम से विख्यात यह इंडिया का इंटरनेशनल ज्वेलरी शो, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा तथा प्रतिष्ठित बीटूबी ज्वेलरी शो है, और जिस तरह से दुनिया भर के देशों से इसे रिस्पॉंस मिल रहा है, यह जल्द ही दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन होने की तरफ बढ़ रहा है। जीजेईपीसी इस एग्जिबिशन के जरिए ज्वेलरी सेक्टर में ब्रांड इंडिया को विश्व स्तर पर ताकतवर बनाने की ओर लगातार अग्रसर है।

GAURAKKII
LUXURY DIAMONDS FOR EVERYONE

IGI Certified

Lab-GrownDiamonds

LUXURY
SILVER JEWELRY

GAURAKKII
LUXURY DIAMONDS FOR EVERYONE

Shop No 2/3, Ground Floor, Johari Mall, Opp Aurum Mall,
Zaveri Bazar. , Mumbai, India, Maharashtra

98196 10210

gaurakkii.com

आइआइजेएस अर्थात ज्वेलरी बिजनेस का वैश्विक मंच

आईआईजेएस में हर ज्वेलर के लिए अवसर ही अवसर

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में ज्वेलरी की डिजिटल तकनीक और आधुनिक मशीनरी के स्टॉल्स ने ज्वेलरी निर्माण को और कुशल बनाया है। आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन छोटे ज्वेलरी व्यवसायों को बड़े खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका देती हैं, जिससे बिजनेस नेटवर्किंग और एक छत के नीचे व्यापारिक सौदों को बढ़ावा मिल रहा है। यह ज्वेलरी में निर्यात के अवसरों को भी बढ़ा रही हैं, तो स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही है। साथ ही, आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन का यह आयोजन रोजगार सृजन और कारीगरी के विकास को भी प्रोत्साहित करती है।

प्रफुल राणावत
स्वर्ण शिल्प चेन्स

ज्वेलरी इंडस्ट्री में आईआईजेएस से आगे बढ़ने का अवसर

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में भाग लेने के बाद हर ज्वेलर में एक विशेष प्रकार के आत्म विश्वास का संचार होता है। हर ज्वेलर को आईआजेएस में सहभागी होने के बाद यह जल्दी समझ में आता है कि कारोबार को बेहद आऐसानी से कई तरह से बढ़ाया जा सकता हैं। पिछले 40 साल से हम देख रहे हैं कि आईआईजेएस सबसे पहले, ये खरीदारों और विक्रेताओं को एक मंच पर लाती हैं, जिससे सीधे व्यापारिक सौदे संभव होते हैं, साथ ही नए व्यावसायिक रिश्ते भी विकसित होते हैं। यह शो छोटे और मध्यम ज्वेलर्स को वैश्विक खरीदारों से जोड़ता है, जिससे निर्यात भी बढ़ता है।

विनोद वडाला
वि चेन्स

आईआईजेएस है इंडस्ट्री से जुड़े हर बिजनेस का मंच

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन हर साल दुनिया भर के 50 हजार से ज्यादा ज्वेलरी बिजनेस से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाती है। इसके अलावा, यह शो लैब-ग्रोन डायमंड्स और डिजिटल तकनीक जैसे नए रुझानों को बढ़ावा देता है। आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन के सेमिनार और वर्कशॉप उद्यमियों को कौशल और ज्ञान प्रदान करती हैं, जिससे ज्वेलरी उद्योग की प्रतिष्ठा दुनिया भर में बढ़ रही है। यह शो सरकार की नीतियों के साथ मिलकर ज्वेलरी उद्योग को समर्थन देता है, जिससे भारत का आर्थिक योगदान बढ़ता है।

विक्रम जैन
कनकरत्न

ज्वेलरी बिजनेस के विकास का द्वार है आईआईजेएस

भारतीय ज्वेलरी उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस प्रकार, आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलरी बिजनेस के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखा जा रहा है। यह शो भारतीय कारीगरी, नई डिजाइंस, और ज्वेलरी की गुणवत्ता को दुनिया के सामने लाता है। जीजेईपीसी के नेतृत्व में, आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन ने भारत को ज्वेलरी निर्यात में अग्रणी बनाया है, तथा विशेष रूप से डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के क्षेत्र में भारत का नाम काफी ऊंचा किया है।

प्रकाश कागरेचा
चेन्स कॉर्नर

व्यवसाय के विकास में आईआईजेएस का सहयोग

मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी, ज्वेलरी उद्योग का एक प्रमुख केंद्र है। यहां के ज्वेलर्स के लिए इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो आर्थात आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन एक महत्वपूर्ण मंच है। यह आयोजन न केवल नवीनतम डिज़ाइनों और रुझानों को प्रदर्शित करता है, बल्कि व्यापारिक अवसरों को भी बढ़ाता है। मुंबई के ज्वेलर्स को इस आयोजन से नई डिज़ाइनों, तकनीकों और बाज़ार की मांगों की गहरी समझ मिलती है। यह शो उन्हें बड़े खरीदारों, अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं से जोड़ता है, जो उनके व्यवसाय को विस्तार देने में मदद करता है।

किरण खांटेड
राज ज्वेलर्स

नेटवर्क बढ़ाता है आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में भाग लेने से ज्वेलर्स को अपने ब्रांड की पहचान बनाने और बाज़ार में अपनी स्थिति मजबूत करने का अवसर मिलता है। यह आयोजन व्यापारिक विकास के नए द्वार खोलता है और ज्वेलरी की गुणवत्ता को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करता है, जिससे मुंबई के ज्वेलर्स को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रहने की प्रेरणा मिलती है। इस मंच पर नेटवर्किंग और साझेदारियों के माध्यम से वे नए बाज़ारों में प्रवेश कर सकते हैं। कुल मिलाकर, आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन मुंबई के ज्वेलर्स के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो हमारी व्यावसायिक महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में सहायक है।

दिनेश जैन
समृद्धि ज्वेलक्राफ्ट प्रा.लि.

ज्वेलर्स का कस्टमर बेस विकसित करता है आईआईजेएस

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में स्टॉल प्राप्त करना किसी भी ज्वेलर के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है। क्योंकि यह न केवल हमारे व्यवसाय की विश्वसनीयता को दर्शाता है, बल्कि हमें व्यापक स्तर पर कस्टमर बेस विकसित करने तथा नए कस्टमर्स तक पहुंचने का मौका भी देता है। आईआईजेएस में स्टॉल मिलने से ज्वेलर्स अपने उत्पादों को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित कर सकते हैं, जिससे बिक्री और ब्रांड जागरूकता बढ़ती है। इस आयोजन में देश-विदेश से आए खरीदारों और व्यापारियों के साथ सीधा संपर्क स्थापित होता है, जो दीर्घकालिक व्यापारिक संबंधों की नींव रखता है।

डॉ आनंदकुमार गुप्ता
हरीप्रिया ज्वेल्स, मुजफ्फरपुर

KR
KANAKRATNA
18KT EXCLUSIVE GOLD JEWELLERY
Pioneers In 18kt Exclusive Gold Jewellery Designs
IIJS INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE 2025
HALL No : 3
Stall No : 3M-372A
31st JUL - 04th AUG 2025
BOMBAY EXHIBITION CENTRE, (NESCO) MUMBAI
KANAKRATNA EXIM PVT. LTD.
OPP MUMBADEVI TEMPLE, 267, MUMBADEVI ROAD, GROUND FLOOR, MUMBAI - 400002
TEL. : +91 - 22 - 23453438
CONNECT : +91-9833823501 - +91-9821523600
EMAIL : kanakratna@hotmail.com
Follow Us On
App Store
Google Play

अभी और महंगा होगा गोल्ड!

अमेरिकी डॉलर से मुकाबला और ट्रंप के टैरिफ का डर

राकेश लोढ़ा

गोल्ड की चाल अब और तेज होने वाली है। दुनिया के कुछ विशेष देशों के बीच जो तनाव का वातावरण बन रहा है, विकासशील देशों में सुधार की गति धीमी होती जा रही है और जिस प्रकार का आर्थिक माहौल बनता जा रहा है, उसे देख कर साफ लग रहा है कि अगले 6 महीनो में, अर्थात इसी साल के अंत तक गोल्ड अपने अब तक के सबसे ऊंचते शिखर पर स्थापित हो सकता है। यह तय नहीं कहा जा सकता कि गोल्ड ऊपर की तरफ सवा लाख पर होगा, या 1 लाख 5 या 7 हजार, लेकिन वर्तमान हालात से यह स्पष्ट है कि गोल्ड की चाल तेज ही रहेगी और यह एक निश्चित आंकड़े पर फिक्स हो सकता है, जहां से नीचे आना संभव नहीं होगा। गोल्ड वर्ल्ड के जानकारों की राय में जो गोल्ड ज्वेलरी के बिजनेसमेन गोल्ड़ के नीचे आने का इंतजार कर रहे हैं, उनको सावधान हो जाना चाहिए तथा अपने बाजार के प्रति लगातार अपडेट रहना चाहिए और यह मान लेना चाहिए कि 1 लाख का गोल्ड के भाव अब लगभग फिक्स है तथा इससे थोड़ा बहुत नीचे आकर फिर से तेजी कपड़ना ही संभव है। दुनिया भर से सभी देश अमेरीकी डॉलर की दादागिरी को टक्कर देने की फिराक में हैं। गोल्ड खरीदी के लिए लगभग सेभी देशों के सेंट्रल बैंक दुनिया के बाजार पर नजर टिकाए हुए हैं।

भारत लगातार गोल्ड खरीदता जा रहा है, अमेरिका ने दुनिया के हर देश पर टैरिफ बढ़ाने की कमर कस ली है तथा तेल पैदा करने वाले देशों के बीच जंग जारी है। रूस और यूक्रेन का युद्ध बंद होने का नाम नहीं ले रहा, और पाकिस्तान जैसे कई देश लगातार कंगाल होते जा रहे है।

आने वाले दिनों में गोल्ड की कीमतों में और वृद्धि देखने को मिल सकती है। वैश्विक स्तर के विभिन्न विश्लेषकों और वित्तीय संस्थानों के पूर्वानुमान इस बात का संकेत दे रहे हैं। भले ही 2024 में गोल्ड ने पहले ही रिकॉर्ड स्तर छू लिया हैं, फिर भी इस साल के बाकी 6 महीनों सहित 2025 में भी तेजी का यह ट्रेंड लगातार जारी रहने की उम्मीद है।

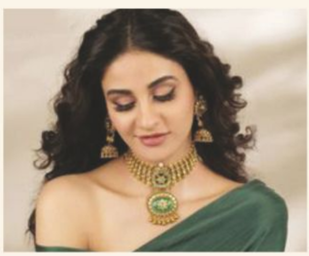

गोल्ड को सबसे बड़ा सहारा चीन से है, क्योंकि चीन गोल्ड को भविष्य का फाइनेंशियल हथियार मान रहा है। ऐसे में गोल्ड ही आखरी हथियार है, जिसके जरिए दुनिया के लगभग सभी देश अपनी अर्थव्यवस्था को सहारा दे सकते हैं। अमेरिका दुनिया के हर देश पर टैरिफ बढ़ाता जा रहा है, ऐसे में उसे सामान बेचने वाले तथा उससे खरीदने वाले देशों में भी मुद्रास्फीति बढ़ेगी, तो महंगाई भी बढ़ेगी। ऐसे में अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए, दुनिया भर के देश गोल्ड इसलिए भी खरीदते जा रहे हैं। यह खरीदी इसलिए हो रही है, क्योंकि इसके जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की दादागिरी को चक्कर देने की तैयारी के लिए खुद को हर वक्त लैस रखा जा सके।

दुनिया के ज्यादातर देश गोल्ड खरीद रहे हैं, तो चीन ने गोल्ड को भविष्य का वित्तीय सहारा मान कर अपने लोगों से गोल्ड खरीदने की अपील करना शुरू कर दिया है। चीन वैसे तो लगातार गोल्ड खरीदता रहा है, लेकिन हाल ही में एक बार फिर से चीन ने अपनी सभी सरकारी व्यावसायिक एजेंसियों को भी गोल्ड खरीदी के निर्देश दिए हैं। अमेरिका के साथ ट्रेड डील और बढ़ती महंगाई के बीच चीन ने गोल्ड खरीदने का एक नया रास्ता चुना है। इसे इमेरीकी डॉलर की जगह गोल्ड और अपनी करेंसी युआन को ताकतवर बनाने के एक बड़ा गेम माना जा रहा है। गोल्ड मार्केट के इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स मान रहे हैं कि दुनिया में गोल्ड अब सिर्फ शादी-ब्याह पर देने तथा ज्वेलरी के रूप में पहनने की चीज नहीं रहा। दुनिया भर के लगभग सभी देशों में इसे अगली सदी का फाइनेंशियल कवच माना जा रहा है। वैसे देखा जाए, तो किसी भी व्यक्तिगत परिवार से लेकर देशों तक की अर्थव्यवस्था को सम्हालने में गोल्ड ही एक आधारभूत सहारा बना रहा है। दुनिया भर के देशों के बीच जो वर्तमान हालात दिखाई दे रहे हैं, अगर यही हालात आने वाले कुछ और वर्षों तक बनते- बिगड़ते रहे, तो गोल्ड की चमक और भी उस स्तर तक तेज हो सकती है, जिसके बारे में अनुमान लगाना भी संभव नहीं होगा। वैश्विक स्तर पर गोल्ड मार्केट्स की स्टड़ी करने वालों की एक तथ्यात्मक रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में गोल्ड अपनी चमक को और निखारेगा तथा गोल्ड में

निवेश करने वाले देशों की ही भविष्य उज्ज्वल माना जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए चीन अब अपने नागरिकों को गोल्ड रखने के लिए प्रेरित कर रहा है, युद्ध के हालात झेलने के बावजूद रूस गोल्ड खरीदता जा रहा है, तो यूक्रेन की सरकार भी गोल्ड का अपना भंडार सजेह कर रख रही हैं। भारत सरकार भी लगातार गोल्ड की तरफ ध्यान दे रही है तथा लगभग सभी देश मान रहे हैं कि गोल्ड का भविष्य उज्ज्वल है, इसी कारण थाइलैंड, पाकिस्तान, बांग्लेदेश, नेपाल, बर्मा, सिंगापोर, तुर्की, जैसे छोटे छोटे देशों के साथ साथ यूरोप के लगभग सभी देश गोल्ड की खरीदी पर निकले हुए हैं। चीन की तो सरकार ही खुद लोगों को कह रही है कि वे गोल्ड खरीदें। भारत भी गोल्ड खरीदी की राह पर है। ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी से पैदा होने वाले संभावित खतरे से दुनिया भर के देश केवल गोल्ड को ही बचाव का हथियार मान रहे हैं।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में वैश्विक गोल्ड की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। इसमें केंद्रीय बैंकों और निवेश मांग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विश्व के विभिन्न देशों के कुल केंद्रीय बैंकों की खरीद का आंकड़ा देखा जाए, तो 2024 में बीते पांच महीनो में केंद्रीय बैंकों ने लगातार तीसरे वर्ष 1,000 टन से अधिक सोना खरीदा, इस साल कुल 1,045 टन खरीदी पहुंच गई है। जिसमें, प्रमुख खरीददार देशों की बात की जाए, तो पोलैंड का नेशनल बैंक ऑफ पोलैंड 2024 में गोल्ड का सबसे बड़ा खरीदार रहा, जिसने 89.54 टन गोल्ड खरीदा, जिससे इसका कुल भंडार 448.2 टन हो गया। तुर्की के सेंट्रल बैंक ऑफ तुर्की ने 2024 में 74.79 टन सोना खरीदा, जिससे इसका कुल भंडार 595.4 टन हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2024 में 72.6 टन सोना खरीदा, जिससे इसका कुल भंडार 876.2 टन तक पहुंच गया। चीन ने 2024 में 44.17 टन सोना खरीदा, जिससे इसका सार्वजनिक रूप से घोषित कुल भंडार 2,279.56 टन हो गया। हालांकि, चीन पहले सबसे बड़ा खरीदार हुआ करता था, लेकिन 2024 में इसकी खरीदी थोड़ी धीमी रही, मगर अब इस धीमी खरीदी को बढ़ाने की तैयारी में है। अन्य प्रमुख खरीदार अजरबैजान, चेक और इराक ने भी 20 टन या उससे अधिक सोना खरीदा। गोल्ड की बिक्री भी हो रही है, इसी क्रम में, कजाकिस्तान के नाम 10.18 टन, सिंगापुर के हिस्से में 10.08 टन और थाईलैंड के खाते 9.64 टन गोल्ड गिना जा रहा है।

दर्शन चौहान
स्काय गोल्ड एण्ड डायमंड्स

गोल्ड के रेट 1 लाख रूपए के आसपास है, लेकिन यहां से भी बढ़ना तय है, क्योंकि दुनिया के सभी देश गोल्ड खरीद रहे है। इसका असर ये है कि साल भर में गोल्ड की खपत भी बहुत बढ़ गई। इसी साल केवल 6 महीनो में ही 1 हजार टन गोल्ड खरीदे जाने से रेट तेज हुए हैं।

दुनिया भर के विभिन्न देश लगातार बड़ी मात्रा में गोल्ड खरीद रहे हैं ताकि वे अपने विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए अर्थव्यवस्था में संतुलन ला सकें और वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में डॉलर पर अपनी निर्भरता कम कर सकें। यह स्थिति गोल्ड में तेजी को महत्वपूर्ण बना रही है। गोल्ड के मामले में विभिन्न प्रमुख की रिपोर्टस भी इसकी पुष्टि करती है।

हालांकि, इस साल के शुरूआती दौर में अमेरिका, जर्मनी, इटली और फ्रांस ने 2024 में अपने गोल्ड के भंडार में कोई बहुत बड़ा बदलाव दर्ज नहीं किया है, किन छिटपुट खरीदी जारी है। माना जा रहा है कि चीन की तरह ही हर साल ये देश भी साल के दूसरे भाग में गोल्ड़ खरीदते रहे हैं, सो बचे हुए छह महीनों में इन देशों की भी खरीदी खुलेगी। निवेश और ज्वेलरी की डिमांड के मामले में गोल्ड को देखें, तो इसकी वैश्विक निवेश मांग 2024 में बढ़ी है। वैश्विक गोल्ड में निवेश मांग 25 प्रतिशत बढ़कर 1,180 टन हो गई, जो पिछले चार साल का उच्चतम स्तर है। इसमें गोल्ड ईटीएफ की मांग में जेत बदलाव देखा गया है। भारत में सोने में निवेश 2024 में मूल्य के हिसाब से 60 प्रतिशत बढ़कर लगभग गोल्ड लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। भारत में वजन के तौर पर गोल्ड के निवेश में देखें, तो कुल निवेश मांग 239 टन रही। जबकि न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में, ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड की डिमांड में ऑल टाइम हाई रेट्स के कारण थोड़ी कमी आई, वैश्विक स्तर पर यह 11 प्रतिशत घटकर 1,877 टन हो गई। चीन में भी गोल्ड ज्वेलरी की मांग में 24 प्रतिशत की कमी देखी गई, जबकि भारत में यह केवल 12 प्रतिशत कम हुई। गोल्ड बार और गोल्ड कॉइन की मांग 2023 के स्तर पर ही रही, जो 1,186 टन थी। गोल्ड बार और कॉइन के शीर्ष 10 बाजारों में मुख्य चीन (336.2 टन), भारत (239.4 टन) और तुर्की (112.2 टन) शामिल थे। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में गोल्ड की डिमांड में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 326 टन तक पहुंच गई, मुख्य रूप से एआई और इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग किए जाने वाले गोल्ड की खरीदी की मात्रा में वृद्धि के कारण।

दुनिया भर में गोल्ड मार्केट की स्टड़ी करने वाले वित्तीय संस्थानों सहित वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल और अन्य गोल्ड रिसर्च रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा गोल्ड की खरीद 2025 में भी मजबूत रहने की उम्मीद है। वैश्विक हालात यदि वर्तमान जैसे ही रहे, तो गोल्ड की यह डिमांड संभवतः 1200 टन से भी अधिक तक जा सकती है। आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के कारण गोल्ड को एक बेहद सुरक्षित निवेश के रूप में देखा जा रहा है, जिससे इसकी मांग में वृद्धि जारी रहने की संभावना है, तो निश्चित तौर पर इसके रेट्स भी बढ़ेंगे। हालांकि, कुछ लोग यह भी मान रहे हैं कि गोल्ड के ऑल टाइम हाई रेट्स ज्वेलरी सेक्टर में गोल्ड की डिमांड पर दबाव डाल सकते हैं। लेकिन, 2024 में विभिन्न देशों ने बड़ी मात्रा में गोल्ड खरीदा, खासकर केंद्रीय बैंकों ने अपने आर्थिक भंडार को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया है। तो, 2025 में भी सरकारों की यही प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। ऐसे में गोल्ड के रेट और बढ़ना बहुत हद तक तय है, भले ही बढ़ती कीमतें ज्वेलरी सेक्टर में गोल्ड की खपत को प्रभावित कर सकती हैं। मगर, कुल मिलाकर, रेट बढ़ना निश्चित है।

अमीत मुणोत
मुणोत ऑर्नामेंट्स

एक अनुमान है कि भारत में सरकार को छोड़कर सामान्य लोगों के पास करीब 25 हजार टन गोल्ड हैं, लेकिन यह ज्यादातर ज्वेलरी फॉर्मेट में है। फिर भी भारत में सामान्य लोग लगातार गोल्ड खरीदते जा रहे हैं, तो फिर गोल्ड की कीमतों में किसी भी हाल में तेजी तो आना निश्चित है।

महेन्द्र राणावत
ब्रह्मांड

ग्लोबल स्तर पर गोल्ड 3450 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गया है, और एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच युद्ध तथा राजनीतिक हालात अगर ऐसे ही रहे, ड्रॉलर से जंग जारी रही, तो ये 3550 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर तक जा भी सकता है।

किरण लोढ़ा
वियरा सीझेड ज्वेलरी

गोल्ड में मजबूती साफ दिख रही है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विभिन्न देशों के आयात पर हाई टैरिफ लगाने और उसके डॉलर की बढ़ती वैश्विक ताकत के खिलाफ विभिन्न देशों में की अर्थव्यवस्था डगमगाने का डर बना हुआ है, जिसे केवल गोल्ड ही कंट्रोल कर सकता है।

CHAINS® CORNER
JEWELLERY (I) PVT. LTD.

BRAND

CHAINORY

Crafted Connections, Timeless Impressions

(P)+91 - 022 - 2341 5650, 2344 0637 (M)+91 - 99872 20006 / 90048 20006 / 99871 20006

Bracelet | Chains | Malas | Rings | Frames | Gents Kada | Pendents | Straps | Lifestyle Products

Visit us at
iijs
INDIA
INTERNATIONAL
JEWELLERY SHOW
PREMIERE - 2025
31st July - 4th August-2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai
Hall No - 1
Stall No-1D 102B
POOJA JEWELLERS
Kiran Jain - +91 98920 11285 | Niraj Jain - +91 93205 61026
501/502, 5th Floor, Jewel Crown, Opp Dagina Bazar,
Near Pydhonie, Tambakanta Road.

RAJ JEWELLERS

REET
CZ JEWELLERY

kiranraj1111@gmail.com
+91 98216 80168

RETI®
MOUNTING JEWELLERY

retimounting@gmail.com
+91 82912 79021

REVAJ
ANTIQUE JEWELLERY

raj.ethnicgold@yahoo.com
+91 99307 96231

RAJ JEWELLERS

Why Work With Us?

25+ Years of Legacy:
Established presence in the jewellery industry with over **two and a half decades of expertise** and trust.

Multiple In-House Brands:
Each brand operates with a dedicated production unit, ensuring **distinct design language** and focus.

Large-Scale Workforce:
Robust in-house operations team comprising **skilled professionals** across departments.

Manufacturing Facility:
State-of-the-art production infrastructure equipped with modern technology.

High Production Capacity:
Capable of manufacturing jewellery to meet **large-scale market demands.**

iiJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

HALL NO: 04
STALL NO: 484A

31ST JULY - 4TH AUGUST, 2025
BOMBAY EXHIBITION CENTRE, MUMBAI

www.rajjewellersmumbai.com
@rajjewellersmumbai

आइआइजेएस है इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री की आत्मा

निरंजन परिहार

> आइआइजेएस केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि एक मंच है जो इंडियन ज्वेलरी डिजाइन, ज्वनेलरी प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देता है। ज्वेलर्स खुश इसलिए हैं, क्योंकि इस आयोजन को वे बिजनेस के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखते हैं।

आइआइजेएस प्रीमियर हो रहा है। गोल्ड की कीमतें एक लाख रुपये के पार हैं। बाजार में ग्राहक कम है और ज्वेलरी की बिक्री में गिरावट है। इन सबके बावजूद ज्वेलर खुश हैं। बुलियन कारोबारी भी बिजनेस की बढ़ोतरी को लेकर आश्वस्त हैं। क्योंकि आइआइजेएस हो रहा है। बाजार को यह खुशी देन है, द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) की। जीजेईपीसी हर साल आइआइजेएस प्रीमियर का आयोजन करती है। इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री का यह सबसे बड़ा शो है और दुनिया भर में ज्वेलरी उद्योग का दूसरा सबसे बड़ा एग्जीबिशन। हम जानते हैं कि आइआइजेएस इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री को विश्व का बेताज बादशाह बनाने की सफल कोशिश का प्रतीक है। आइआइजेएस केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि एक मंच है जो इंडियन ज्वेलरी डिजाइन, ज्वनेलरी प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देता है। ज्वेलर्स खुश इसलिए हैं, क्योंकि इस आयोजन को वे बिजनेस के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखते हैं। आइआजेएस में वे नए ग्राहकों से जुड़ते हैं। नवीनतम डिजाइनों का प्रदर्शन करते हैं और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाते हैं। यह आयोजन मौजूदा चुनौतियों के बावजूद ज्वेलरी उद्योग में एक नई ऊर्जा का संचार करता है। आइआइजेएस साल दर साल अपनी कोशिशों से इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री को दृढ़ता और विश्वास के साथ आगे बढ़ाने के लिए तैयार करता है।

दुनिया भर में भारतीय ज्वेलरी की धमक

मैं कई देशों में गया। अपनी विदेश यात्राओं के दौरान मुझे हर जगह इंडियान ज्वेलरी देखनो को मिली। लंदन, एडिनबर्ग, ग्लासगो, सिंगापुर, सिडनी, मेलबर्न, एडिलेड, ब्रिसबेन, बैंकॉक, क्वालालंपुर, दुबई, शारजाह, आबूधाबी जैसे कई प्रमुख शहरों में ज्वेलरी के बड़े-बड़े शोरूम देखे। इन शोरूम्स में भारतीय ज्वेलरी को सजे हुए देखना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा है। वहां के स्थानीय लोगों को जड़ाऊ, कुंदन, टेंपल, मीनाकारी, नवरत्न, थेवा और एंटिक ज्वेलरी खरीदते देखना एक खास अनुभव रहा है। यह सब जीजेईपीसी की कोशिशों का कमाल है। भारतीय कारीगरों की कलात्मकता और बेहद महीन डिजाइनिंग की क्षमता ने हमारी ज्वेलरी को दुनिया भर में एक अनूठी पहचान दिलाई है। ट्रेडिशनल इंडियन ज्वेलरी, अपनी महीन कारीगरी और कल्चरल महत्व के साथ, विदेशी ग्राहकों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय है। जीजेईपीसी ने भारतीय ज्वेलरी निर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने और भारतीय विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के अवसर देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दुनया भर के कई देशों में की यात्रा के दौरान यह अनुभव हुआ कि जीजेईपीसी की कोशिशों से इंडियन ज्वेलरी वैश्विक फैशन और लाइफस्टाइल का एक अभिन्न अंग बन गई है।

जीजेईपीसी की कोशिशों से बढ़ा ज्वेलरी निर्यात

आइआइजेएस प्रीमियर का आयोजन जीजेईपीसी द्वारा किया जाता है, और यह कोशिश इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री के विकास में जबरदस्त सहायक साबित हो रही है। हर साल दुनिया के विभिन्न देशों से ज्वेलरी व्यवसाय से जुड़े लोग आइआइजेएस में हिस्सा लेने के लिए भारत आते हैं, और इस बार भी ऐसा ही हुआ है। इंडियन ज्वेलरी दुनिया भर में पहुंच रही है, खासकर पारंपरिक भारतीय ज्वेलरी को दुनिया भर में पसंद किया जा रहा है। ज्वेलरी निर्माता नए-नए डिजाइन बना रहे हैं, जो आधुनिक रुझानों और पारंपरिक कला को जोड़ते हैं। जीजेईपीसी की कोशिशों से साल दर साल दुनिया के विभिन्न देशों में इंडियन ज्वेलरी का निर्यात बढ़ रहा है। जीजेईपीसी ने न केवल भारतीय ज्वेलरी को बढ़ावा देने के लिए व्यापार मेले आयोजित किए हैं, बल्कि इसने अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ भारतीय निर्माताओं के लिए नेटवर्किंग के अवसर भी प्रदान किए हैं। इसके अलावा, जीजेईपीसी ने गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और भारतीय ज्वेलरी की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए भी काम किया है, जिससे वैश्विक बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। यह संगठन इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्रीको वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में एक महत्वपूर्ण स्तंभ साबित हुआ है।

आइआइजेएस है ज्वेलरी इंडस्ट्री की आत्मा

मूलतः मीडिया से जुड़ा होने के बावजूद ज्वेलरी और बुलियन व्यवसाय से मेरा जुड़ाव लगभग दो दशक से है। हालांकि अब भले ही हमारे बुलियन बिजनेस में अनीश मेहता मेरे साथी हैं, लेकिन सन 2006 में मैंने पहली बार गोल्ड बिजनेस में कदम रखा, तो गोल्ड बिजनेस की बारीकियां हमारे मित्र राजेश रूपावत और यशपाल जैन ने सिखाई। मीडिया में राष्ट्रीय स्तर पर मेरा नाम और प्रतिष्ठा होने के बावजूद उनको मुझे यह सब सिखाने और मुझे उनसे सीखने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई, क्योंकि हम बचपन के साथी रहे हैं। ज्वेलरी व्यवसाय की बारीकियां जानने - समझने के बाद ही मैंने आइआइजेएस की खूबियों और ज्वेलरी व्यवसाय की वृद्धि में जीजेईपीसी के महत्वपूर्ण योगदान को जाना। इससे पहले मेरे लिए आइआइजेएस केवल एक बिजनेस इवेंट से ज्यादा कुछ नहीं था। इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि कैसे जीजेईपीसी जैसा एक संगठन, किसी उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। मेरे मित्रों ने मुझे न केवल व्यवसाय के सिद्धांतों से अवगत कराया, बल्कि मुझे इस उद्योग की गहरी समझ भी दी, जिससे मैं जीजेईपीसी के प्रयासों को और भी अधिक गहराई से समझ सका। मैं कह सकता हूं कि कि आइआइजेएस सिर्फ एक एग्जिबिशन नहीं, बल्कि इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री की आत्मा है।

ज्वेलरी बिजनेस का वैश्विक विकास

आइआइजेएस की सबसे बड़ी ताकत यह है कि यह आयोजन ज्वेलरी व्यवसाय को जबरदस्त शक्ति प्रदान कर रहा है। जीजेईपीसी ज्वेलरी निर्माताओं, विक्रेताओं, खरीदारों, डिजाइनरों, बुलियन विक्रेताओं, निर्यातकों व ज्वेल री बिजनेस से जुड़े सभी सहयोगी व्यापारिक संस्थानों को एक मंच पर लाती है, उनके लिए दुनिया भर से ग्राहकों को आमंत्रित करती है और सरकार के साथ मिलकर व्यापार के विकास के लिए रास्ते भी खोलती है। यह आयोजन प्रत्येक ज्वेलर को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां भारतीय ज्वेलर्स अपने उत्पादों को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रदर्शित कर सकते हैं, नए व्यापारिक संबंध बना सकते हैं, और नवीनतम बाजार रुझानों को समझ सकते हैं। जीजेईपीसी की सक्रिय भूमिका ने इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान दिलाने में मदद की है। आइआइजेएस प्रीमियर केवल एक व्यापारिक मेला नहीं, बल्कि एक ऐसा माध्यम है जो इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में लगातार नए प्रयास करता है। बीते कुछ सालों में हम देख रहे हैं कि इंडियन ज्वेलरी इंडस्ट्री वैश्विक स्तर पर और भी अधिक प्रतिस्पर्धी और प्रभावशाली बन रही है। आइआइजेएस भारतीय ज्वेलरी डिजाइनरों व कारीगरों की कला और कौशल को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने का माध्यम भी है, जिससे न केवल आर्थिक विकास हो रहा है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत भी दुनिया भर में प्रतिष्ठित हो रही है।

■■■

कुछ सफल तथा दिग्गज ज्वेलर्स के आईआईजेएस पर विचार

दुनिया भर के सामने प्रस्तुति का अवसर है आईआईजेएस

मनिष जैन
रॉयल चेन

आईआजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन को जबरदस्त रिस्पॉस मिल रहा है। इस बार यह आईआईजेएस का 41वां संस्करण है। इस ज्वेलरी शो में स्टॉल मिलना ही अपने आप में एक व्यापारिक सफलता की गारंटी बनता जा रहा है, इसी कारण आजकल स्टॉल्स मिलना थोड़ा सा मुश्किल हो गया है। आईआईजेएस के माध्यम से प्रत्येक छोटे - बड़े ज्वेलर्स अपने बेहतरीन एवं अनूठे ज्वेलरी डिज़ाइनों और शिल्प कौशल को बहुत ही आसानी से दुनिया के सामने प्रदर्शित कर सकते हैं, तथा इसी कारण हर ज्वेलर को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बाज़ार में अलग पहचान मिलती है।

लगातार अपडेट रहने का अवसर देता है आईआईजेएस

डॉ चेतन मेहता
लक्ष्मी डायमंड

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में स्टॉल मिलना किसी भी ज्वेलर्स की पहला ख्वाब बन गया है। जीजेईपीसे ने आईआईजेएस का डिजाइन ही ऐसा तैयार किया है कि इसमें सहभागी प्रत्येक ज्वेलर को वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी उद्योग के नवीनतम रुझानों और तकनीकों से मुंबई में बैठे लगातार अपडेट रहने का अवसर मिलता है। यह मंच न केवल ज्वेलरी की बिक्री बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि देश विदेश के नए साझेदारों को भी जोड़ता है। इस तरह, आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में सफलता की गारंटी के समान बन गया है।

ज्लेवर्स के लिए आईआईजेएस एक अभिनव पहल

संजय सुराणा
आराधना ज्वेलर्स

देश के प्रत्येक ज्वेलर के दिल में आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन ने एक नई उम्मीद जगाई है, यह उम्मीद इसलिए है, क्योंकि ज्वेलर्स के स्टोर्स खाली पड़े हैं तथा ग्राहकी की चिंता हैं। ऐसे में आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन का 41वां संस्करण हमारे लिए एक अभिनव पहल साबित हो सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करके, कारोबार तो अच्छा - खासा होता ही है। हालांकि, गोल्ड और सिल्वर दोनों ने अपनी चमक लगातार बनाए रखी है। फिर भी महंगाई के दौर में भी अनेक देशों से ज्वेलर्स आईआईजेएस में आ रहे हैं, तो उम्मीद तो है ही।

गोल्ड और सिल्वर की महंगाई में आईआईजेएस से उम्मीद

मंगेश चौहान
स्काय गोल्ड एण्ड डायमंड्स

इतिहास गवाह है कि गोल्ड की कीमतें में भले ही आसमान छूने की तरफ बढ़ रही हों, लेकिन मुंबई में हर साल होने वाली आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन हर स्तर के ज्वेलर को उसके माल के अनुरूप ग्राहक देने में सफल रही है। फिलहाल गोल्ड 1 लाख के आस पास चल रहा है, तथा, लंबी अवधि में इसके सस्ता होने की कोई गारंटी नहीं है, अतः आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में आने वाले प्रत्येक ज्वेलर के दिमाग में यह बात फिट है कि व्यापार तो चलेगा। इसीलिए, आईआईजेएस से सभी को बहुत उम्मीद है।

हर ज्वेलर के लिए आईआईजेएस एक महत्वपूर्ण अवसर

रमण सोलंकी
संगम हाऊस ऑफ ज्वेल्स

जीजेईपीसी द्वारा हर साल मुंबई में आयोजित किये जाने वाले दुनिया में ज्वेलरी बिजनेस के दूसरे सबसे बड़े बिजनेस फेयर, आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन को ज्वेलरी मार्केट के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप मे देखा जाता है। खासकर आर्थिक अनिश्चितता के समय में, देश के ज्यादातर ज्वेलर्स इसे एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखते हैं, न कि सिर्फ एक सामान्य एग्जिबशन के रूप में, क्योंकि साल दर साल गोल्ड व सिल्वर सहित डायमंड महंगे होते जा रहे हैं, लेकिन आईआईजेएस एग्जिबिशन ने बाजार के व्यापारिक विकास के साधन तैयार किए हैं।

ज्वेलरी इंडस्ट्री में आईआईजेएस की जबरदस्त प्रतिष्ठा

मनोज जैन
शांती गोल्ड इंटरनेशनल

मुंबई में आयोजित हो रहा आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन एक आकर्षक ज्वेलरी शो नहीं है, बल्कि इसकी ज्वेलरी इंडस्ट्री में जबरदस्त प्रतिष्ठा इसलिए है, क्योंकि हर हालात में यह शो बाजार को मजबूती देने में कामयाब रहा है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां भले ही गोल्ड और सिल्वर की कीमतों को ऊपर की ओर ले जा रही हों, लेकिन आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन अपनी हर ताकत से इस दौर को साइडलाइन करके ज्वेलरी बिजनेस को गति देने में कामयाब रहेगा, यह मेरा पक्का विश्वास है।

सबको विकास के अवसर मिलते है आईआईजेएस में

राज पुनमिया
दिनतारा ज्वेल्स

ज्वेलरी बिजनेस के विकास में इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो - आईआईजेएस भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का एक प्रमुख व्यावसायिक मंच है। आईआईजेएस देश भर के ज्वेलर्स को अपने नवीनतम डिज़ाइन, शिल्प कौशल और व्यापार करने के नए नए तरीकों को प्रदर्शित करने व दूसरे बिजनेसमैन को समझने का अवसर प्रदान करता है. यह निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को एक छत के नीचे लाता है, जिससे नेटवर्किंग, व्यापार और साझेदारी के नए रास्ते खुलते हैं।

स्वर्णशिल्प चेन्स

गोल्ड चेन्स में भारत के बड़े चेन मेकर्स

बाजार में साख उसी की बनती है, जिसकी क्वालिटी, फिनिशिंग और वेरायटी में दम हो। स्वर्णशिल्प चेन्स एंड ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड के अरविंद राणावत और उनके छोटे भाई प्रफूल राणावत ने बाजार के इस तथ्य को बहुत गहरे से काफी पहले से ही समझ लिया था। इसीलिए उन्होंने पूरी मेहनत, ईमानदारी और क्षमता को अपनी ज्वेलरी की क्वालिटी, फिनिशिंग और वेरायटी को समर्पित कर दिया। और आज उसी का परिणाम है कि गोल्ड चेन्स के मामले में स्वर्णशिल्प भारत में नंबर वन है। अत्यंत आकर्षक, बेहद लुभावने और गरिमामयी किसी महल जैसे इस शो रूम ने स्वर्णशिल्प की ब्रांडिंग को और मजबूती प्रदान की है। स्वर्णशिल्प भारत के बड़े गोल्ड चेन मेकर्स हैं। स्वर्णशिल्प चेन्स एंड ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड अपने प्रोडक्ट की फिनिशिंग, वैरायटी, क्वालिटी एवं रेडी स्टॉक के साथ सर्विस के मामले में देश में नंबर वन है। इसके साथ ही किसी भी समय गोल्ड चेन के 6000 से भी ज्यादा डिजाइन की उपलब्धता व डिलीवरी की क्षमता स्वर्णशिल्प को ज्वेलरी की अन्य कंपनियों के मुकाबले ज्यादा ऊंचे स्थान पर बिठाती है। 18 कैरेट गोल्ड चेन स्वर्णशिल्प की नई स्पेशियलिटी है, जिसे दुनिया के विभिन्न देशों में एक्सपोर्ट

प्रफुल राणावत

खुशबू राणावत

नोविल राणावत

18 कैरेट गोल्ड चेन स्वर्णशिल्प की नई स्पेशियलिटी है, जिसे दुनिया के विभिन्न देशों में एक्सपोर्ट किया जा रहा है। चेन्स में अपार सफलता के बाद आपने सी जेड ज्वेलरी में कदम रखा हैं। उनके द्वारा निर्मित सी जेड ज्वेलरी की भी भारी मांग हैं। कास्टिंग ज्वेलरी में स्वर्णशिल्प के पास कई अनगिनत ज्वेलरी उपलब्ध हैं।

किया जा रहा है। चेन्स में अपार सफलता के बाद आपने सी जेड ज्वेलरी में कदम रखा हैं। उनके द्वारा निर्मित सी जेड ज्वेलरी की भी भारी मांग हैं। कास्टिंग ज्वेलरी में स्वर्णशिल्प के पास कई अनगिनत ज्वेलरी उपलब्ध हैं। करीब 5 हजार से भी ज्यादा डिजाइंस कोई आसान खेल नहीं है। इससे ज्यादा किसी की भी क्या पसंद होगी ! स्वर्णशिल्प की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इतनी बड़ी संख्या में हर किस्म की हर वेरायटी में हर तरह की गोल्ड चेन, मंगलसूत्र, कास्टिंग ज्वेलरी यहां उपलब्ध है। यहां आनेवाला कोई भी गोल्ड ज्वेलरी का ग्राहक कभी खाली नहीं जाता। यही नहीं, गोल्ड चेन्स के 5 हजार से भी ज्यादा डिजाइंस में और नंबर बढ़ाने के लिए लगातार इनोवेटिव डेवलपमेंट और क्वालिटी की मजबूती बनाए रखने के मामले में भी स्वर्णशिल्प बेहद सतर्क है। इसी कारण देश भर में ही नहीं विदेशों में भी स्वर्णशिल्प की ब्रांड वेल्यू लगातार बढ़ती जा रही है। देश के ज्वेलरी बाजार की सबसे प्रमुख संस्था जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजडेइपीसी), जीजेसी, आई बीजेए में स्वर्णशिल्प चेन्स एंड ज्वेलरी प्राइवेट लिमिटेड सदस्य है। स्वर्णशिल्प को मिले अनगिनत बिजनेस अवॉर्ड्स उसकी व्यावसायिक महत्ता और बाजार में उसकी मजबूत साख के गवाह हैं। तो, स्वर्णशिल्प के संचालक राणावत परिवार को मिले कई सामाजिक सम्मान इस बात की गवाही देते है कि वे जितने कुशल बिजनेसमेन हैं, उतने ही सामाजिक तौर पर भी सक्रिय हैं। 3 वर्ष पूर्व स्वर्णशिल्प चेन ने मंगलसूत्र बनाने में भी कदम रखा है। और अब कास्टिंग ज्वेलरी में भी कदम रख लिया है। अभी आपको स्वर्णशिल्प चेन में सभी तरह की ज्वेलरी उपलब्ध हो जायेगी। कुछ वर्ष पूर्व राणावत परिवार के युवा खुशबू राणावत, नोविल राणावत भी स्वर्णशिल्प मे ज्वाइन हुए और अपनी लगन और मेहनत से कंपनी को नई ऊंचाईयां प्रदान कर रहे हैं। खुशबू राणावत पहली महिला है जो देश मे ज्वेलरी इंडस्ट्रीज की सबसे बडी संस्था जीजेइपीसी की वेस्टर्न रीजनल की चेयरपर्सन है। समाज के हर कार्य में हमेशा अग्रणी रहा राणावत परिवार अपनी व्यावसायिक साख के साथ साथ सामाजिक साख के मामले में भी काफी मजबूत है। लगातार नई संकल्पनाओं के साथ सफलता के नए आयाम स्थापित करनेवाली ज्वेलरी कंपनी स्वर्णशिल्प एक मजबूत ब्रांड के रूप में देश में स्थापित है। लेकिन हर सफलता से आगे की सफलता की तरफ वे लोग ही देखते हैं, जिनकी सोच औरों से अलग होती है। स्वर्णशिल्प के अरविंद राणावत और प्रफूल राणावत लगातार आगे बढ़ने की तरफ इसीलिए अग्रसर हैं।

Swarn Shilp®
CHAINS & JEWELLERS PVT. LTD.
An exclusive AR brand

iiJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW

18kt/20kt/22kt
Ready Stock
Available

31st JULY
to
4th AUG
2025

Stall No.:
3N 382B

Nesco, Mumbai.

Headquarter: Mumbai
Branches: Bangalore, Delhi, Chennai, Ahmedabad, Dubai

Order No.: +912244002000 | 9930822261
www.swarnshilpchains.com | Email: info@swarnshilpchains.com
H.O.: 115, 1st Floor, Bullion House, Tambkatta, Pydhonie, Mumbai - 400003

सिल्वर का भविष्य समृद्ध

क्योंकि आने वाले दिनों में सिल्वर और महंगा होगा

सिल्वर अपने ऑल टाइम हाई पर हैं और गोल्ड की तरह सिल्वर के भी तेजी से आगे बढते रहने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं। इसका खास कारण है कि गोल्ड की तरह सिल्वर भी बाजार में निवेश, उपभोग और रुझानों के लिहाज से हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। गोल्ड की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के बीच, सिल्वर एक आकर्षक विकल्प के रूप में उभर रही है। ऐसे में, वैश्विक स्तर पर सिल्वर के भविष्य, इसकी कीमतों के रुझानों, ज्वेलरी में इसकी भूमिका, खपत के मुख्य कारणों और प्रमुख खरीदी क्षेत्रों के मामले में व्यापाक विश्लेषण तथा विस्तृत अध्ययन जरूरी है, क्योंकि सिल्वर केवल गोल्ड की तरह ज्वेलरी और निवेश में ही नहीं बल्कि गोल्ड से भी ज्यादा क्षेत्रों मे इसकी खपत होती है। कई बाजार विश्लेषकों का मानना है कि 2025-26 तक सिल्वर की कीमतें भारत में 1.25 लाख रुपए प्रति किलो के पार तक भी पहुंच सकती है, और कुछ अधिक आशावादियों के पूर्वानुमान तो सिल्वर के 1.50 लाख रुपए प्रति किलो के पार तक भी जाने की बात करते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस बीच सिल्वर का बाजार अस्थिर भी हो सकता है और इसकी कीमतें वैश्विक स्तर पर राजनीतिक घटनाओं या आर्थिक झटकों से प्रभावित हो सकती हैं। लेकिन सिल्वर के प्रति ज्यादा आशावादी लोग मान रहे हैं कि जिस तरह से असकी खपत लगातार बढ़ती जा रही है, उसे देखकर इसका भविष्य गोल्ड से भी ज्यादा कमाई देने वाला माना जा रहा है। वर्ल्ड सिल्वर काउंसिल जैसे संगठन भी सिल्वर के भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, जिसमें औद्योगिक मांग को प्राथमिक चालक के रूप में देखा जाता है। पिछले कुछ महीनों में देखें, तो ज्वेलरी में सिल्वर गोल्ड का विकल्प बन रहा है, क्योंकि गोल्ड महंगा हो रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि उच्च गोल्ड की कीमतों के कारण सिल्वर ज्वेलरी बाजार में एक व्यवहार्य और बढ़ती हुई वैकल्पिक

आज हर किसी के मन में है कि सिल्वर का वैश्विक स्तर पर क्या भविष्य है? इसके साथ ही लोग जानना चाहते हैं कि आने वाले दिनों में सिल्वर और कितना महंगा होगा? हालांकि देश में सिल्वर गोल्ड का विकल्प बन रहा है, क्योंकि गोल्ड महंगा हो रहा है, तो सिल्वर भी महंगा हो रहा है।

धातु के रूप में अपनी जगह बना रही है। भारत और चीन जैसे बड़े गोल्ड की खपत वाले देशों में, जैसे-जैसे गोल्ड की कीमतें लगातार नए उच्च स्तरों को छू रही हैं, बहुत से उपभोक्ता, विशेष रूप से मध्यम आय वर्ग के, गोल्ड के ज्वेलरी खरीदने में असमर्थ हो रहे हैं। ऐसे में, सिल्वर एक आकर्षक और किफायती विकल्प के रूप में उभर रही है। क्योंकि सिल्वर गोल्ड की तुलना में काफी सस्ता है, जिससे यह आम लोगों के लिए अधिक सुलभ हो जाता है। यह उपभोक्ताओं को कम बजट में भी कीमती धातु के ज्वेलरी खरीदने की अनुमति देती है। आधुनिक सिल्वर के ज्वेलरी के डिज़ाइन काफी विविध और आकर्षक होते हैं। डिज़ाइनर नवीनतम फैशन रुझानों के अनुरूप सिल्वर में कई प्रकार के ज्वेलरी बना रहे हैं, जिनमें एंटीक, समकालीन और फ्यूजन स्टाइल शामिल हैं। यह विभिन्न अवसरों के लिए उपयुक्त होता है। कई ज्वेलरी ब्रांड अब विशेष रूप से सिल्वर के ज्वेलरी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और आकर्षक मार्केटिंग रणनीतियों का उपयोग कर रहे हैं। वे युवा और फैशन-प्रेमी उपभोक्ताओं को लक्षित कर रहे हैं जो पैसे के लिए मूल्य और स्टाइलिश विकल्पों की तलाश में हैं। हालांकि गोल्ड को पारंपरिक रूप से शुभ माना जाता है, फिर भी युवा पीढ़ी और शहरी क्षेत्रों में सिल्वर के ज्वेलरी की स्वीकार्यता बढ़ रही है। इसे अब सिर्फ एक सस्ते विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक स्टाइलिश और फैशनेबल एक्सेसरी के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ ही त्योहारों, शादियों या अन्य अवसरों पर उपहार देने के लिए भी सिल्वर के ज्वेलरी एक लोकप्रिय विकल्प बन गए हैं, खासकर जब गोल्ड का बजट सीमित हो।

गोल्ड की तरह, सिल्वर को भी आर्थिक अनिश्चितता और मुद्रास्फीति के खिलाफ एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। जब बाजार में अस्थिरता होती है, तो निवेशक अक्सर कीमती धातुओं की ओर रुख करते हैं। सिल्वर, गोल्ड की तुलना में अधिक किफायती होने के कारण, छोटे निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प हो सकती है। सिल्वर का वैश्विक स्तर पर क्या भविष्य है, यह सवाल हर किसी के जेहन में है। तो इसके जवाब में यही कहा जा सकता है कि सिल्वर का वैश्विक भविष्य काफी उज्ज्वल और बहुआयामी प्रतीत होता है। इसे अक्सर औद्योगिक धातु कहा जाता है, क्योंकि इसकी लगभग आधी से अधिक मांग औद्योगिक जरूरतों से आती है। हालांकि, यह गोल्ड की तरह एक कीमती धातु भी है और निवेश के

आज हर तरफ यही चर्चा है कि सिल्वर की खरीदी कौनसा देश कितनी कर रहा है? और ज्वेलरी में आने वाला भविष्य सिल्वर का है, यह भी कहा जा रहा है। लेकिन हर कोई जानना चाहता है कि वैश्विक स्तर पर सिल्वर की खपत के मुख्य कारण क्या है?

कान्तिलाल मेहता
सिल्वर एम्पोरियम

सिल्वर ज्वेलरी भारतीय ज्वेलरी मार्केट में एक महत्वपूर्ण और बढ़ती हुई भूमिका निभा रही है। इसके साथ ही हमारी यह भी मान्यता है कि गोल्ड की कीमतें भी उच्च बनी रहने से सिल्वर ज्वेलरी की मांग जरूर बढ़ेगी, क्योंकि सिल्वर ज्वेलरी भारत के आम लोगों की जेब को सूट करती है।

साथ-साथ ज्वेलरी में भी इसका महत्वपूर्ण स्थान है। आने वाले समय में सिल्वर की मांग कई प्रमुख कारकों से प्रेरित होने की संभावना है। मुद्रास्फीति और कमजोर डॉलर भी सिल्वर के महंगा होने का कारण बनते जा रहे हैं। यदि वैश्विक मुद्रास्फीति बनी रहती है या अमेरिकी डॉलर कमजोर होता है, तो गोल्ड की तरह, सिल्वर को भी एक महंगाई-रोधी निवेश के रूप में देखा जाएगा, जिससे इसकी कीमतें बढ़ेंगी।

सिल्वर का उपयोग सौर पैनलों में एक महत्वपूर्ण चालक है। जैसे-जैसे दुनिया अक्षय ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ रही है और सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ रहा है, सिल्वर की मांग में भी भारी वृद्धि होगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, वैश्विक सौर क्षमता तेजी से बढ़ रही है, और यह वृद्धि सीधे तौर पर सिल्वर की खपत से जुड़ी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी - स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, मोबाइल में 5जी तकनीक और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स में सिल्वर एक महत्वपूर्ण कारण है। इसकी उच्च चालकता इसे इन प्रयोगों के लिए आदर्श बनाती है। प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास के साथ, इस क्षेत्र से सिल्वर की मांग बढ़ती रहेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों अर्थात ईवी में पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन वाहनों की तुलना में अधिक सिल्वर का उपयोग होता है। ईवी बैटरी, चार्जिंग सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक घटकों में सिल्वर का प्रयोग होता है। वैश्विक स्तर पर ईवी की बिक्री में उछाल से सिल्वर की मांग को बढ़ावा मिलेगा। चिकित्सा उपकरण, जल शोधन, फोटोग्राफी, और विभिन्न केमिकल प्रोसेसिंग में भी सिल्वर का उपयोग होता है।

अब बात करते हैं कि आने वाले दिनों में सिल्वर और कितना महंगा होगा? तो यकीन मानिए कि गोल्ड की तरह, सिल्वर की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। ऐतिहासिक रूप से, गोल्ड-सिल्वर में रेट्स का अनुपात 10 ग्राम गोल्ड के बराबर 1 किलो सिल्वर का रहा है। हाल के वर्षों में, यह अनुपात अक्सर बराबरी के आसपास रहा है, जो यह दर्शाता है कि सिल्वर अभी भी उसकी वास्तविक कीमतों के मुकाबले बहुत सस्ता है। सिल्वर के अपने ऐतिहासिक औसत को देखें, तो सिल्वर की कीमतों में आने वाले दिनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल सकती है। वैश्विक स्तर पर सिल्वर की खपत के कई मुख्य कारण इसकी अनूठी भौतिक और रासायनिक गुणों में निहित हैं, जो इसे विभिन्न उद्योगों के लिए अपरिहार्य बनाते हैं। इसलिए, यह जाननने कती जरूरत है कि कौनसा देश सिल्वर की खरीदी कितनी कर रहा है। इसे जानने के लिए, सिल्वर की वैश्विक खरीदी को दो मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है, एक तो है प्राथमिक उत्पादन (खनन) और दूसरा है खपत। वर्ल्ड सिल्वर काउंसिल और खनन रिपोर्टों के अनुसार, मेक्सिको, चीन, पेरू, चिली, ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, रूस और अमेरिका सिल्वर के प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता देश हैं। मेक्सिको विश्व का सबसे बड़ा सिल्वर उत्पादक देश है। चीन भी एक महत्वपूर्ण उत्पादक देश है। पेरू भी एक बड़ा लैटिन अमेरिकी सिल्वर उत्पादक दैश है। चिली भी पेरू कू तरह ही अन्य प्रमुख लैटिन अमेरिकी सिल्वर उत्पादक देश है। ऑस्ट्रेलिया को भी एक महत्वपूर्ण सिल्वर उत्पादक देश के रूप में जाना जाता है। पोलैंड देश भी यूरोप में एक बड़ा सिल्वर उत्पादक देश के रूप में दुनिया मे विख्यात है। इनके अलावा रूस एक महत्वपूर्ण सिल्वर उत्पादक देश है, तो अमेरिका को एक मध्यम श्रेणी के सिल्वर उत्पादक के रूप में जाना जाता है। सिल्वर की खरीदी करने वाले देशों की बात करें, तो यह जानना आसान नहीं है कि कौन सा देश कितनी सिल्वर खरीदी कर रहा है, क्योंकि खपत उद्योग, ज्वेलरी, निवेश जैसै विभिन्न क्षेत्रों में फैली हुई है और यह लगातार बदलती रहती है। फिर भी चीन, अमेरिका, भारत और जापान, जर्मनी व दक्षिण कोरिया सबसे बड़े सिल्वर उपभोक्ता हैं। चीन औद्योगिक मांग और ज्वेलरी दोनों के लिए सिल्वर का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। इसकी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, सौर पैनल उत्पादन और बढ़ते उपभोक्ता बाजार के कारण इसकी खपत बहुत अधिक है। अमेरिका को प्रौद्योगिकी उद्योग, ज्वेलरी और निवेश मांग के कारण एक प्रमुख उपभोक्ता माना जाता है। भारत को देखें, तो ज्वेलरी, कलाकृतियों और निवेश के लिए सिल्वर का एक बहुत बड़ा उपभोक्ता माना जाता है। भारत में सिल्वर सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखती है। जापान को भी इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए सिल्वर का एक बड़ा उपभोक्ता माना जाता है। जर्मनी को सिल्वर के मामले में यूरोप में औद्योगिक और निवेश के लिए एक प्रमुख उपभोक्ता के रूप मे देखा जाता है। दक्षिण कोरिया शुरू से ही इलेक्ट्रॉनिक्स और उच्च तकनीक उद्योगों के कारण एक महत्वपूर्ण उपभोक्ता। ये देश कुल वैश्विक सिल्वर की मांग का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं, जिसमें औद्योगिक अनुप्रयोगों का वर्चस्व रहता है।

इस सबके कारण, ज्वेलरी बाजार में सिल्वर का भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल है, खासकर गोल्ड की बढ़ती कीमतों के संदर्भ में। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि ÷आने वाला भविष्य सिर्फ सिल्वर का है÷, क्योंकि गोल्ड का अपना एक सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और निवेश मूल्य है जो कभी पूरी तरह से फीका भले ही नहीं पड़ेगा। लेकिन सिल्वर का भी गोल्ड की तरह ही हमेशा एक प्रीमियम स्थान रहेगा। दरअसल, सिल्वर एक बहुमुखी और किफायती धातु है जिसका औद्योगिक मांग और ज्वेलरी बाजार में मजबूत भविष्य है। गोल्ड की कीमतों में वृद्धि के साथ, सिल्वर ज्वेलरी उद्योग में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाएगी और उपभोक्ताओं के लिए एक पसंदीदा विकल्प बनी रहेगी। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि सिल्वर ज्वेलरी बाजार के एक बड़े हिस्से का भविष्य बन रही है, भले ही गोल्ड का अपना अद्वितीय स्थान बना रहेगा।

विकास जैन
सिल्वेरियो अर्टेसा प्रा. लि.

वैश्विक आर्थिक के हालातों में सिल्वर की जरूरतें सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक वाहनों में बढ़ रही है, तो इसकी मांग सीधे तौर पर सिल्वर की कीमतों को प्रभावित करेगी। ये उद्योग निरंतर विस्तार कर रहे हैं, जिससे सिल्वर की कीमतें जरूर बढ़ेगी, यह साफ दिख रहा है।

विनय शोभावत
आनंद दर्शन सिल्वर्स

ज्वेलरी डिज़ाइनर सिल्वर के साथ नए प्रयोग कर रहे हैं, जिससे यह पारंपरिक से लेकर आधुनिक, स्टेटमेंट पीस तक विभिन्न शैलियों की ज्वेलरी में उपलब्ध है। यह विविधता फैशन पसंद युवा वर्ग को आकर्षित करती है। इसीलिए गोल्ड की बढ़ती कीमतों में लोग सिल्वर की ओर रुख कर रहे हैं।

अमन सिंघवी
अरिहंत 925 सिल्वर

सिल्वर ज्वेलरी बड़े पैमाने पर खुदरा विक्रेताओं से लेकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक आसानी से उपलब्ध हैं, जिससे उपभोक्ताओं के लिए खरीदारी करना सुविधाजनक हो रहा है। फिर अब तो सिल्वर ज्वेलरी भी गोल्ड ज्वेलरी के साथ साथ फैशन व निवेश के रूप में भी तेजी से बढ़ रही है।

सोना महंगा होने से बढ़ रही मुख्य मुद्रास्फीति

भले ही खुदरा महंगाई मई में 75 महीने के निचले स्तर 2.8 फीसदी पर पहुंच गई मगर वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण सोने की बढ़ी कीमतों से मुख्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई लगातार चौथे महीने बढ़ी है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपने नोट में यह जानकारी दी है।

उसने अपने नोट में कहा, 'खाद्य मुद्रास्फीति की गिरावट ने खुदरा मुद्रास्फीति को कम किया है, लेकिन मुख्य मुद्रास्फीति बढ़ रही है। हालांकि, बढ़ती हुई मुख्य मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था में घरेलू मांग और उसके नतीजतन मूल्य दबाव को मजबूत करने का संकेत है, लेकिन हालिया वृद्धि घरेलू कारकों के बजाय वैश्विक आर्थिक अस्थिरता से जुड़ा है।' पिछले साल मई से लेकर इस साल मई तक मुख्य मुद्रास्फीति 111 आधार अंक बढ़कर 4.2 फीसदी हो गई है।

रेटिंग एजेंसी ने अपने नोट में कहा है कि मुख्य सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति के अंतर्गत अधिकांश उप-श्रेणियों में कीमतों कम हुई हैं, लेकिन सोना, मोबाइल टैरिफ, यात्रा और परिवहन, प्रसाधन सामग्री और चांदी जैसी पांच श्रेणियों में इसके विपरीत महंगाई बढ़ी है। नोट में कहा गया है, 'सोने में सबसे तेज महंगाई देखी गई है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बढ़ने से दुनिया भर में सुरक्षित निवेश के लिए सोने की मांग बढ़ने से वैश्विक कीमतों में उछाल आया है।'

वित्त वर्ष 2025 के दौरान सोने की मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2024 में 15.1 फीसदी के मुकाबले औसतन 24.7 फीसदी तक बढ़ गई और मुख्य मुद्रास्फीति सूचकांक में हल्के वजन (2.3 फीसदी) के बावजूद मई 2025 को समाप्त 12 महीनों में सोने ने 17 फीसदी की वृद्धि में योगदान दिया। नोट में कहा गया है कि मुख्य मुद्रास्फीति सूचकांक से बाहर रखे जाने वाले खाद्य और ईंधन की तरह कीमतों पर घरेलू मांग के दबाव के वास्तविक प्रभाव का आकलन करते समय सोने को भी इससे बाहर रखा जा सकता है। खासतौर पर जब दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता काफी बढ़ी हो और इससे सोने की कीमतें बढ़ने लगती हैं।

नोट में कहा गया है, 'हालांकि भारतीय परिवारों में आभूषणों की मांग अधिक है, लेकिन वैश्विक केंद्रीय बैंकों, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की ओर से सोने की वैश्विक निवेश मांग के कारण इसकी कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। वैश्विक अनिश्चितता के दौर में, मुख्य मुद्रास्फीति के विश्लेषण से सोने की कीमतों को बाहर करके इसकी भूमिका पर जोर न देना उपयोगी हो सकता है।' अमेरिकी फेडरल रिजर्व, बैंक ऑफ इंगलैंड, यूरोपीय सेंट्रल बैंक और बैंक ऑफ जापान जैसे प्रमुख केंद्रीय बैंक भी अपनी मुख्य मुद्रास्फीति की गणना में सोने (आभूषण के रूप में) को शामिल करते हैं। मगर भारत के सूचकांक की तुलना में इसका महत्त्व काफी कम है, जिससे उनकी मुख्य मुद्रास्फीति उपायों पर इसका प्रभाव सीमित हो जाता है।

क्या 2030 तक 7.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है सोना?

सोने की कीमतों में लगातार उछाल दिखा है। इसी बीच, ऐसी भविष्यवाणी की गई है कि अगले पांच वर्षों में सोने की कीमत 8,900 डॉलर यानी 7,55,600 रुपये तक पहुंच सकती है। लिकटेंस्टीन स्थित निवेश और परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म इंक्रीमेंटम की गोल्ड वी ट्रस्ट रिपोर्ट 2025 में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार सोना लंबे समय के लिए तेजी के दौर में बना हुआ है। मध्यम अवधि में सोने की कीमत 4000 से 5000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है। वर्ष 2030 तक इसकी कीमत 8900 अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना जताई गई है।

रिपोर्ट में बताया गया कि महंगाई के दौर में पीली धातु इस अवधि में कीमत में 8,900 अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की क्षमता रखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि 4,800 से 8,900 डॉलर का पूर्वानुमान इस बात पर निर्भर करता है कि अगले पांच साल में महंगाई का कैसा रुख रहेगा। मौद्रिक नीति और भू-राजनीतिक गतिशीलता भी सोने की कीमतों पर प्रभाव डाल सकते हैं। रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि सोने की कीमतों में तेजी थोड़े समय की बात नहीं है। यह लंबे समय तक चलने वाला रुझान हो सकता है। इसलिए निवेशकों को इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। दूसरी ओर, रिपोर्ट में निवेशकों को यह भी सावधानी

गोल्ड वी ट्रस्ट रिपोर्ट 2025 में दावा किया गया है कि सोने के भाव अगले पांच वर्षों में 8,900 डॉलर यानी करीब 7,55,600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार बढ़ती महंगाई के आधार पर सोने की कीमतें तय होंगी।

बरतने के लिए कहा गया है कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव की स्थिति आ सकती है। सोने एक ऐसा निवेश है, जिसमें अकसर तेजी से बदलाव देखा जाता हैं। इसके अलावा रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि वैश्विक बाजार और पारिवारिक कार्यालय अपने पोर्टफोलियो में सोने और कीमती धातुओं को बहुत कम अहमियत देते हैं। वे अपनी पूंजी का केवल 1 प्रतिशत ही इसमें निवेश करते हैं। इसकी तुलना में वे प्राइवेट इक्विटी, रियल एस्टेट (जमीन-जायदाद) और यहां तक कि नकद को भी ज्यादा पसंद किया जाता है।

हाल ही में, गल्फ न्यूज ने भी सोने की कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के चलते निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प मान रहे हैं। इसके अलावा जेपी मॉर्गन ने भी हाल ही में भविष्यवाणी की है कि सोने की कीमतें 2029 तक 6,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच जाएंगी। इससे कीमतों में 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होगी, जिससे पीली धातु को मजबूती मिलेगी। इस साल जनवरी से अप्रैल के महीने में सोने की कीमतों में तेजी से उछाल देखने को मिला। इस दौरान सोने की कीमतों में 25 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, वैश्विक व्यापारिक तनाव के बीच अप्रैल के बाद से सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई।

Contact for Business inquiry

Amit Munot
98203 64873

munot®
ORNAMENTS ANNEX LLP

Glitz Mall, A-11,12,13,14, Ground Floor, 99 Vithalwadi, Champagalli Cross Lane, Kalbadevi,
Mumbai - 400 002. Tel.: 2240 4434 | 2240 4777 | Inter Com: 4034 / 4734
Email : munotornaments@yahoo.co.in

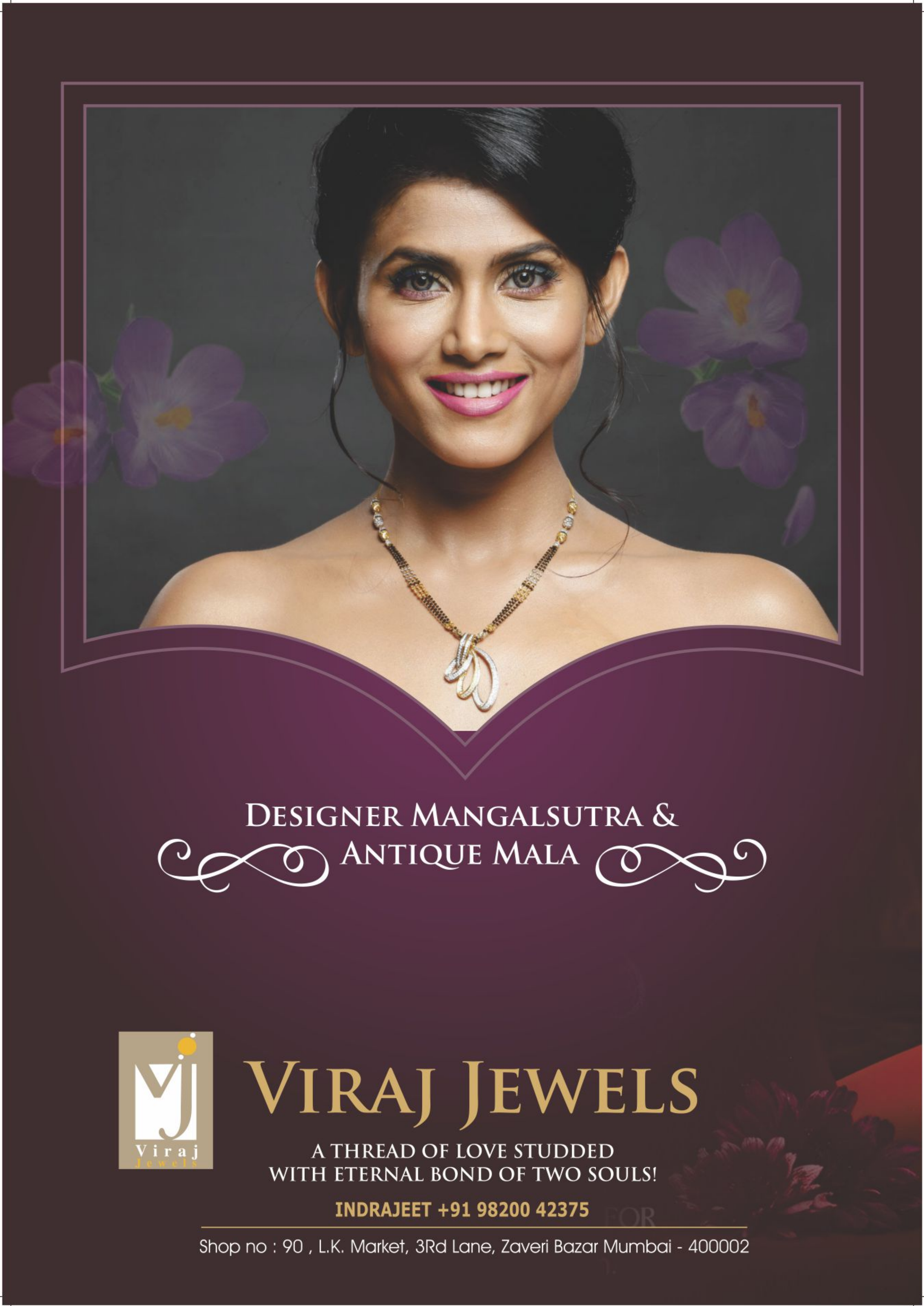
DESIGNER MANGALSUTRA &
ANTIQUE MALA
Viraj
Jewels
VIRAJ JEWELS
A THREAD OF LOVE STUDDED
WITH ETERNAL BOND OF TWO SOULS!
INDRAJEET +91 98200 42375
Shop no : 90 , L.K. Market, 3Rd Lane, Zaveri Bazar Mumbai - 400002

ADN
THE MARK OF GUARANTEE & CREATION
Aradhana
JEWELLERS PVT. LTD.
WE HAVE RELOCATED
Expanding to serve you better
Visit us at
IIJS
INDIA
INTERNATIONAL
JEWELLERY SHOW
PREMIERE - 2025
31st July-4th August-2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai
Hall - 1
Stall - 1F 125B
Office no. 201, 2nd Floor, ADN House, Bldg no. 157/165, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400002.
Karan Surana - 9820604171 / Aryan Surana - 9820204171, Landline - 23405500 / 23475500, Intercom - 4148
eMail : aradhanajewellerspvtltd@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

निवेशकों को 20 साल में कहां मिला सबसे ज्यादा रिटर्न?

निवेश के कई तरह के ऑप्शन अवेलेबल होने के बावजूद सोने की चमक आज भी बनी हुई है। सोना ने पिछले कई सालों में निवेशकों को न सिर्फ अच्छा रिटर्न दिया है बल्कि दुनिया में उथल-पुथल के बीच भरोसेमंद निवेश एसेट के रूप में भी उभरा है। इसी कड़ी में सोने की कीमत 13 जून को 1 लाख रुपये के पार पहुंच गई थी। इस पीली धातु ने साल 2005 से अबतक निवेशकों को 1200 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके मुकाबले सेंसेक्स ने इसी अवधि में 815 फीसदी का रिटर्न दिया है। जबकि की कीमतों में इस दौरान करीब 670 प्रतिशत की तेजी आई।

पिछले दो दशकों में सोने के रिटर्न पर नजर डाले तो संकट के दौर में इस कीमती मेटल ने निवेशकों का साथ नहीं छोड़ा और इसकी मजबूती चमक सबसे अलग नजर आई। साल 2008 में जब सेंसेक्स 52.44 प्रतिशत टूट गया, तब सोना 28.6 प्रतिशत चढ़ा। इसी तरह 2011 और 2020 में भी सोने ने बेहतर प्रदर्शन किया। यहां तक कि 2013 और 2015 जैसे करेक्शन वाले वर्षों में भी सोने की गिरावट इक्विटी की तुलना में काफी सीमित रही। वहीं, चांदी ने अस्थिर रिटर्न दिखाए। साल 2009 और 2010 जैसे वर्षों में चांदी की कीमतों में दो अंकों की तेजी दिखाई। हालांकि, 2013 में चांदी की कीमतों में 24.25 फीसदी की भारी गिरावट भी आई। दूसरी ओर, सेंसेक्स की परफॉर्मेंस मंदी के दौर में भारी गिरावटों से प्रभावित रही। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि अनिश्चितता के समय निवेशक बार-बार सोने की ओर रुख करते हैं। गिरते बाजारों में भी सोने की स्थिरता इसे निवेश का सेफ ऑप्शन बनाती है। यही वजह है कि बीते दो दशकों में सोना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला एसेट रहा है।

13 जून 2025 को एमसीएक्स पर सोने की कीमतों ने ऐतिहासिक स्तर को छूते हुए रू. 1,00,000 प्रति 10 ग्राम का आंकड़ा पार कर लिया। यह तेजी सिर्फ 74 दिनों में रू.10,000 की बढ़त के साथ अब तक की सबसे तेज़ छलांग रही है। इस तेज रैली के पीछे वैश्विक आर्थिक दबावों का एक परफेक्ट स्टॉर्म था। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों की तरफ से सोने की खरीदारी और गोल्ड ईटीएफ में मजबूत मांग ने बाजार में तेज़ी का माहौल बना दिया। केडिया कमोडिटीज के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा, वैश्विक मंदी की आशंका, चल रहे टैरिफ युद्ध और डॉलर पर निर्भरता घटाने की वैश्विक ट्रेंड ने सेफ हेवन यानी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की खरीद को और तेज़ कर दिया। साल 2025 अब सोने की रफ्तार में अब तक का सबसे आक्रामक दौर बन चुका है। यह दुनिया भर में बढ़ती अस्थिरता को दर्शाता है। यह उछाल एक बार फिर साबित करता है कि सोना जोखिम भरे समय में निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प बना रहता है। जब तक प्रणालीगत जोखिम बने रहेंगे, सोने की चमक फीकी नहीं पड़ेगी।

वीटी मार्केट्स में ग्लोबल स्ट्रैटेजी ऑपरेशंस लीड रॉस मैक्सवेल ने कहा कि हाल ही में सोना एक समेकन के चरण में रहा है। लेकिन इसका कुल मिलाकर रुझान अब भी तेज़ी वाला बना हुआ है। यूक्रेन में जारी युद्ध, मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव और व्यापार को लेकर जारी वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते यह रुझान बरकरार है। हालांकि किसी भी बाजार में सुधार की संभावना बनी रहती है, लेकिन फिलहाल जो कारक सोने की कीमतों को समर्थन दे रहे हैं, उनमें निकट भविष्य में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। ऐसे में यह काफी हद तक संभव है कि सोना अपने मौजूदा हाई लेवल अप्रैल में बनाए गए 3,500 प्रति औंस से भी ऊपर नए रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने कहा कि अगर फेडरल रिज़र्व ब्याज दरों में कटौती के संकेत देता है, तो यह भी सोने के लिए सकारात्मक साबित हो सकता है, क्योंकि इससे बिना ब्याज वाले एसेट्स (जैसे सोना) को रखने की लागत घटती है। साथ ही, अगर व्यापारिक टैरिफ के कारण महंगाई दर बढ़ती है, तो वह भी सोने की कीमतों को और ऊपर ले जा सकता है।

वेंचुरा में कमोडिटी डेस्क और सीआरएम एन एस रामास्वामी प्रमुख का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय कॉमेक्स बाजार में सोना वर्तमान 3430 के स्तर से 3509 के उच्च स्तर को पार कर सकता है। साथ ही 3476 डॉलर पर रेसिस्टेंस के साथ शॉर्ट टर्म में 3540 का हाई लेवल बना सकता है। कॉमेक्स गोल्ड के लिए समर्थन 3400 और 3345 पर देखा जा रहा है। घरेलू बाजार एमसीएक्स अगस्त फ्यूचर्स में सोना वर्तमान में 99800 रुपये (100403 रुपये का हाई लेवल) पर है। 98900 रुपये के समर्थन के साथ यह शार्ट टर्म में 102,000 रुपये तक बढ़ सकती है।

रोस मैक्सवेल के अनुसार, इन तमाम वजहों से सोना अब भी लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद 'सेफ हेवन' एसेट बना हुआ है। यह बाजार की अस्थिरता के बीच स्थिरता की पेशकश करता है। वहीं, ट्रेडर्स के लिए सोने में मौके जरूर हैं। लेकिन इसके लिए आर्थिक और तकनीकी कारकों की सावधानीपूर्वक निगरानी जरूरी है।

सीआरएम एन एस रामास्वामी का कहना है कि सोने की सुरक्षित निवेश अपील मजबूत बनी रहने की संभावना है। खास तौर पर मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं को देखते हुए। स्थिरता और अस्थिरता से सुरक्षा चाहने वाले निवेशकों के पोर्टफोलियो में यह एक महत्वपूर्ण एसेट बनी हुई है।

अजय केडिया के अनुसार, सोना का टेक्निकल आउटलुक पॉजिटिव दिखा रहा है। उन्होंने टेकिन्कल आधार पर सोने 1,03,500 रुपये और कॉमेक्स पर 3500-3540 डॉलर जाने का अनुमान जताया है। एनएस रामास्वामी ने कहा कि घरेलू बाजार एमसीएक्स अगस्त फ्यूचर्स में सोना फिलहाल 99800 रुपये (100403 रुपये का उच्चतम स्तर) पर है। 98900 रुपये पर सपोर्ट के साथ यह शॉर्ट टर्म में 102000 रुपये तक बढ़ सकता है।

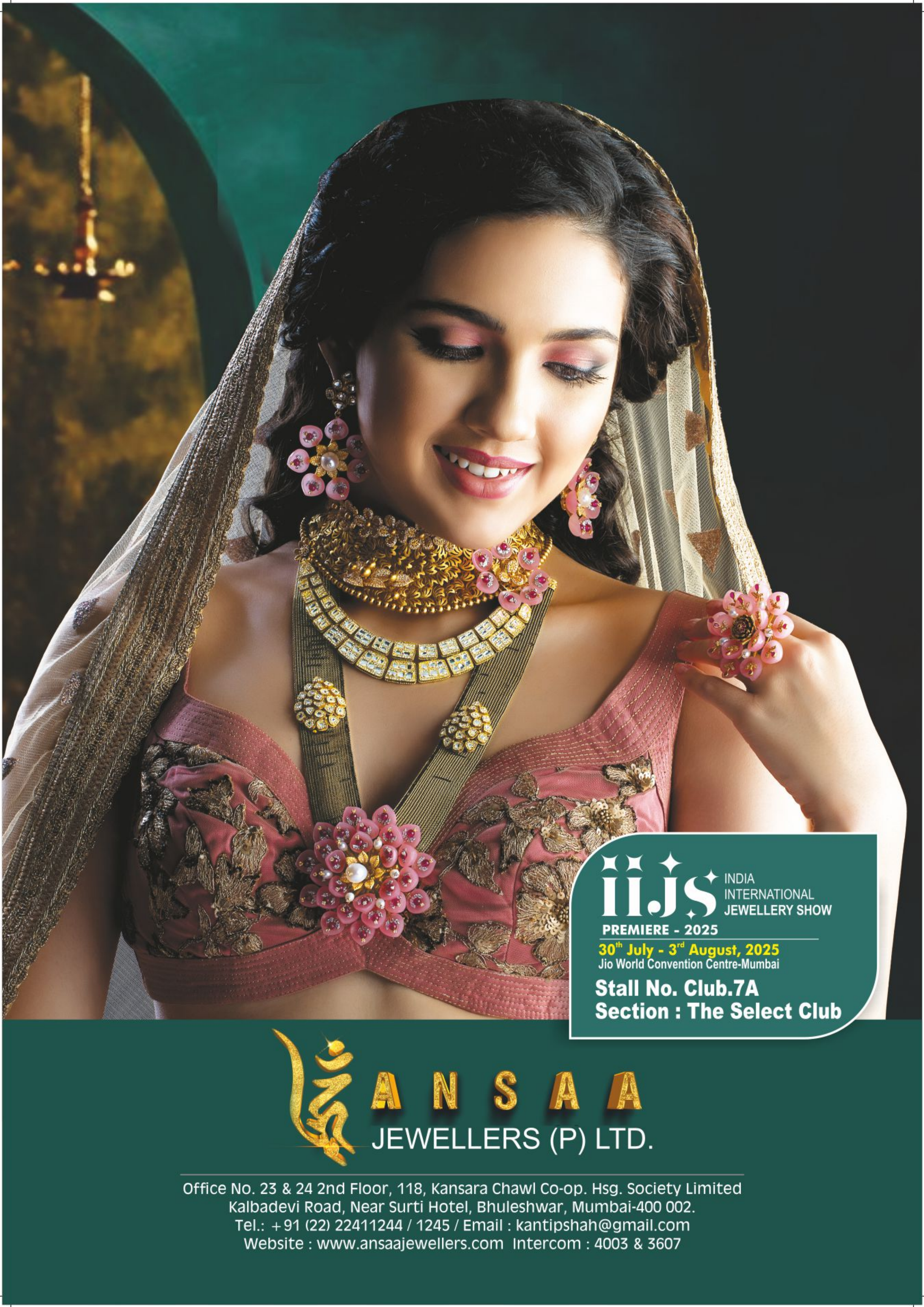
IIJS
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE - 2025
30th July - 3rd August, 2025
Jio World Convention Centre-Mumbai
Stall No. Club.7A
Section : The Select Club
ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.
Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245 / Email : kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com Intercom : 4003 & 3607

ADS
Traditional Silver Jewellery

ANAND DARSHAN
SILVERS
MFG.OF BOMBAY FANCY PAYAL,BELT,KANDORA

JOIN US AT

IIJS
PREMIERE 2025

31st JULY - 4th AUGUST, 2025

HALL NO
6

STALL NO
6C.606E

Bombay Exhibition Centre (NESCO)

203/204/205 , Kanak Chamber, 2nd Floor, 267/269, Kalbadevi Road, Opp. Adarsh Hotel,Mumbai - 02
Mob : 7666546666 / 9821154051
adsmumbai36@yahoo.com

carron
ready made garments
Styled to steal the spotlight
Carron Clothing
Kalbadevi | Kemps Corner
Contact Number : +91 8866435435
carronclothing
carronfashion

THE HOUSE of SILVER EMPORIUM

SILVER • GOLD • DIAMONDS

IIJS PREMIERE - 2025
31st July-4th August 2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai

Hall No. 6
Stall No. 6C 607 F

SILVER EMPORIUM

GIRVÁAN

A STORY of GOLD

IIJS INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE - 2025
31st July-4th August-2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai

Hall No. 1
Stall No. 1F 113A

IIJS PREMIERE - 2025
30th July-3rd August-2025
Jio World Convention Centre

STALL DETAILS
The Select Club
36 C

DIARAH

DIAMOND JEWELS

SILVER EMPORIUM 232 / 234, Chamber Bhavan, 1st Floor,
Kalbadevi Road, Mumbai - 400002 • info@silveremporium.in

THE LEGACY IS NOW REBORN AS
SK Antique
THE TRENDSETTER
India's Ultimate Antique Hub is here with
9 ICONIC COLLECTIONS
1000+ designs, and a bold new identity.
— VISIT THE NEWLY LAUNCHED SK ANTIQUE AT —
IIJS PREMIERE 2025
HALL NO. : 1 - BEC
ZONE.: 1 B
STALL NO.: 1F 125A
31st july - 4th August 2025
BOMBAY EXHIBITION CENTRE - MUMBAI
S. K. JEWELLERS PVT. LTD.
23/29,Nex Plaza,Office No-201-205,2nd Floor Vitthalwadi Road, next to Cosmos Bank, Zaveri Bazaar, Kalbadevi, Mumbai, Maharashtra 400002
022 - 22401489 | 22401589
022 - 43473777 | 43474999
follow us on:
skjewellers_mumbai

S S GEMSS
JEWELLERY

Glisten with Luxury

Antique | Moissanite | Diamond Jewellery

68 / 72, 2 Flr /201, Ganpat Bhavan, Dhanji Street,Masjid Bunder, Mumbai - 400 003.
Email: ssgems15@gmail.com | www.ssgemsjewellery.com

Ramesh Ranawat : 8080705070 | Bharat Punmiya : 9819470090

एक्सपर्ट से समझें क्यों गोल्ड हो रहा इतना महंगा

भारत के वायदा बाजार में सोने का भाव 1 लाख रुपये (प्रति 10 ग्राम) का स्तर पार कर गया। यह पहला मौका है जब एमसीएक्स पर सोने का भाव 1 लाख रुपये के ऊपर निकल गया। सोने का वायदा मूल्य 1,00,314 रुपये प्रति 10 ग्राम बंद पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का हाजिर मूल्य 3,432 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। पिछले दिनो मुंबई के जवेरी बाजार में शुद्ध सोने का भाव प्रति 10 ग्राम 99,058 रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। लंदन की कंपनी मेटल फोकस में मुख्य सलाहकार चिराग सेठ के अनुसार कीमतें ऊंचे स्तरों पर पहुंचने के बाद सोने की मांग कम हो गई है। मांग कम होते देख आयातकों को 40 डॉलर (प्रति 10 ग्राम 1,120 रुपये) कम पर सोने की पेशकश की जा रही है।

जून और जुलाई में सोने की मांग अक्सर कम हो जाती है। अगस्त के दूसरे पखवाड़े में त्योहारों की शुरुआत के साथ सोने की खरीदारी में तेजी आने लगती है। अमेरिका में रहने वाले अल्गोरिद्म विशेषज्ञ एवं अरोड़ा रिपोर्ट के लेखक निगम अरोड़ा ने बताया इस बात की पूरी संभावना है कि सोने का भाव प्रति औंस 4,000 डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा। भारत, चीन, तुर्किये और पोलैंड समेत तमाम देशों के केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं।'

इजरायल और ईरान के बीच अचानक युद्ध शुरू होने से हाल में कीमतों में तेजी देखी जा रही है। अरोड़ा ने कहा, 'निकट अवधि में सोने की हद से ज्यादा खरीदारी हो सकती है। सोने की कीमतें काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगी कि इजरायल-ईरान युद्ध किस स्तर तक खिंचता है। अगर इजरायल को युद्ध में निर्णायक जीत हासिल होती है तो सोने का भाव नीचे आ सकता है। अरोड़ा रिपोर्ट की सलाह है कि सोने में कोई भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी की जा सकती है।'

मेटल फोकस ने 2025 के लिए हाल में प्रकाशित अपने अनुमान में कहा है कि इस साल सोने का औसत भाव 35 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,210 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर रहेगा। हालांकि, यह औसत भाव है मगर यह काफी ऊपर जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शुल्कों सहित अमेरिका में कीमतों को लेकर अनिश्चितता, भारी भरकम कर्ज और अमेरिकी शेयरों में भारी उतार-चढ़ाव सोने की कीमतें बढ़ा रहे हैं।

शाह कहते हैं कि 2026 में सोने की कीमतें प्रति औंस 3,800-4,000 डॉलर तक पहुंच सकती हैं। इजरायल और ईरान के बीच युद्ध छिड़ने से पिछले कुछ दिनों के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में भी उबाल आ गया है। इससे मुद्रास्फीति बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। शाह के अनुसार ऊंची कीमतों पर मुनाफावसूली शुरू हो सकती है। मगर शाह का यह भी कहना है कि बाजार का रुख कभी भी बदल सकता है और कीमतों में तेज गिरावट दिख सकती है। शाह ने कहा कि गिरावट आएगी भी तो अधिक देर तक नहीं टिकेगी क्योंकि इसके बाद खरीदारी होने से सोना फिर ऊपर पहुंच जाएगा।

एमसीएक्स के आंकड़ों के अनुसार इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के बाद जिंस कारोबारियों ने खुले दांव बढ़ा दिए हैं और इनमें ज्यादातर लंबी अवधि के हैं। एमसीएक्स के आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 ओपन इंटरेस्ट 9,259 अनुबंध (लॉट) हैं जबकि बिकवाली के दांव 5,779 अनुबंध लॉट हैं।

टैरिफ वॉर में उलझा रत्न एवं आभूषण कारोबार

निर्यात में 15.81 प्रतिशत और आयात में 12.96 प्रतिशत की गिरावट

टैरिफ शुल्क में उलझे चीन और अमेरिका की व्यापारिक अनिश्चितता और बढ़ते वैश्विक भू राजनीतिक तनाव का असर रत्न और आभूषण की मांग पर पड़ रहा है। जिसका असर सीधे तौर पर भारत के निर्यात पर भी दिख रहा है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद जीजेईपीसी ने कहा कि अमेरिका के शुल्क घोषणा के बाद मई में कुल रत्न और आभूषण निर्यात सालाना आधार पर 15.81 प्रतिशत घटकर 226.34 करोड़ अमेरिकी डॉलर (19,260.81 करोड़ रुपये) रहा गया। इस दौरान आयात में 12.96 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

जीजेईपीसी द्वारा जारी किये गए आंकड़ों के अनुसार 2024 की इसी अवधि के दौरान उद्योग का निर्यात 2,68.83 करोड़ अमेरिकी डॉलर (22,414.02 करोड़ रुपये) था। मई में तराशे गये हीरों का निर्यात 35.49 प्रतिशत घटकर 94.97 करोड़ अमेरिकी डॉलर (8,089.81 करोड़ रुपये) रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,47.20 करोड़ डॉलर (12,272.03 करोड़ रुपये) था। मई में पॉलिश किए गए प्रयोगशाला में बने हीरों का निर्यात सालाना आधार पर 12.03 करोड़ डॉलर (1,003.06 करोड़ रुपये) से 32.76 प्रतिशत घटकर 8.09 करोड़ डॉलर (689.71 करोड़ रुपये) रह गया।

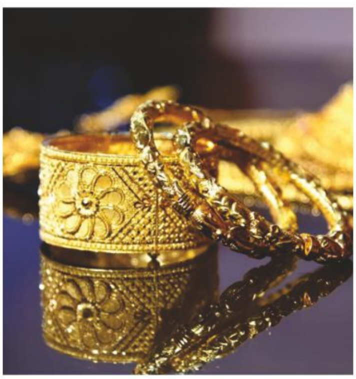

मई 2025 में कच्चे हीरे के आयात में 5.46 प्रतिशत और रंगीन रत्नों के निर्यात में 1.13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि इस बीच सोने के आभूषणों के की मांग में सुधार देखने को मिला है। जीजेईपीसी के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि में सोने के आभूषणों का निर्यात सालाना आधार पर 17.24 प्रतिशत बढ़कर 99.75 करोड़ अमेरिकी डॉलर (8,482.61 करोड़ रुपये) हो गया। अप्रैल-मई के दौरान चांदी के आभूषणों का कुल निर्यात 17.59 प्रतिशत घटकर 15 करोड़ डॉलर (1,281.92 करोड़ रुपये) रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 18.21 करोड़ डॉलर (1,518.69 करोड़ रुपये) था।

जीजेईपीसी के चेयरमैन किरीट भंसाली ने कहा कि कुल निर्यात में गिरावट जारी है और मई में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका द्वारा शुल्क की घोषणा के कारण 15.81त्न रही। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ गई है, जिससे सोने के आभूषणों का निर्यात बढ़ा है।

रत्न एवं आभूषण के आयात-निर्यात में आई गिरावट पर कामा ज्वेलरी के एमडी कॉलिन शाह ने कहा कि मई 2025 में निर्यात में लगातार गिरावट का कारण डॉनल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा के बाद की अनिश्चितताओं को माना जा सकता है। इसने घरेलू बाजार पर एक छायादार प्रभाव डाला, जो अभी भी ट्रंप की टैरिफ लहर के बाद की प्रतिक्रिया से जूझ रहा है। इसके अलावा, मध्य पूर्व और अमेरिका में लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक तनाव, रूस-यूक्रेन लगातार मांग-आपूर्ति की गतिशीलता को बाधित कर रहे हैं, जिससे पहले से ही बीमार सेक्टर की परेशानियां और बढ़ गई हैं। हालांकि, अमेरिका और चीन के बीच शांतिपूर्ण व्यापार वार्ता से कुछ राहत मिली है, जिससे सेक्टर की भावनाओं में सुधार होने की उम्मीद है।

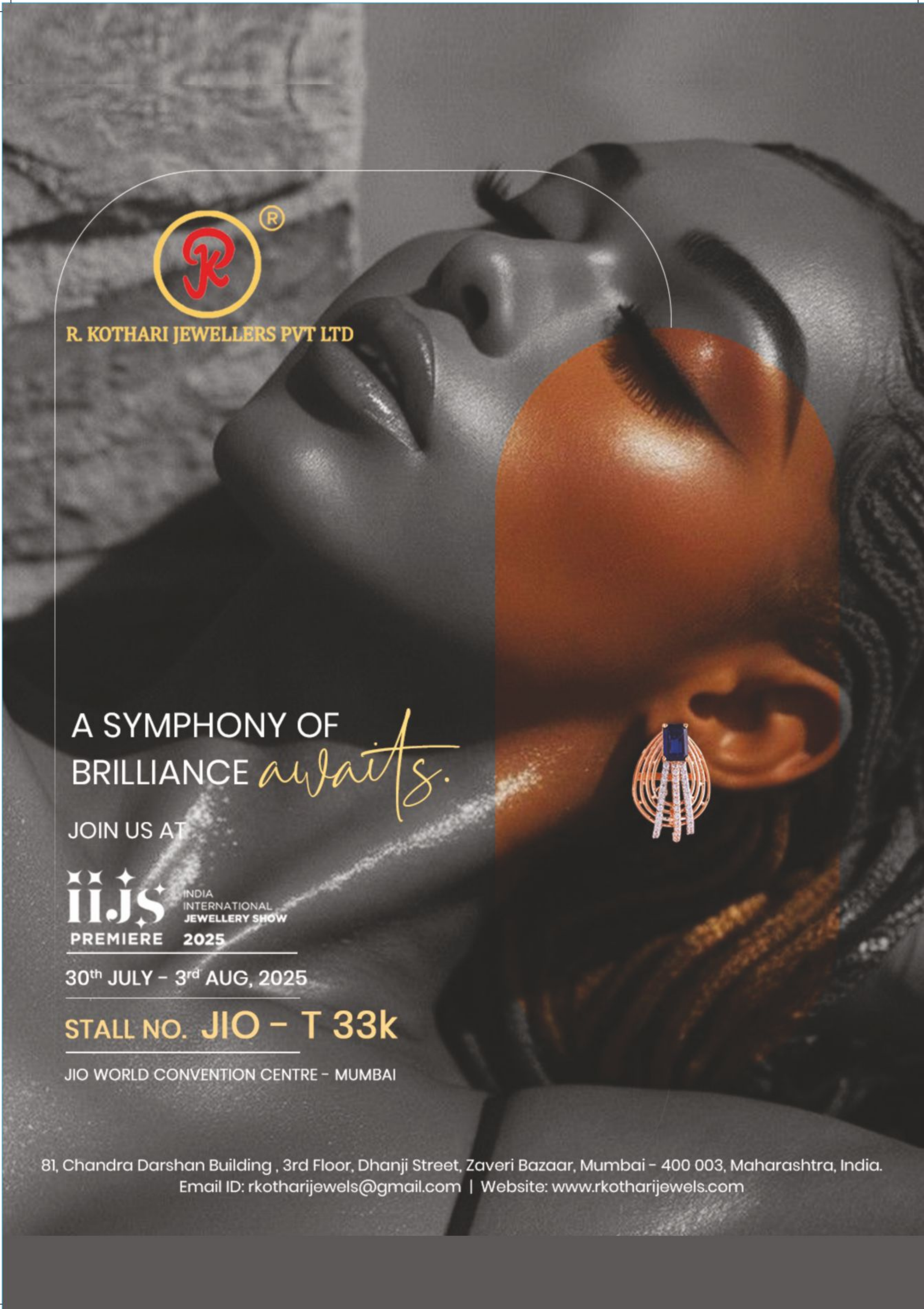
R. KOTHARI JEWELLERS PVT LTD
A SYMPHONY OF
BRILLIANCE awaits.
JOIN US AT
IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
2025
30th JULY - 3rd AUG, 2025
STALL NO. JIO - T 33k
JIO WORLD CONVENTION CENTRE - MUMBAI
81, Chandra Darshan Building , 3rd Floor, Dhanji Street, Zaveri Bazaar, Mumbai - 400 003, Maharashtra, India.
Email ID: rkotharijewels@gmail.com | Website: www.rkotharijewels.com

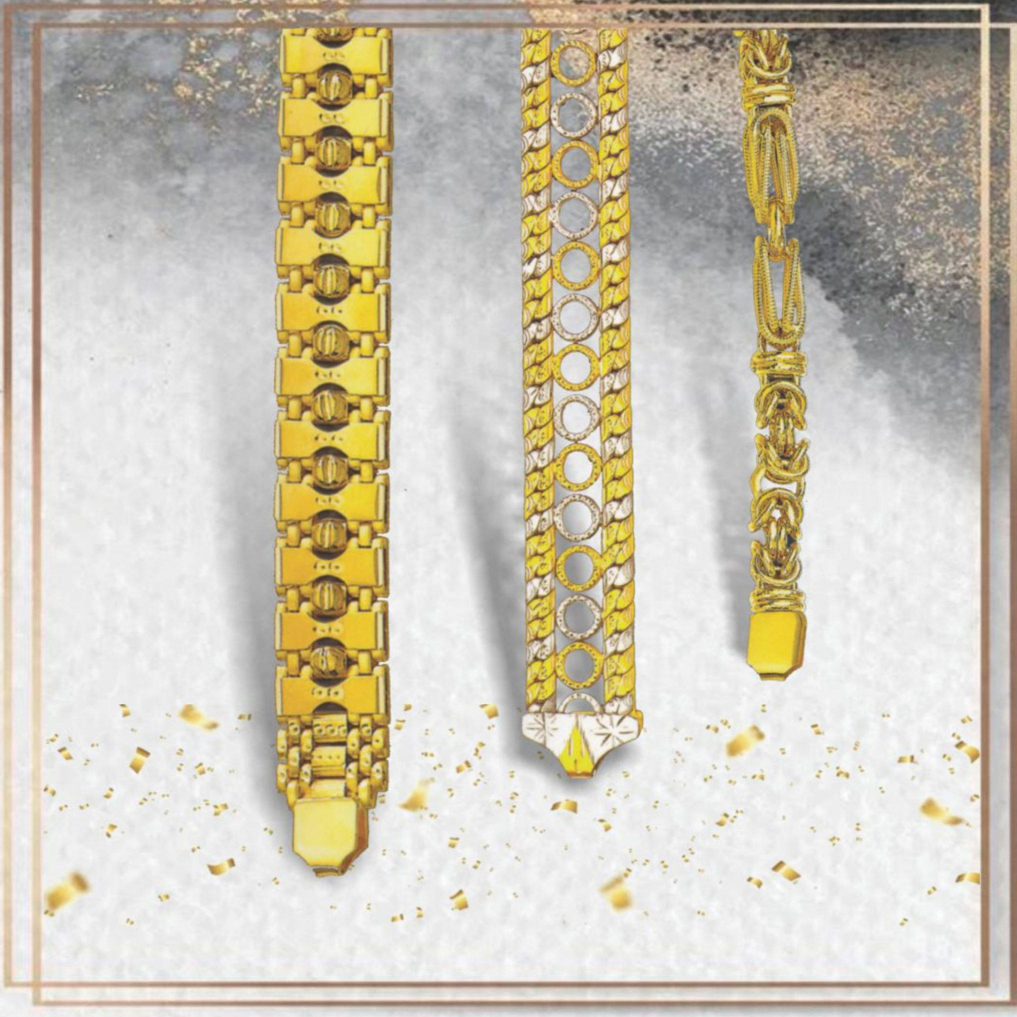

• M. V. Jain
93222 26413

• Pravin M. Jain
98200 63687

Shree vardhaman JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :

ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS

8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 • 98200 63687 • Email : shreevardhamanjew@gmail.com

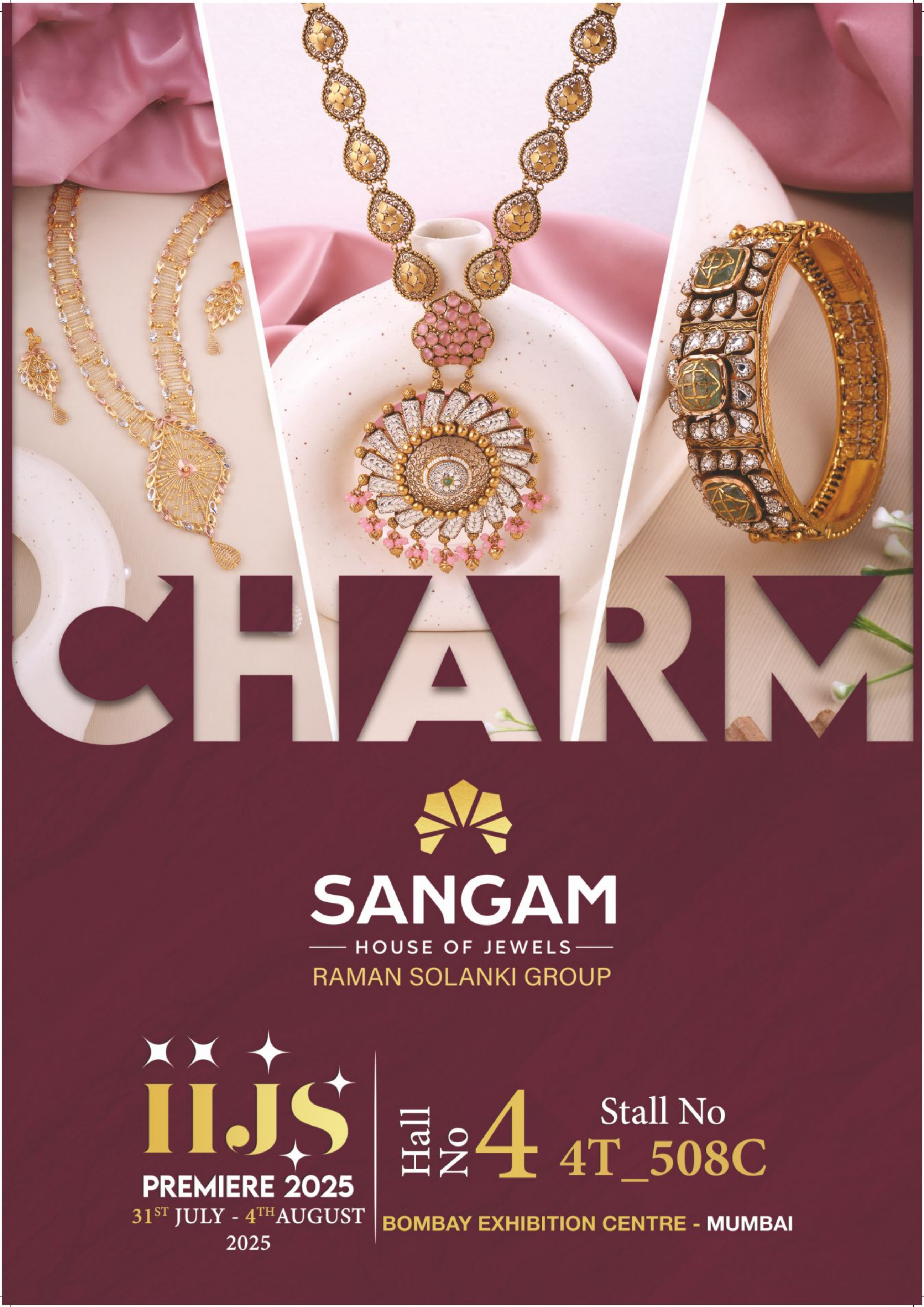
CHARM
SANGAM
HOUSE OF JEWELS
RAMAN SOLANKI GROUP
IIJS
PREMIERE 2025
31ST JULY - 4TH AUGUST
2025
Hall No 4
Stall No
4T_508C
BOMBAY EXHIBITION CENTRE - MUMBAI

सोने में भरोसा, डॉलर से दूरी

लगातार तीसरे साल भी दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने खरीदा 1,000 टन से ज्यादा गोल्ड

दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने लगातार तीसरे साल 1,000 टन से ज्यादा सोना खरीदा है। यह जानकारी 2025 सेंट्रल बैंक गोल्ड रिजर्व सर्वे में सामने आई है। पिछले 10 वर्षों में औसतन हर साल 400 से 500 टन सोना खरीदा जाता था, लेकिन अब यह आंकड़ा काफी बढ़ गया है। इससे साफ है कि दुनियाभर के केंद्रीय बैंक अनिश्चित हालात में सोने को सुरक्षित विकल्प मान रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का यह सर्वे अब तक का सबसे बड़ा सर्वे है। 25 फरवरी से 20 मई 2025 के बीच किए गए इस सर्वे में 73 केंद्रीय बैंकों ने हिस्सा लिया। इससे पता चलता है कि अब ज्यादा से ज्यादा बैंक अपने रिजर्व में सोने को अहम हिस्सा बना रहे हैं।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा, संकट के समय सोने का प्रदर्शन, पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन लाने की क्षमता और महंगाई से बचाव जैसे कुछ अहम कारण हैं, जिनकी वजह से आने वाले वर्षों में सोने की खरीदारी बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है। 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, रिकॉर्ड 43 प्रतिशत सेंट्रल बैंक अगले एक साल में अपनी गोल्ड रिजर्व बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। कोई भी बैंक इसे कम करने की नहीं सोच रहा है। इतना ही नहीं, 95 प्रतिशत सेंट्रल बैंकों का मानना है कि इस अवधि में ग्लोबल सेंट्रल बैंकों की गोल्ड होल्डिंग्स में बढ़ोतरी जारी रहेगी।

इस तेजी के पीछे मुख्य वजहें हैं आर्थिक झटकों के दौरान सोने की मजबूती, महंगाई से बचाव की इसकी क्षमता, और जटिल होते निवेश पोर्टफोलियो में यह एक बेहतर डाइवर्सिफायर के रूप में काम करता है। सेंट्रल बैंक इसे सुरक्षित निवेश (सेफ हेवन) मानते हैं, खासकर जब बाजार में उथल-पुथल होती है। यही इसकी बढ़ती मांग का बड़ा कारण है। रिपोर्ट में एक और अहम ट्रेंड यह सामने आया है कि आने वाले वर्षों में ग्लोबल रिजर्व में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी घट सकती है। सर्वे में शामिल करीब 73 प्रतिशत सेंट्रल बैंकों ने अगले पांच वर्षों में डॉलर होल्डिंग में मध्यम से लेकर बड़ी गिरावट की संभावना जताई है। इसके बदले यूरो, रेनमिन्बी (चीनी मुद्रा) और गोल्ड में निवेश बढ़ने की उम्मीद है। यह बदलाव दो कारणों से हो रहा है – पहला, वैश्विक मैक्रोइकॉनॉमिक्स समीकरणों में बदलाव और दूसरा, उभरती अर्थव्यवस्थाओं की यह कोशिश कि वे पारंपरिक पश्चिमी मुद्राओं पर अपनी निर्भरता घटाएं। उनके लिए सोना एक निष्पक्ष और सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य वैल्यू स्टोर है, जिस पर उन राजनीतिक दबावों का असर नहीं होता जो फिएट मुद्राओं के साथ जुड़े रहते हैं। 2025 में वे सेंट्रल बैंक जो सक्रिय रूप से अपने गोल्ड रिजर्व का मैनेजमेंट कर रहे हैं, उनकी संख्या बढ़कर 44 प्रतिशत हो गई है, जो 2024 में 37 प्रतिशत थी। अब केवल रणनीतिक ट्रेडिंग नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन (रिस्क मैनेजमेंट) भी गोल्ड रिजर्व मैनेजमेंट का बड़ा कारण बन गया है। इससे संकेत मिलता है कि सेंट्रल बैंक अब सिर्फ सुरक्षित निवेश नहीं, बल्कि स्थिरता और बेहतर प्रदर्शन के लिए भी सोने की ओर देख रहे हैं।

स्टोरेज के मामले में बैंक ऑफ इंग्लैंड अभी भी सबसे पसंदीदा विकल्प बना हुआ है। 64 प्रतिशत सेंट्रल बैंकों ने इसे अपनी पहली पसंद बताया है। हालांकि अब घरेलू स्टोरेज (देश में सोना रखने) का चलन भी बढ़ रहा है। 2024 में जहां 41 प्रतिशत सेंट्रल बैंक कुछ सोना देश में रखते थे, अब 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 59 प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद, केवल 7 प्रतिशत सेंट्रल बैंक ही अगले एक साल में घरेलू स्टोरेज बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इसका मतलब है कि ज्यादातर बैंक मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

2025 में वे सेंट्रल बैंक जो सक्रिय रूप से अपने गोल्ड रिजर्व का मैनेजमेंट कर रहे हैं, उनकी संख्या बढ़कर 44 प्रतिशत हो गई है, जो 2024 में 37 थी। अब केवल रणनीतिक ट्रेडिंग नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन (रिस्क मैनेजमेंट) भी गोल्ड रिजर्व मैनेजमेंट का बड़ा कारण बन गया है। इससे संकेत मिलता है कि सेंट्रल बैंक अब सिर्फ सुरक्षित निवेश नहीं, बल्कि स्थिरता और बेहतर प्रदर्शन के लिए भी सोने की ओर देख रहे हैं।

SILVERIO

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867271456 +91-910780-0700

SURANA SILVER
HOUSE
92.5 Silver Sterling Jewellery

We Cordially Invite
You To Visit

IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

31st July - 4th August, 2025

BOMBAY EXHIBITION
CENTRE MUMBAI

STALL NO - 6C 604J/6A
HALL NO - 6

INDRAJEET: +91 98200 42375
KALPESH: +91 98212 24642

SHOP NO. 90, 3RD LANE, L. K. MARKET
ZAVERI BAZAR, MUMBAI - 400002.

+91 22 411053 | 1 COM. 4241

SURANASILVER2020@GMAIL.COM

कुछ सफल तथा दिग्गज ज्वेलर्स के आईआईजेएस पर विचार

आईआईजेएस इंडियन ज्वेलरी का सबसे बड़ा शो

महेश बाफना
भवानी गोल्ड प्रा. लि.

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन ज्वेलरी शो छोटे और मध्यम ज्वेलर्स को बड़े ब्रांड्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका देता है। आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में नवीनतम डिज़ाइन, तकनीक, और रुझान प्रदर्शित होते हैं, जो बाजार की मांग को समझने में मदद करते हैं। इसके अलावा, सेमिनार और वर्कशॉप के माध्यम से उद्योग की नवीनतम जानकारी और कौशल विकास को बढ़ावा मिलता है। आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन न केवल व्यापारिक सौदों को बल्कि ब्रांड पहचान और बाजार विस्तार को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे ज्वेलरी व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

आईआईजेएस अर्थात ज्वेलरी ट्रेड का नेटवर्किंग मंच

रिंकू बाफना
लक्ष्मी गोल्ड

इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो अर्थात आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित, भारत में ज्वेलरी व्यापार के लिए एक प्रमुख मंच है। यह एग्जिबिशन देश-विदेश के निर्माताओं, डिजाइनरों, और खरीदारों को एक मंच पर लाती है, जिससे व्यापारिक नेटवर्किंग और सौदों को बढ़ावा मिलता है। यहां एग्जिबिटर्स अपने उत्पादों को वैश्विक खरीदारों के सामने प्रस्तुत करते हैं, जिससे निर्यात के नए अवसर खुलते हैं। आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन से बीते साल 50,000 करोड़ रुपये के व्यापार की उम्मीद जताई गई थी, जो पूरी हो गई थी।

साल दर साल आईआईजेएस की लोकप्रियता में वृद्धि

श्रेयांश कोठारी
बी डी बैंगल्स

पिछले चार दशकों में ज्वेलरी उद्योग में आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रत्येक वर्ष इसकी लोकप्रियता और प्रभाव में वृद्धि हो रही है। 2024 में आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन प्रीमियर और सिग्नेचर सहित आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन तृतीया जैसे आयोजनों ने लाखों एग्जिबिटर्स और खरीददारों को आकर्षित किया है। यह शो न केवल भारत बल्कि दुनियाया भर के ज्वेलर्स को भी आकर्षित कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय ज्वेलर्स को लाभ मिल रहा है। जीजेईपीसी की रणनीतियां और सरकार के समर्थन से आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत कर रहा है।

ज्वेलरी इंडस्ट्री का प्रभावशाली मंच है आईआईजेएस

अनिल पामेचा
स्काय चेन्स

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में हमारे ज्वेलरी उद्योग जगत के दिग्गजों की उपस्थिति इसके महत्व को को दर्शाती है। हर साल नए थीम के साथ यह शो भारतीय ज्वेलरी की कारीगरी और नए नए डिजाइंस को प्रदर्शित करता है। डिजिटल तकनीक और लैब-ग्रोन डायमंड्स जैसे नए रुझानों को शामिल करने से आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन आधुनिक बाजार की जरूरतों को पूरा करता है। इसकी सफलता का श्रेय जीजेईपीसी की वैश्विक पहुंच, और उद्योग के प्रति उसके समर्पण को जाता है, जो इसे साल दर साल और प्रभावशाली बनाता जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ आईआईजेएस में सीधा संपर्क

दिनेश कोठारी
विनायक एक्सपोर्ट

देश के बड़े बड़े ज्वेलर्स सहित, सामान्य ज्वेलर्स, जो अक्सर छोटे या मध्यम स्तर के व्यवसाय चलाते हैं, उनके लिए भी आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन एक अनमोल अवसर माना जाता है। यह शो उन्हें बड़े खरीदारों, निर्यातकों, और अंतराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ सीधा संपर्क स्थापित करने का मौका देता है। छोटे ज्वेलर्स अपने हस्तनिर्मित या स्थानीय डिज़ाइनों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित कर सकते हैं, जो उनकी पहचान बढ़ाता है। इसके अलावा, शो में आयोजित सेमिनार और कौशल विकास कार्यक्रम छोटे ज्वेलर्स को तकनीकी और व्यावसायिक ज्ञान प्रदान करते हैं।

आईआईजेएस में बड़े ब्रांड्स की बराबरी में विकास के अवसर

नरेन्द्र नवलखा
स्वर्ण श्री चेन

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन सामान्य ज्वेलर्स के लिए व्यापारिक विकास और आत्मविश्वास का स्रोत है। आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन में भाग लेने से उन्हें नवीनतम बाजार रुझान, जैसे लैब-ग्रोन डायमंड्स या हल्के आभूषण, की जानकारी मिलती है। यह हर ज्वेलर के उत्पादों की गुणवत्ता और मार्केटिंग रणनीति को बेहतर बनाने में मदद करता है। आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन के माध्यम से सामान्य ज्वेलर्स को बड़े ऑर्डर मिलने की संभावना बढ़ती है, जो उनके व्यवसाय को आर्थिक रूप से मजबूत करता है। साथ ही, यह शो उन्हें बड़े ब्रांड्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने की प्रेरणा देता है।

भारतीय ज्वेलरी के प्रदर्शन का वैश्विक मंच है आईआईजेएस

संदीप कोठारी
मिथाली गोल्ड

आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन, ज्वेलरी उद्योग के लिए व्यापारिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन हैं। यह आयोजन ज्वेलरी के निर्माताओं, सप्लायर्स, और खरीददारों को एक मंच पर लाता है। यह ज्वेलरी एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलरी को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं, जिससे दुनिया भर की भारतीय ज्वेलरी के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। इसके अलावा, ये नए बाजार रुझानों और प्रौद्योगिकियों को समझने का माध्यम हैं। कुल मिलाकर, आईआईजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन व्यापारिक विकास, सहयोग, और विस्तार के एक मंच का काम कर रही हैं।

OPENING & CLOSING RATES

1-30 June 2025

Note: 1. Below Rates are exclusive of VAT. 2. Opening Rates are not provided on Saturday
3. Opening and Closing Rates are not provided on Sunday's and Holidays.

GOLD ₹ SILVER

RATE CHART

Source : India Bullion and Jewellers Association Ltd.

Date	Gold 999 (AM Price)	Gold 999 (PM Price)	Gold 995 (AM Price)	Gold 995 (PM Price)	Gold 916 (AM Price)	Gold 916 (PM Price)	Silver 999 (AM Price)	Silver 999 (PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
01-Jul-25	96882	97430	96494	97040	88744	89246	105925	106963
30-Jun-25	95951	95886	95567	95502	87891	87832	105875	105510
29-Jun-25	SUN							
28-Jun-25	SAT							
27-Jun-25	96135	95784	95750	95400	88060	87738	106800	105193
26-Jun-25	97030	97159	96641	96770	88880	88998	106525	107150
25-Jun-25	97151	97157	96762	96768	88990	88996	105650	105200
24-Jun-25	97288	97263	96898	96874	89116	89093	105898	105967
23-Jun-25	98884	99348	98488	98950	90578	91001	106800	107063
22-Jun-25	SUN							
21-Jun-25	SAT							
20-Jun-25	98503	98691	98109	98296	90229	90401	105592	106775
19-Jun-25	98768	99261	98373	98664	90471	90923	107343	107383
18-Jun-25	99018	99454	98622	99056	90700	91100	109550	109412
17-Jun-25	98810	99147	98414	98750	90510	90819	106952	109100
16-Jun-25	99214	99373	98817	98975	90880	91026	106490	106700
15-Jun-25	SUN							
14-Jun-25	SAT							
13-Jun-25	99170	99058	98773	98661	90840	90737	106240	106167
12-Jun-25	97164	97455	96775	97065	89002	89269	105948	105498
11-Jun-25	96055	96235	95670	95850	87986	88151	106194	105494
10-Jun-25	96006	96359	95622	95973	87942	88265	106457	107000
09-Jun-25	95718	95864	95335	95480	87678	87811	105290	105560
08-Jun-25	SUN							
07-Jun-25	SAT							
06-Jun-25	97358	97145	96968	96756	89180	88985	104610	105285
05-Jun-25	97291	98163	96901	97770	89119	89917	101298	104675
04-Jun-25	96988	96747	96600	96360	88841	88620	101000	100980
03-Jun-25	96962	96867	96574	96479	88817	88730	99939	100460
02-Jun-25	96192	96680	95807	96293	88112	88559	97392	97761
01-Jun-25	SUN							

2025 में गोल्ड से बंपर कमाई ब्रोकरेज ने बताया निवेशकों को अगला कदम

मोतीलाल ओसवाल का मानना है कि फिलहाल तो सोने में बड़ी तेजी की संभावना कम है। लेकिन अगर भविष्य में कोई बड़ा, लंबी अवधि का ट्रिगर सामने आता है, तो फिर से निवेश का मौका बन सकता है। ब्रोकरेज ने तकनीकी निवेशकों के लिए सलाह दी है अगर सोने की कीमत रू 96,000 के नीचे टिकती है, तो लॉन्ग पोजीशन वालों को हेजिंग या एग्ज़िट करने पर विचार करना चाहिए।

2025 में अब तक 30 प्रतिशत चढ़ चुका है सोना, लेकिन मोतीलाल ओसवाल का कहना है कि बिना किसी नए बड़े ट्रिगर के कीमतों में अब और तेजी की संभावना नहीं है। साल 2025 में अब तक सोने ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। निवेशकों को लगभग 30 प्रतिशत तक का रिटर्न मिला है, जो शेयर बाजार समेत कई अन्य एसेट क्लास से कहीं ज्यादा है। वहीं, एनआईएफटी 450 इंडेक्स सिर्फ 8 प्रतिशत चढ़ पाया है। इस शानदार तेजी के पीछे मुख्य वजहें थीं पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात, ट्रम्प की टैरिफ नीति और डॉलर की कमजोरी। निवेशकों ने रिस्क से बचने के लिए 'सुरक्षित ठिकाना' माने जाने वाले सोने की तरफ रुख किया। इसके साथ-साथ चांदी और प्लैटिनम की कीमतें भी चढ़ीं।

लेकिन अब ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल का मानना है कि सोने की कीमत में और ज्यादा बढ़त की संभावना कम है। ब्रोकरेज ने कहा, अब तक सोना 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ चुका है, और पिछले 25 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ कि कॉमेक्स गोल्ड ने एक साल में 32 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया हो। रिपोर्ट के मुताबिक, अब बाजार को किसी नए और बड़े ट्रिगर की ज़रूरत है। जब तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता, तब तक कीमतें एक सीमित दायरे में रह सकती हैं यानी कंसॉलिडेशन फेज़ में।

हाल ही में इज़राइल-ईरान तनाव में कमी और अमेरिका समेत कुछ देशों के बीच व्यापारिक समझौते के चलते वैश्विक अनिश्चितता कम हुई है। इसकी वजह से निवेशकों ने सोने से थोड़ी दूरी बना ली है।

पहले, जब ट्रम्प की टैरिफ नीति का असर था और युद्ध का डर बना हुआ था, तब गोल्ड में काफी तेज़ी आई थी। मोतीलाल ओसवाल का मानना है कि फिलहाल तो सोने में बड़ी तेजी की संभावना कम है। लेकिन अगर भविष्य में कोई बड़ा, लंबी अवधि का ट्रिगर सामने आता है, तो फिर से निवेश का मौका बन सकता है। ब्रोकरेज ने तकनीकी निवेशकों के लिए सलाह दी है अगर सोने की कीमत रू 96,000 के नीचे टिकती है, तो लॉन्ग पोजीशन वालों को हेजिंग या एग्ज़िट करने पर विचार करना चाहिए।

सोना VS चांदी : एक्सपर्ट बता रहे हैं 2025 की दूसरी छमाही में किसमें मिलेगा बंपर रिटर्न

2025 की पहली छमाही में सोना और चांदी सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एसेट क्लास बनकर उभरी हैं। इसकी बड़ी वजह रही ईरान-इज़रायल के बीच बढ़ता तनाव, अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक टकराव, और वैश्विक मंदी की आशंका। इन हालातों में निवेशकों ने सुरक्षित विकल्प की तलाश में सोने-चांदी की ओर रुख किया। वैश्विक बाज़ार में इस साल अब तक चांदी की कीमतों में 24.5 प्रतिशत की तेज़ी आई है। इसकी वजह है चांदी की मांग का बढ़ना – खासकर क्लीन एनर्जी, कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और ज्वेलरी इंडस्ट्री में। भारत में मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 22.09 प्रतिशत चढ़ी है। लेकिन सोने ने उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया है। दुनिया भर में सोना 25.3 प्रतिशत और भारत में 25.6 प्रतिशत तक महंगा हुआ है। इसकी वजह रही मंदी के डर से सोने की खरीद और केंद्रीय बैंकों की ओर से बड़े स्तर पर खरीदारी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड नवनीत दमानी का कहना है कि डॉलर इंडेक्स में गिरावट, अमेरिका के फेडरल रिज़र्व द्वारा भविष्य में महंगाई बढ़ने की संभावना जताना, और

अमेरिकी बॉन्ड बाज़ार में उतार-चढ़ाव ने सोने-चांदी के लिए रिस्क प्रीमियम बढ़ा दिया है।

मिराए एसेट शेयरखान के कमोडिटी रिसर्च एनालिस्ट मोहम्मद इमरान का मानना है कि साल की दूसरी छमाही में चांदी सोने से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। इसकी वजह है इंडस्ट्रियल डिमांड में इज़ाफा (2025 में 3 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान, 680.5 मिलियन आउंस तक), साथ ही सप्लाई की कमी (117.7 मिलियन आउंस)। इमरान का अनुमान है कि साल के अंत तक चांदी 40-42 तक पहुंच सकती है, और 2026 में यह 50 तक भी जा सकती है। वहीं, सोने में थोड़ी मुनाफावसूली के बाद 3,200-3,185 का सपोर्ट ले सकता है, और फिर 3,600-3,800 तक जा सकता है। जानकारों का कहना है कि अगर अमेरिका में महंगाई बढ़ती है, वैश्विक अर्थव्यवस्था और सिकुड़ती है, या कोई नई ट्रेड वॉर शुरू होती है, तो इससे सोने की कीमतें और ऊपर जा सकती हैं। अमेरिका का कर्ज-जीडीपी रेशियो 126 प्रतिशत तक पहुंच गया है, मूडीज़ ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग डाउनग्रेड की है, और चीन अमेरिकी बॉन्ड में निवेश कम कर रहा है। साथ ही, सेंट्रल बैंकों की ओर से सोने की लगातार खरीदारी हो रही है। ये सब सोने की कीमतों को सहारा देंगे। मोतीलाल ओसवाल के नवनीत दमानी का कहना है कि सोने में फिलहाल सतर्कता बरतें। उनका मीडियम-टर्म टारगेट रू. 1,02,000 है, लेकिन फिलहाल इंतज़ार करना समझदारी हो सकती है। चांदी के लिए 'गिरावट में खरीद' की रणनीति अपनाने की सलाह दी गई है, जिसमें 1,11,000 और 1,15,000 के टारगेट दिए गए हैं।

2 अरब से भी ज्यादा है दुनिया की सबसे महंगी ड्रेस की कीमत, 750 हीरों से है सजी

हजारों- लाखों की ड्रेस पहने आपने कई एक्ट्रेस को देखा होगा। लेकिन दुनिया की सबसे महंगी ड्रेस की कीमत तो लाखों- करोड़ों से भी कई ज्यादा है। डायमंड से लदी होने की वजह से इसका डिजाइन इतना दमदार बना कि हर कोई निहारता रह गया।

कपड़ों पर लाखों- करोड़ों खर्च कर देना कुछ लोगों के लिए बिल्कुल भी बड़ी बात नहीं है। तभी तो कोई सोने से जड़ी साड़ी पहनता है, तो कोई डायमंड वाली ड्रेस। दुनिया की सबसे महंगी ड्रेस पर भी खूब सारे डायमंड जड़े हुए हैं। और, यह इतनी कीमती है कि पहनने वाले को बॉडी गार्ड बुलाने पड़ गए थे। पर कीमत कितनी भी ज्यादा क्यों न हो, लेकिन साल 2009 में बनी इस ड्रेस का जबरदस्त स्टाइल देख आज भी लोग तारीफ करते हैं।

2025 में हीरे की मांग में उछाल आने की उम्मीद

भारत प्रमुख विकास बाजार के रूप में उभरेगा

2022 में मजबूत मूल्य निर्धारण और मांग की अवधि के बाद, वैश्विक हीरा उद्योग को 2023 और 2024 तक मंदी का सामना करना पड़ा। हालांकि, 2025 में मांग के रुझान में सुधार और अधिक सकारात्मक बाजार भावना के साथ पुनरुद्धार की शुरुआत हुई है।

जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका की अध्यक्ष और सीईओ सुसान जैक्स ने स्वीकार किया कि पिछले कुछ साल रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2021 में उछाल - महामारी के बाद की जीवनशैली में बदलाव जैसे कि कम यात्रा और विलासिता के सामानों पर खर्च में वृद्धि - एक असाधारण चरण था। इसके बाद की मंदी अपरिहार्य थी, लेकिन अब प्रमुख बाजारों में सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

भारत ने इस उछाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जैक्स ने हीरे के साथ देश के गहरे सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि पिछले दो दशकों में वैश्विक मांग में भारत की हिस्सेदारी काफी हद तक बढ़ी है - जो आज केवल 2 प्रतिशत से लगभग 11 प्रतिशत हो गई है। इस वृद्धि के कारण भारत वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक हीरों का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है, जो केवल संयुक्त राज्य अमेरिका से पीछे है, जहां अभी भी बिक्री में लगभग 55 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

सोने की तेजी ने बढ़ाई डायमंड की मांग

आगे कितनी ग्रोथ की हैं उम्मीद!

सोने की तेजी से एक बार फिर से डायमंड की डिमांड बढ़ा दी है। देश में लैब ग्रोन डायमंड्स की मांग बढ़ी है। देश के युवाओं में नैचुरल, लैब ग्रोन की मांग बढी है। बढ़ती कीमतों के चलते लोगों का रुझान 18 कैरेट और 14 कैरेट के गहनों की तरफ ज्यादा बढा है। 2025 में अब तक सोना जहां 28 प्रतिशत चढ़ा है, वहीं चांदी में 25 फीसदी की तेजी देखने को मिली है।

बता दें कि भारत डायमंड ज्वेलरी का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। लैब ग्रोन डायमंड बनाने में भारत का 50 प्रतिशत हिस्सा है। आगे कैसे रहेगी डायमंड की डिमांड इसी पर बात करते हुए लक्ष्मी डायमंड के चेतन मेहता का कहना है कि 2023-24 में हीरे के बाजार में मंदी थी। हीरे के दाम गिरने का असर इंडस्ट्री पर पड़ा। हर साल हीरे की मांग बढ़ती ही दिखी है, 2025 में हीरे के बाजार में बढ़त लौटी है। नैचुरल डायमंड्स की मांग तेजी से बढ़ी है। हालांकि डायमंड की कीमतों में स्थिरता आई है।

उन्होंने कहा कि सोने की तेजी का फायदा डायमंड को मिला। लोगों का डायमंड्स में निवेश बढ़ा है। सोने दाम चढ़ने से डायमंड इंडस्ट्री को फायदा मिलेगा। महिलाओं में सोने के प्रति खास लगाव है। सोने के दाम चढ़ने से हल्के गहनों की मांग बढ़ी। 18-14 कैरेट के गहनों की मांग बढ़ी है। साउथ में 22 कैरेट के गहनों की मांग कायम है। दाम चढ़ने से डियनिंग का महत्व बढ़ा है। ज्वेलर्स भी अब बजट में गहने बना रहे हैं। कम वजन वाले गहनों की बिक्री ज्यादा है।

सॉलिटेयर हर कोई नहीं पहन सकता है। सॉलिटेयर आम आदमी के बजट से बाहर है। 1-11 सेंट के हीरों की मांग हमेशा रहती है। ज्लेवरी ज्यादातर छोटे डायमंड्स से बनती है। बाजार में सॉलिटेयर की हिस्सेदारी 5-7 प्रतिशत है, जबकि 92-93 प्रतिशत बाजार छोटे हीरों का ही है। छोटे हीरों का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। क्यू2 से डायमंड इंडस्ट्री को काफी उम्मीदें है। साल के 6 महीने ही मांग देखने को मिलती है। त्योहारों के मद्देनजर सोने की मांग बढ़ेगी। लोग मान रहे हैं कि सोने के दाम ज्यादा नहीं गिरेंगे।

चेतन मेहता ने आगे कहा कि साउथ में डायमंड्स की मांग ज्यादा है। बेस क्वालिटी डायमंड्स साउथ में बिकते हैं। VVS क्वालिटी के डायमंड्स की मांग ज्यादा है। नॉर्थ, दूसरे राज्यों में बड़े डायमंड्स की मांग ज्यादा है।

स्वर्णशिल्प चेन्स एंड ज्वेलर्स की खुशबू राणावत का कहना है कि लोगों के लिए सोना अब निवेश बन गया है। लोग पूरी पूंजी शेयर में नहीं लगाना चाहते हैं। हल्के गहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। 18 कैरेट ही अब सोने का अगला भविष्य है। 18 कैरेट के गहनों की मांग काफी बढ़ी है। एफवाय का क्यू1 इंडस्ट्री के लिए सुस्त रहा, लेकिन क्यू2 से इंडस्ट्री को काफी उम्मीदें हैं। धनतेरस एवं दिवाली पर मांग हमेशा बढ़ती है। गहनों की डिजायनिंग में एआई का इस्तेमाल बढ़ा है। युवाओं में भी सोने के प्रति आकर्षण बढ़ा है। हमारा डिजायनिंग पर काफी जोर है। 18, 14, 9 कैरेट के गहनों का एक्सपोर्ट बढ़ा है।

त्रिलोकेश ज्वेलरी के प्रशांत मेहता का कहना है कि लैब ग्रोन हीरों की मांग देश में बढ़ी है। 15-10 साल पहले ही लैब ग्रोन डायमंड आए। शुरूआत में प्रोडक्शन कॉस्ट ज्यादा था। समय बीतने के साथ प्रोडक्शन कॉस्ट गिरी। लैब ग्रोन हीरों के दाम गिरने की उम्मीद नहीं है। नैचुरल हीरों की 5-10 प्रतिशत कीमत में मिल जाता है। मिडिल क्लास में लैब ग्रोन हीरों की मांग बढ़ी। भारत की ग्लोबल उत्पादन में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सरकार भी लैब ग्रोन हिरों को बढ़ावा दे रही है। पिछले साल 700-800 करोड़ का एक्सपोर्ट हुआ। इस साल 2000 करोड़ के एक्सपोर्ट का अनुमान है। 10 बिलियन डॉलर की इंडस्ट्री बनाने का लक्ष्य है। देश में तेजी से लैब ग्रोन हीरों की मांग बढ़ी है। नए नए डिजाइन बनाने में भी आसानी होती है।

उन्होंने आगे कहा कि लागत में लेबर कॉस्ट की 80 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि सिर्फ 20 प्रतिशत ही मटेरियल की हिस्सेदारी है। लैब ग्रोन हीरों की ड्यूरेबिलिटी नेछुरल हीरों जैसी है। सालों तक पहले चमक कम होने वाली नहीं है। बायबैक करने में भी कोई परेशानी नही है। कभी भी 80 प्रतिशत बायबैक लोगों को दे सकते हैं।

LAXMI
DIAMONDS
BENGALURU

IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025
31st July - 4th August, 2025
Bombay Exhibition Centre- Mumbai

Zone – 1 C
Hall No. 1 BEC
Stall No. 1A 32G

For Any Business Enquiry Call Mr.Laxman +91 9380888030

LAXMI IMPERIAL PVT LTD

A leading manufacturer of closed setting diamond jewellery

www.laxmidiamonds.com

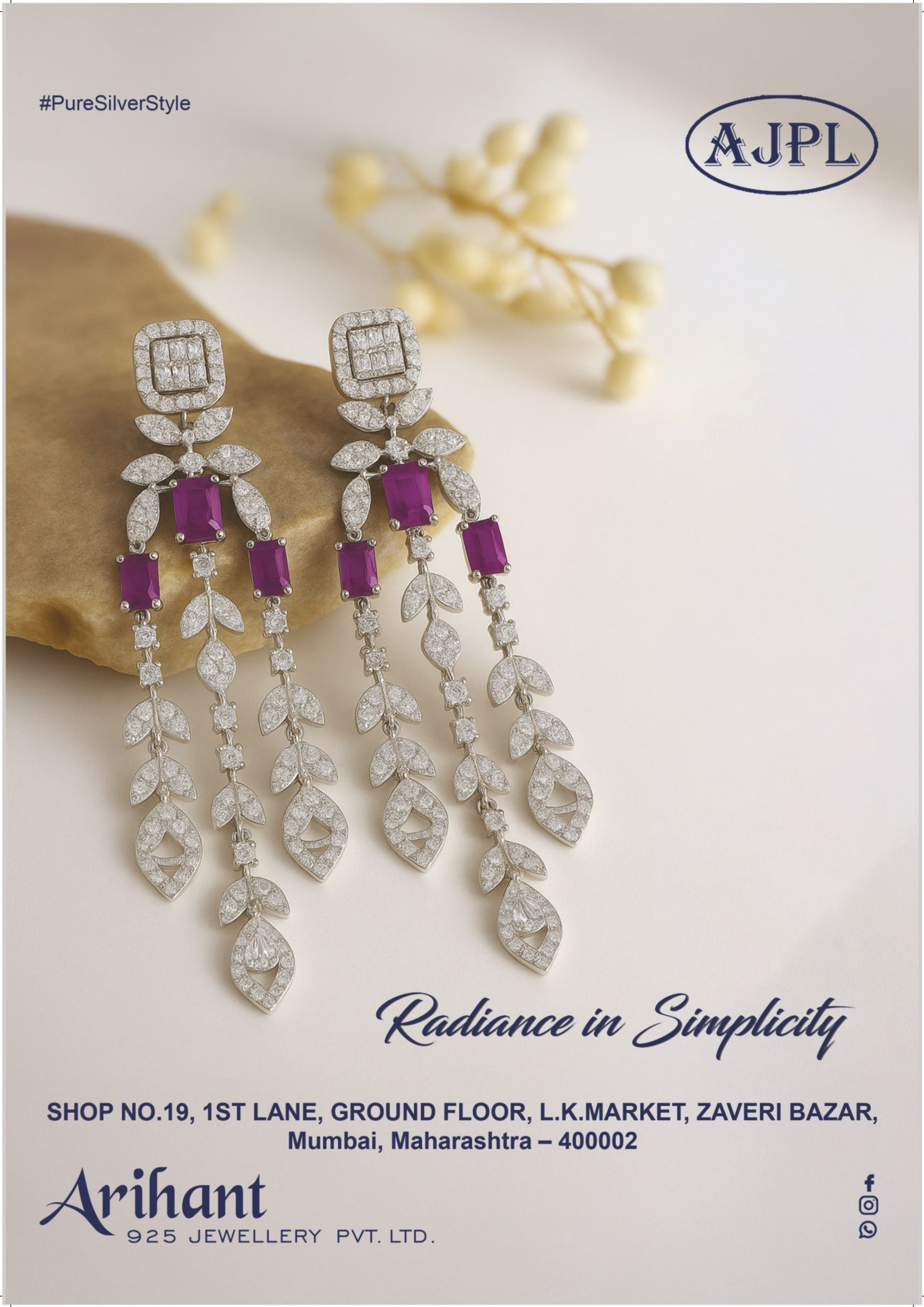
#PureSilverStyle
AJPL
Radiance in Simplicity
SHOP NO.19, 1ST LANE, GROUND FLOOR, L.K.MARKET, ZAVERI BAZAR,
Mumbai, Maharashtra – 400002
Arihant
925 JEWELLERY PVT. LTD.

ml kanhaiyalal™
JEWELS
Manufacturer of
Plain Gold Jewellery

RA®
ramasha
Gems and Jewels LLP
Manufacturer of
Diamond Jewellery

Visit us at
iiJS INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE - 2025
31st July - 4th August-2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai

Zone - 1B
Hall - 1
Stall - 1G 173

MANISH SONI
+91 98207 76844

Ramjivanlal Soni

AMIT SONI
+91 98207 70094

A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane,
Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.

84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/
WE HAVE NO OTHER BRANCHES

Brahammand
CUSTOM MADE JEWELLERY

INTRODUCING INDIA'S FIRST EVER

GOLD PHOTO PENDANTS

MEETS US AT

STALL NO

JIO-P 26p

iiJS INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE 2025

30th July - 3rd August, 2025
Jio World Convention Centre- Mumbai

Be among the first to showcase your story in gold with us!

brahammand.jewels

+91 74200 02475
Order dept

+91 98200 03949
Mahendra Ranawat

+91 98334 42383
Pranav Ranawat

306, Kakad Market, 3rd Floor, 306 Kalbadevi Road. Mumbai-400 002

PURPLE
JEWELS PVT. LTD.

#PurpleJewels

IIJS PREMIERE INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

31 July - 04 August 2025

Hall No: 03
Stall No: 3Q440

Grace, carved in silver

BENGALURU 9844100503

CHENNAI 9841472000

MUMBAI 9920274644

HYDERABAD 9035130300

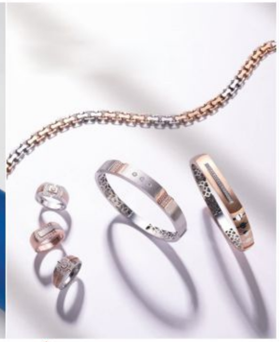
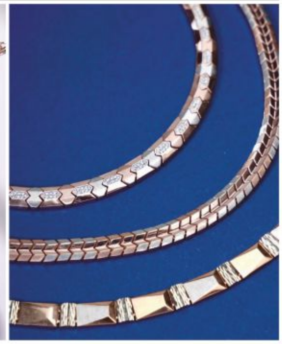

रॉयल चेन्स
देश के ज्वेलरी मार्केट में बड़ा नाम

देश भर में गोल्ड, सिल्वर व डायमंड ज्वेलरी व चेन्स निर्माण के क्षेत्र में रॉयल चेन्स एक प्रमुख ज्वेलरी निर्माता कंपनी है, और दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करता हुआ यह संस्थान ज्वेलरी बिजनेस में एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति बना रहा है। हाल के वर्षों में रॉयल चेन्स ने देश के ज्वेलरी मार्केट में बड़ी छलांग लगाई है। शत प्रतिशत क्वालिटी के साथ 15 हजार से भी ज्यादा ज्वेलरी डिजाइंस बाजार में उतारनेवाली रॉयल चेन्स के पास देश भर में लगभग 1500 से भी ज्यादा रिटेल पार्टनर्स और शो रूम्स का एक व्यापक नेटवर्क है। रॉयल चेन आज देश के बडी गोल्ड चेन कंपनियों में से एक है।

भारतीय ज्वेलरी मार्केट के लिए यह अपने आप में गर्व की बात है कि वर्तमान में, रॉयल चेन संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, हांगकांग और संयुक्त राज्य अमेरिका को भी अपनी ज्वेलरी का निर्यात कर रहा है। देश-विदेश में अपनी क्वालिटी, प्योरिटी व क्रियेशन से धाक जमाने वाली रॉयल चेन्स की कमान राजस्थान में कोसेलाव के मूल निवासी जैन परिवार के फुटरमल दलीचंदजी जैन के हाथ में है। फुटरमल जैन ने ही इस कंपनी की स्थापना की और उन्हीं के नेतृत्व में यह कंपनी लगातार विकास के नए आयाम स्थापित करती हुई भारत में एक प्रमुख गोल्ड चैन और ज्वेलरी निर्माता कंपनी बन गई है। फुटरमल जैन

ROYAL CHAINS PVT. LTD.

फुटरमल जैन | मनिष जैन | सुरेश जैन | निलेश जैन

रॉयल चेन्स की खासियत यह है कि वह भविष्य का दृष्टिकोण रखनेवाले समाज के उपयोग व उत्कृष्टता को खयाल में रखते हुए अपनी ज्वेलरी को क्वालिटी प्रोडक्ट के रूप में तैयार करके बाजार में उतारता है, जो खरीददार को उसकी कीमत के उचित मूल्य का आभास तो कराते ही है, खरीददारों को अपनी ईमानदारी का आभास कराते हुए पूरी गरिमा के साथ सेवाएं प्रदान करते हैं।

बेहद मेहनती व्यक्ति हैं, तो उनके तीनों बेटे सुरेश जैन, मनीष जैन और निलेश जैन भी अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए कडी मेहनत करके रॉयल चैन को वैश्विक स्तर पर स्थापित कर रहे हैं। रॉयल चेन्स की खासियत यह है कि वह भविष्य का दृष्टिकोण रखनेवाले समाज के उपयोग व उत्कृष्टता को खयाल में रखते हुए अपनी ज्वेलरी को क्वालिटी प्रोडक्ट के रूप में तैयार करके बाजार में उतारता है, जो खरीददार को उसकी कीमत के उचित मूल्य का आभास तो कराते ही है, खरीददारों को अपनी ईमानदारी का आभास कराते हुए पूरी गरिमा के साथ सेवाएं प्रदान करते हैं।

सन 1987 में रॉयल चेन्स को एक ऐसे ब्रांड के रूप में लॉन्च किया गया था, तो पहला उद्देश्य ही यह था कि ग्राहकों को भरोसे के साथ उच्च क्वालिटी और प्योरिटी और वाजिब मूल्य का संतोष भी मिले। रॉयल चेन्स की शुरूआत सुलभ ब्रांड के रूप में स्थापित हुई, जो सदा से ही किफायती और उच्च क्वालिटी वाली ज्वेलरी की पेशकश करता रहा है, जो ज्वेलरी के केवल महंगे गहनों की अवधारणा के बजाय जीवन शैली की अभिव्यक्ति के रूप में दर्शाता है। लगभग 77 वर्ष की उम्र में भी चीते जैसी स्फुर्ति रखने वाले फुटरमल जैन को व्यावसायिक सफलता के नए आयाम स्थापित करने के लिए इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसियेशन की तरफ से 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' और सामाजिक कार्यो के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के हाथों 'समाज रत्न' सम्मान प्रदान किया। 'आयकॉन ऑफ जवेरी बाजार' अवॉर्ड भी उन्हें मिला है।

पढ़ाई के बाद फुटरमल जैन अपने भाई के साथ 10 साल तक गोल्ड व्यवसाय से जुड़े रहने के बाद वे स्टील के रिटेल बिजनेस में चले गए, वहां उन्हें शोहरत मिली। मगर, दशक भर बाद वहां से फिर गोल्ड बिजनेस में आए और रॉयल चैन की स्थापना की। उनकी कुछ ही वक्त में रॉयल चेन की पहचान भी बन गई। आज हर तरह की गोल्ड चेन के उत्पादन के साथ देश के सभी ज्वेलरी एक्जीबिशन में रॉयल चेन की उपस्थिति रहती है। अब तो उनके बेटे निलेश जैन रॉयल चेन के अन्तर्गत ही डायमण्ड का व्यवसाय भी कर रहे हैं। अपने जीवन की हर सफलता का सारा श्रेय वे अपनी माता सुमतीबाई और पिता दलीचंदजी जैन को देते है।

ROYAL CHAIN
PRIVATE LIMITED

invites you to witness the grandeur of craftsmanship and timeless elegance

IIJS PREMIERE

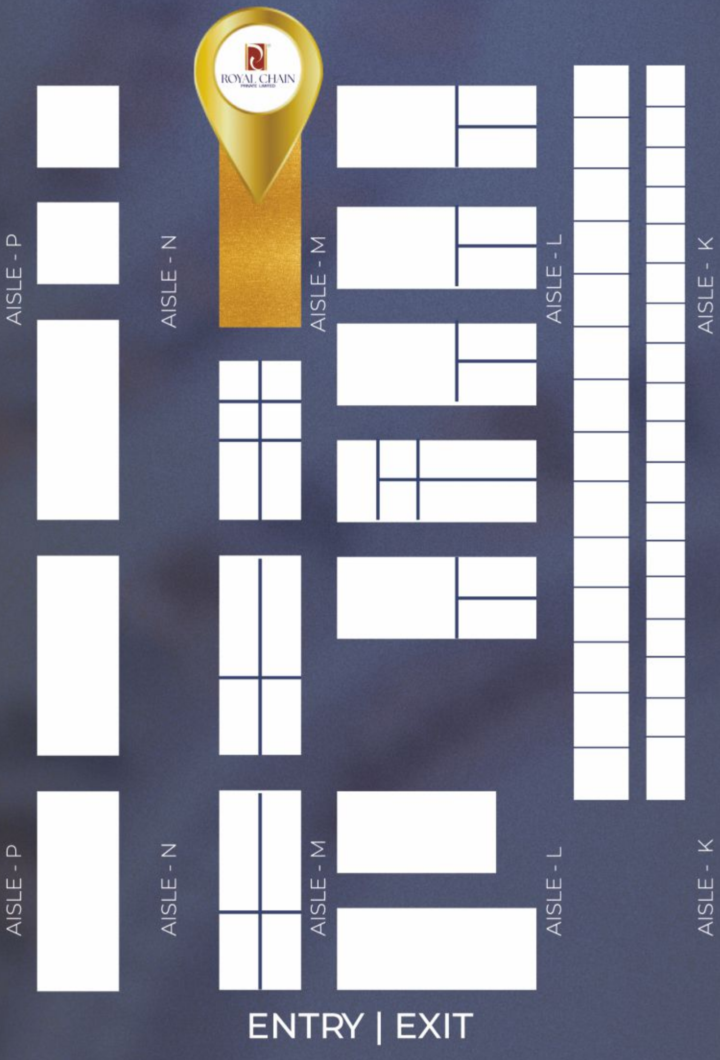

JUL AUG
30 - 4
2025

STALL NO :
3N381

HALL NO : 3

Bombay Exhibition Center (NESCO)

#HameshaKeLiyeRoyal

श्रृंगार - हाउस ऑफ मंगलसूत्र लि. ने दिल्ली में अपना पहला शाखा कार्यालय खोला

मंगलसूत्र निर्माण में भारत का सबसे भरोसेमंद और सम्मानित नाम श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र लिमिटेड ने दिल्ली में अपने पहले उत्तर भारत शाखा कार्यालय का उद्घाटन हुआ। जो इस क्षेत्र के संपन्न खुदरा और थोक आभूषण समुदाय को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए एक रणनीतिक कदम है। 301/302, बिल्डिंग नंबर 1149 ए कूचा महाजनी, चांदनी चौक में एक प्रमुख स्थान पर नई शाखा ऐतिहासिक स्वर्ण आभूषण बाजार के प्रवेश द्वार पर स्थित है। भव्य उद्घाटन समारोह में आभूषण उद्योग, खुदरा भागीदारी और सम्मानित ग्राहकों की प्रमुख हस्तियाँ शामिल हुई।

चेतन थडेश्वर

चेयरमेन और एमडी चेतन थडेश्वर ने कहा कि हमारी दिल्ली शाखा खोलना सिर्फ एक विस्तार से कहीं ज्यादा है, यह उत्तर भारत में हमारे भागीदारों के लिए बेहतरीन शिल्प कौशल, समकालीन डिजाइन और बेजोड़ विश्वसनीयता लाने के हमारे समर्पण का प्रतिबिंब है। यह मील का पत्थर एक मजबूत अखिल भारतीय नेटवर्क बनाने की हमारी दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा है जो खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं और संगठित मंगलसूत्र खुदरा बिक्री की बढ़ती मांग का समर्थन करता है।

विराज थडेश्वर

सीईओ विराज थडेश्वर ने कहा कि हमारे उत्तर भारतीय खुदरा विक्रेता और थोक विक्रेता हमारी यात्रा में महत्वपूर्ण रहे है, और यह कदम उन्हें समर्पित है। दिल्ली में होने से हमें बाजार की जरूरतों के प्रति तेजी से प्रतिक्रिया करने, क्षेत्र विशेष संग्रह पेश करने और सेवा उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने में मदद मिलती है। हम सिर्फ विस्तार नहीं कर रहे हैं, हम अपने भागीदारों को बेहतर सेवा देने के लिए विकसित हो रहे हैं। हमारा लक्ष्य उनका सबसे भरोसेमंद मंगलसूत्र भागीदार बनना है।

कजाकस्तान, तुर्की, पोलैंड और सिंगापुर से पिछड़ गए भारत और चीन, अमेरिका है बेताज बादशाह

सोने की कीमत में आज गिरावट दिख रही है। एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना 550 रुपये की गिरावट के साथ 95,922 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा है। हाल के दिनों में सोने की कीमत में भारी तेजी आई है लेकिन सेंट्रल बैंकों द्वारा सोने की खरीदारी जारी है। मई में सेंट्रल बैंकों ने 20 टन सोना खरीदा जो तीन महीने में सबसे ज्यादा है। लगातार 24वें महीने दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीदारी की है। पिछले एक साल के दौरान केंद्रीय बैंकों ने हर महीने औसतन 27 टन सोने की खरीदारी की है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल द्वारा 73 सेंट्रल बैंकों के बीच कराए गए एक सर्वे के मुताबिक 95 फीसदी ने कहा कि उनके गोल्ड रिजर्व में अगले एक साल के दौरान तेजी आने की उम्मीद है। मतलब साफ है कि केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद आगे भी जारी रहेगी। डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए भी कई बैंक सोने का रुख कर रहे हैं।

सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। इसके बावजूद सेंट्रल बैंक जमकर सोने की खरीदारी कर रहे हैं। मई में लगातार 24वें महीने दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीदारी की। लेकिन मई में भारत और चीन के सेंट्रल बैंक सोने की खरीदारी में पिछड़ गए।

मई में सोना खरीदने में कजाकस्तान का सेंट्रल बैंक सबसे आगे रहा। इसके बाद तुर्की, पोलैंड और सिंगापुर का नंबर है। आरबीआई ने इस वित्त वर्ष में सोने की खरीदारी नहीं की है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में मार्च अंत से कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह 880 टन पर अटका हुआ है। देश की नेट फॉरेन एसेट्स में सोने की हिस्सेदारी मार्च 2025 में 12 फीसदी पहुंच गई है जो मार्च 2024 के अंत में 8.3 फीसदी थी। दुनिया का सबसे बड़ा गोल्ड रिजर्व अमेरिका के पास है। इस देश के सरकारी खजाने में 8,133 टन सोना जमा है। दुनिया का कोई दूसरा देश दूर-दूर तक उसकी टक्कर में नहीं है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जर्मनी है। उसके पास 3,352 टन सोना है। तीसरे नंबर पर इटली का नाम है। उसके केंद्रीय बैंक के पास 2,452 टन गोल्ड है। फ्रांस 2,437 टन गोल्ड के साथ इस लिस्ट में चौथे नंबर पर है। अगला नंबर रूस का है। उसके पास 2,340 टन सोना पड़ा है।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश चीन इस लिस्ट में छठे नंबर पर है। उसके पास 1,948 टन सोने का भंडार है। चीन ने हाल के वर्षों में तेजी से अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाया है। दुनिया में सोने की सबसे ज्यादा खपत चीन में ही होती है। इसके बाद नंबर है यूरोप के छोटे से देश स्विट्जरलैंड का। उसके पास 1,040 टन सोना है। स्विट्जरलैंड की आबादी करीब 89 लाख है और यह आबादी के मामले में हमारे उत्तराखंड से भी छोटा है। लेकिन इसका गोल्ड रिजर्व भारत से बड़ा है।

BHAVIKA ®
JEWELLERS

MFG. & DEALERS IN :
GOLD ORNAMENTS

IIJS PREMIERE 2025
31th JULY- 4th AUG.2025
Bombay Exhibition Centre
Mumbai

HALL NO.
04

STALL NO.
4S_497

Office Address

B3/B4, Ground Floor, GLITZ MALL, 99 Vithalwadi,
Champa Galli Cross Lane, Kalbadevi, Mumbai - 400 002
Tel : +91 22 6183 2584 | +91 22 4924 1982 | I.Com : 2584/5781
E-mail : bhavikanaresh@yahoo.co.in | sureshshahtdk@gmail.com
Mob: 09820383840 | www.bhavikajewellers.com

जुगराज कांतिलाल एण्ड कंपनी
जहां विश्वास ही परंपरा है
Buyers & Sellers of
Gold & Silver Ornaments at fair price
999.9
FINE
NET WT
1000 g
Jugraj
Kantilal
& CO.
BULLION MERCHANT & COMMISSION AGENT
Shop No.1, Bherumal House, 155, Shaikh Memon Street, Zaveri Bazar
Opp. L.K. Market, Mumbai-400 002. | Tel.: 23436458 Fax: 22400440

M. Mehta & Sons

We cordially
invite you to visit us at

IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
2025

31st JULY-4th AUGUST-2025

HALL NO - 2
STALL NO.
2J -260B

Bombay Exhibition Centre, Mumbai

111, Chawla Building, 1st Floor, Office No. 14, Mumbadevi Road, Tambakata,
Paydhonie, Mandvi, Mumbai 400003. e: mmehtasons@gmail.com

Tel.: 022 2340 5678 | 022 2340 5679

श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र सहित पांच कंपनियों को सेबी की मंजूरी

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पांच कंपनियों–वीदा क्लिनिकल रिसर्च, श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र, राइट वाटर सॉल्यूशंस इंडिया, सीडवर्क्स इंटरनेशनल और एलसीसी प्रोजेक्ट्स को प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने की मंजूरी दी है। सेबी ने 3 जुलाई को वीदा क्लिनिकल रिसर्च और एलसीसी प्रोजेक्ट्स के ड्राफ्ट पेपर्स पर और 4 जुलाई को श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र, राइट वाटर सॉल्यूशंस इंडिया और सीडवर्क्स इंटरनेशनल के लिए अवलोकन पत्र जारी किए, जैसा कि ड्राफ्ट ऑफर दस्तावेजों की नवीनतम प्रोसेसिंग स्थिति में बताया गया है।

श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र आईपीओ का विवरण

मुंबई स्थित श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र ने 5 फरवरी 2025 को सेबी के पास अपने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। कंपनी 2.43 करोड़ इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम प्रस्तावित कर रही है, जिसमें कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) घटक शामिल नहीं है। इस निर्गम से प्राप्त होने वाली 250 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा, जैसा कि मिंट ने 6 फरवरी 2025 को अपनी एक रिपोर्ट में बताया था। पिछले एक साल में श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र ने भारतीय आभूषण बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया है। कंपनी, जो मुख्य रूप से मंगलसूत्र और अन्य पारंपरिक आभूषणों के डिजाइन और बिक्री में विशेषज्ञता रखती है, ने डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर अपनी उपस्थिति बढ़ाई है। 2024 में, कंपनी ने अपने उत्पादों को ऑनलाइन बिक्री के लिए प्रमुख ई-कॉमर्स साइटों पर लॉन्च किया, जिससे ग्राहक आधार में वृद्धि हुई। इसके अलावा, श्रृंगार हाउस ने क्षेत्रीय बाजारों में विस्तार के लिए कई नए स्टोर खोले, खासकर महाराष्ट्र और गुजरात में, जहां मंगलसूत्र की मांग अधिक है। 2024 के मध्य में, कंपनी ने अपने ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए कई बॉलीवुड हस्तियों के साथ सहयोग किया, जिससे इसकी ब्रांड वैल्यू में इजाफा हुआ।

> **मुंबई की श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र सहित वीदा क्लिनिकल रिसर्च, राइट वाटर सॉल्यूशंस इंडिया, सीडवर्क्स इंटरनेशनल और एलसीसी प्रोजेक्ट्स को सेबी ने आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाने की अनुमति दी है।**

चेतन थडेश्वर

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने स्थानीय कारीगरों के साथ साझेदारी करके हस्तनिर्मित मंगलसूत्र डिजाइनों को बढ़ावा दिया, जिसे ग्राहकों ने खूब सराहा। फिर भी, श्रृंगार हाउस ने अपनी इन-हाउस डिजाइन और लागत प्रबंधन रणनीतियों के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना किया। सेबी की मंजूरी के साथ, कंपनी अब अपने आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाने के लिए तैयार है, जिससे वह अपने विनिर्माण और वितरण नेटवर्क को और विस्तार दे सके। यह माना जा रहा है कि यह आईपीओ कंपनी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा।

वर्ल्ड गोल्ड मार्केट में भारत की 15 प्रतिशत है हिस्सेदारी आरबीआई के पास इतना है सोना

ग्लोबल गोल्ड मार्केट में भारत की हिस्सेदारी 15 फीसदी है। यह रिपोर्ट DSP म्यूचुअल फंड ने जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनिया का सोने का बाजार लगभग 23 ट्रिलियन डॉलर करीब 1,915 लाख करोड़ रुपये है। वहीं, दुनिया के फॉरेक्स रिजर्व यानी विदेशी मुद्रा भंडार की कुल वैल्यू लगभग 12.5 ट्रिलियन डॉलर है।

रिपोर्ट के मुताबिक आज तक जितना भी सोना निकाला गया है, उसमें से 65 प्रतिशत सोना गहनों के रूप में मौजूद है। अगर दुनिया के केंद्रीय बैंक अपने कुल ग्लोबर करेंसी रिजर्व का सिर्फ 5 प्रतिशत हिस्सा भी सोने में बदल दें, तो इसकी कीमत में भारी और लगातार बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन रिपोर्ट यह भी कहती है कि बाज़ार में इतनी बड़ी क्वांटिटी में सोना मौजूद नहीं है, जिससे इतनी डिमांड को पूरा किया जा सके। यानी मांग बढ़ेगी लेकिन सप्लाई लिमिटेड रहेगी। इससे कीमतें और ऊपर जा सकती है।

दुनियाभर के केंद्रीय बैंक अब डॉलर की जगह गोल्ड को ज्यादा भरोसेमंद विकल्प मान रहे हैं। यही वजह है कि 2024 में केंद्रीय बैंकों ने 84 अरब डॉलर का सोना खरीदा, जबकि 2000 से 2016 तक के 16 सालों में सिर्फ 85 अरब डॉलर का सोना खरीदा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के ट्रेजरी बॉन्ड्स में अस्थिरता आने के कारण अब गोल्ड को ज्यादा सुरक्षित निवेश माना जा रहा है। यही वजह है कि सोने की मांग अभी मजबूत बनी हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक के पास इस समय ८८० मीट्रिक टन यानी 8,80,000 किलोग्राम सोना है। यह बताता है कि भारत न केवल सोने का बड़ा ग्राहक है, बल्कि इसकी सरकारी स्टोरेज पॉलिसी भी गोल्ड पर भरोसा करती है। 2024 में सोने की कीमतों ने महंगाई के हिसाब से भी अपना अब तक का सबसे ऊंचा स्तर छू लिया है। यानी गोल्ड ने फिर बताया है कि इमरजेंसी के लिए सोना निवेश का सेफ ऑप्शन है।

ENZA

ETERNAL ELEGANCE

By Rajyash

+91 82912 79996

IIJS PREMIERE

INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025

HALL NO: 04

STALL NO: 4T - 492H

31ST JULY - 4TH AUGUST, 2025

BOMBAY EXHIBITION CENTRE, MUMBAI

Follow us on Instagram: @enzajewels

Shashwat
Ornaments
Purity. Finnese. Luxury
(Diamond Jewellery Unit)
Hall No.-2/Stall No.-2J 250A

IIJS INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW
PREMIERE 2025
31ST JULY - 4TH AUGUST 2025
Bombay Exhibition Center - (Mumbai)

SANGAM
CHAINS N JEWELS
(Unit of Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.)
(Gold Jewellery Unit)
Hall No.-4/Stall No.-4T 508A

Head Office : G4 Melestar House, 2nd Floor, MIDC Cross Road, A, Near Marol Bus Depot, Andheri (East), Mumbai-400093
Branches : DD Jewels Market, 4th Floor, 1st Agyari Lane, Zaveri Bazar, Opp. Khau Galli, Mumbai-400003
Branches : Thrissur (Kerala), BDB BKC (Mumbai)

VIERA®
CZ JEWELLERY
Visit us at
IIJS PREMIERE 2025
INDIA INTERNATIONAL
JEWELLERY SHOW
JULY, 2025 31-04 AUG, 2025
BOMBAY EXHIBITION CENTRE
NESCO - MUMBAI
Hall No.1
Stall No.
1G 155B
Presenting
KORA Collection
Available in
18KT and 22 KT
Office no. 16-17, 1st Floor, Rajbaug Estate, 55 Tamba Kanta,
Above B Bhagat Tarachand Hotel, Pydhoni, Mumbai -400003.
Tel: 022 61838396 | I.com : 8396 | Email: orders.viera@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

Madhuban Toyota

A fresh experience in customer delight

TOYOTA

DL
LAKHANI

Dewang Lakhani
9819384241

Beyond Celebrations...

With Best Compliments From

- LAKHANI CATERERS
- LAKHANI TRADERS
- LAKHANI CATERING
- LAKHANI HOSPITALITY
- NITYA INC

LD
Lakhani Decorator

Rajesh Lakhani
9820084241

OUR PANEL : • **SAYA RESORT** (BHIWANDI) •**TULIP STAR** (JUHU, VILE PARLE W) •**NSCI**(WORLI) • **QUEENS LAWN** (BORIVILI W)

OUR ASSOCIATES • **BAYVIEW** (MAZGAON) • **KUTCHI GROUND** (BORIVILI W) • **PARSEE GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **KORA KENDRA GROUND** (BORIVILI W) • **WILSON GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **PUSPANJALI GROUND** (BORIVILI W) • **ISLAM GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **SRPF GROUND** (JOGESHWARI E) • **SOMAIYA GROUND** (GHATKOPAR) • **JVPD** (JUHU,VILE PARLE W)

MOGRA Banquet by D Lakhani Hospitality / Rajiv Gandhi Institute, Versova Link Road, (Andheri West).

BANQUET • CATERING • DECOR • HOSPITALITY

LAKHANI BANQUET

Managed By D Lakhani Hospitality
(Malad West)

Address: Office No 6, 1st Floor, kutch Castle Building, Opp.Tiwari Sweets,Opera House, Mumbai - 400004.

Follow Us On D LAKHANI HOSPITALITY http://dlakhanihospitality.com/

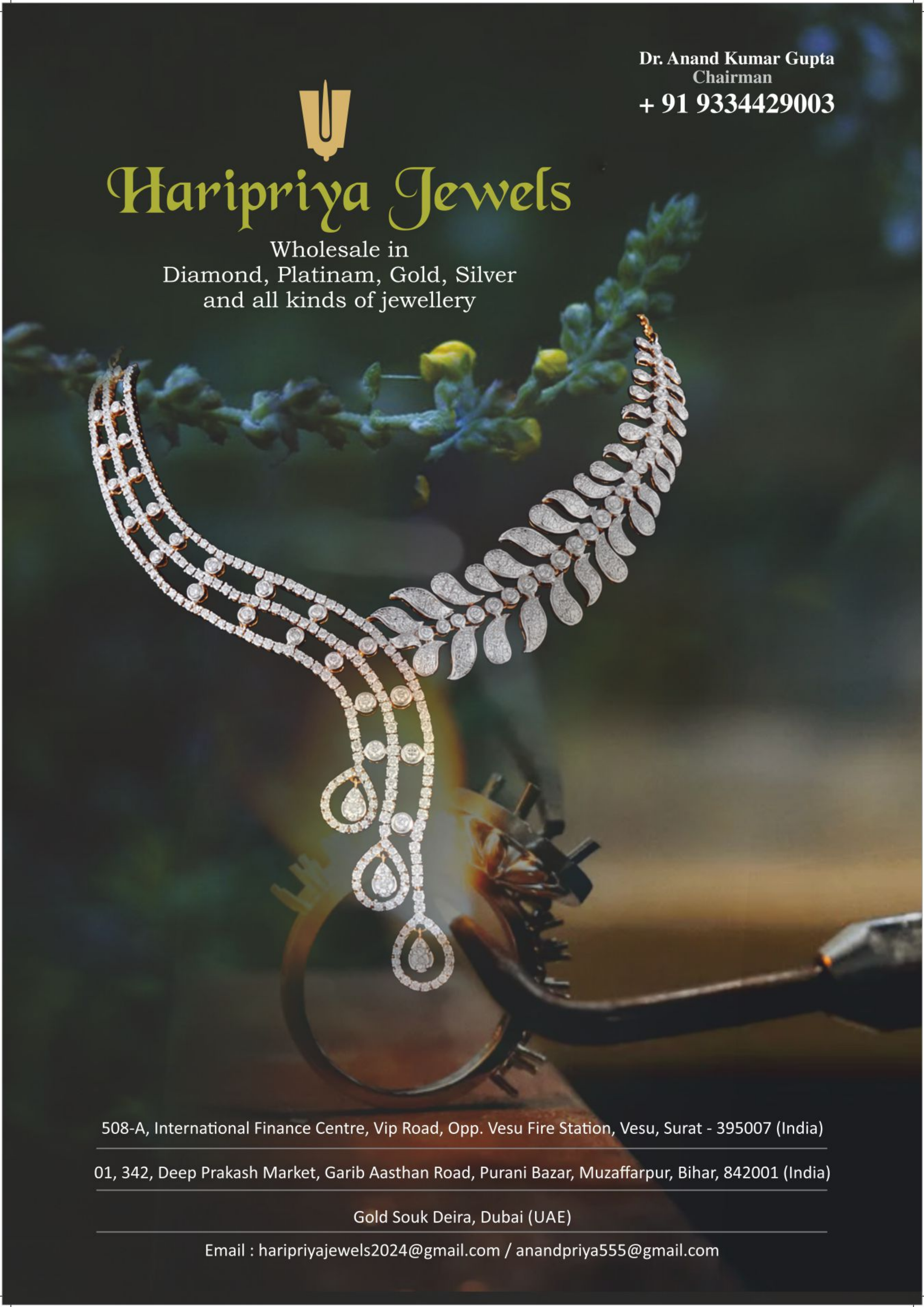
Dr. Anand Kumar Gupta
Chairman
+ 91 9334429003
Haripriya Jewels
Wholesale in
Diamond, Platinam, Gold, Silver
and all kinds of jewellery
508-A, International Finance Centre, Vip Road, Opp. Vesu Fire Station, Vesu, Surat - 395007 (India)
01, 342, Deep Prakash Market, Garib Aasthan Road, Purani Bazar, Muzaffarpur, Bihar, 842001 (India)
Gold Souk Deira, Dubai (UAE)
Email : haripriyajewels2024@gmail.com / anandpriya555@gmail.com

आपके अटल विश्वास और अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

Visit us at

iiJS PREMIERE - 2025
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW

31st July - 4th August-2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai

Hall NO. 4

Stall NO 4T 487D

Sakariya Jewels

**Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery
& Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)**

177/179, Laxmi House, Ground Floor
Near Cotton Exchange, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 | I.Com: 7285

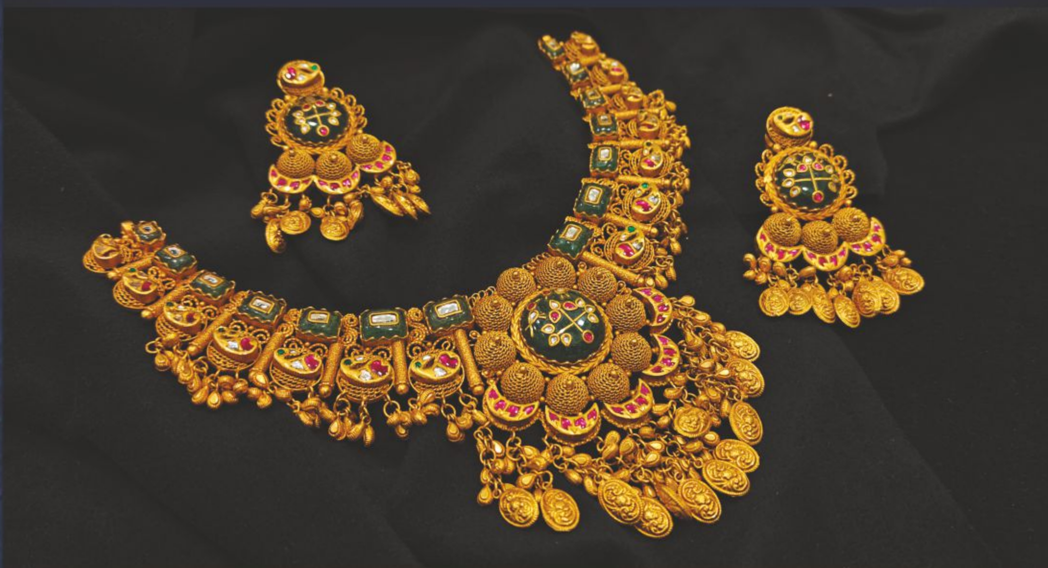

Sakariya
JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor
Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283

FREE HOME DELIVERY

NAKODA®

Pure Ghee, Edible Oils & More...

SINCE 1978

SATTVIK VERIFIED · 100% VEGETARIAN · QUALITY ASSURANCE

NATURAL KHAO...
DIL SE APNAO...®

श्रेयस की पसंद

शुद्धता, खुशबू और पोषण से भरपूर
- नाकोडा देसी घी

DAIRY SPECIAL
Pure Ghee

DAIRY TAAZA
Cow's Pure Ghee

89288 82457 / 85915 62269 / 89285 86181 / 91377 56585

GHEE AND OIL AVAILABLE IN ALL SIZES AT YOUR DOOR STEP

NAKODA TRUSTED QUALITY OVER 35 YEARS

M/s. KEWALCHAND VINODKUMAR

K.B. Products Pvt. Ltd.

Customer Care: 09819475175 | Website: www.gheetel.com | E-mail: info@gheetel.com

/nakodagheetel | An ISO 22000:2018 & HACCP Certified Company

Aabhushan Times

Edition, July - 2025

ADVERTISEMENTS INDEX

ADVERTISER	PAGE NO.
Anand Darshan Silvers	76-77
Ansaa Jewellers (P) Ltd.	75
Aradhana Jewellers Pvt. Ltd.	73
Arihant 925 Jewellers Pvt. Ltd.	94
B.D. Bangles	17
Bhavika Jewellers	101
Bhawani Gold Pvt. Ltd.	15
Brahammand	96
Carron Clothings	78
Chainory (Chains Corner)	60
Chains Corner Jewellery (I) Pvt. Ltd.	29
Dintara Jewels	3rd Cover
ENZA Eternal Elegance	105
Forever Jewels	41
Gaurakkii	54-55
GJEPC	Front Gate Fold
GJS (GJC)	Front Cover
GM Modular	5
Haripriya Jewels	110
Jugraj Kantilal & Co.	102
Kanak Jewels	49
Kanak Ratna	57
Kewalchand Vinodkumar	112
Lakhani Banquet	109
Laxmi Diamonds	93
Laxmi Gold	43
M. Mehta & Sons	103
Madhuban Toyota	108
Mangal Mani Jewellers Ltd.	33
Master Chains & Jewels	47
Mithali Gold	27
ML Kamhaiyalal Jewels	95
Munot Ornaments	71
MyGold	37
Nice Insurance Landmark	45
Pooja Jewellers	61
Purple Jewels Pvt. Ltd	97
R. Kothari Jewellers Pvt. Ltd..	83
Raj Jewellers	62-63
Royal Chain Pvt. Ltd.	99
S.K. Jewellers Pvt. Ltd.	80
S.K. Seth Co. Jewellers	21
Sakariya Jewels	111
Samruddhi Jewelcraft	115
Sangam Chains & Jewels	106
Sangam House of Jewels	85
Shanti Gold Inernational Ltd..	2nd Cover
Shineshilpi	31
Shree Vardhaman Jewellers	84
Shringar House of Mangalsutra Ltd.	23
Silver Emporium	79
Silverio Artessa Pvt. Ltd.	87
Sky Chains.	19
Sky Gold & Diamonds	Last Cover
Sparsh Jewels	Last Gate Fold
SS Gemss Jewellery	81
Surana Silver House	88
Swanrn Shilp	67,116
Swarn Shree Chain	39
Unique Chains & Jewels Ltd..	25
Viera CZ Jewellers.	107
Vinayak Exports	35
Viraj Jewels	72

This Alphabetically Arranged Index is only intended as Reference for our Readers and is not a priority list

आइआइजेएस हमारी उम्मीदो का आयोजन है

किरण जैन
पूजा ज्वेलर्स

आइआजेएस आ रहा है, जो हमारे व्यापार को गति देगा। फिलहाल तो बाजार से ग्राहक गायब हैं और सीजन ठंडा है। विवाह का सीजन न होने से बाजार में मंदी हैं। लेकिन जब जब आइआइजेएस आता है, तो ग्राहकी की उम्मीद बढ़ती है। यह शो भारत सहित विदेशों में भी भारतीय ज्वेलरी उद्योग को चमकाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

पंकज जैन
संगम चेन एन ज्वेल्स

आइआइजेएस ज्वेलरी शो से देश के देश के हर ज्वेलर को उम्मीद है कि इस बार का शो भी हर साल की तरह सभी के लिये व्यापारिक रूप से सफल होगा और विशेष रूप से ज्वेलरी कारोबार के विकास में सहायक साबित होगा। आइआइजेएस में हजारों व्यापारी अपने व्यवसाय को मजबूत करते हैं।

अमित सोनी
एमएल कन्हैयालाल ज्वेल्स

इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो यानी आइआइजेएस भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी एग्जिबिशन है तथा दुनिया में दूसरे नंबर का सबसे बड़ा शो है। मुंबई में यह शो 40 साल से लगातार हो रहा है तथा देश के हर ज्वेलर को इस ज्वेलरी एग्जिबिशन से व्यापार बढ़ने की उम्मीद है।

रमेश राणावत
एसएस जेम्स

कहते हैं कि उम्मीद पर दुनिया कायम है। अगर हमारे दिल में उम्मीद है, तो सफलता जरूर मिलेगी। आइआइजेएस प्रीमियर ज्वेलरी एग्जिबिशन के आयोजकों सहित पूरे बाजार के प्रत्येक ज्वेलर को उम्मीद है किइस बार का आइआइजेएस हमारे व्यापार को सफलता देगा।

अक्रांत कोठारी
आर कोठारी एण्ड कं. ज्वेलर्स

हम कई साल से देख रहे हैं कि आइआइजेएस देश - विदेश के ज्वेलर्स को लुभाता है। जीजेईपीसी बीते 40 सालों से लगातार आइआइजेएस का सफलतम आयोजन करता आ रहा है, तथा इस बार यह आइआइजेएस अपने आप में बेहद सफल आयोजन बनेगा, यही उम्मीद है।

अश्विन शाह
अंसा ज्वेलर्स प्रा. लि.

भारतीय ज्वेलरी जगत में आईआईजेएस प्रीमियर के बारे में माना जाता है कि यह भारत का सबसे प्रमुख बी टू बी ज्वेलरी शो है, जिससे हर किसी की बिजनेस बढ़ता है, नए व्यापारी मिलते हैं, तथा डिजाइंस भी मिलते हैं। इसी वजह से न केवल ज्वेलर्स को, बल्कि बड़े बड़े उद्यमियों तथा एक्सपोर्टर्स को भी इस शो से काफी उम्मीदें हैं।

संजय जैन
एस के ज्वेलर्स

आइआइजेएस प्रीमियर एकमात्र ज्वेलरी एग्जिबिशन है, जो साल दर साल लगातार ज्वेलरी बिजनेस को विकसित करने की दिशा में काफी महत्वपूर्ण साबित होती जा रही है। इस बार हो रहा आइआइजेएस ज्वेलरी शो का यह 41वां आयोजन बाजार को विकास की नई दिशा देगा।

धीरज मेहता
एम मेहता एण्ड सन्स

आगामी 30 जुलाई से 5 अगस्त तक मुंबई में दो जगहों पर विशाल पैमाने पर आयोजित होनेवाले आइआइजेएस प्रीमियर को लेकर देश भर के ज्वेलर्स में काफी उम्मीदें हैं। दुनिया भर से ज्वेलर्स इसमें आ रहे हैं, तथा सभी के लिए वहां पर कुछ न कुछ खास होनेवाला है। इस बार का शो हर ज्वेलर के विश्वास पर हर तरह से काफी खरा उतरेगा।

इन्द्रजीत सुराणा
सुराणा सिल्वर

जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल जिसे हम लोग शॉर्ट में जीजेईपीसी कहते हैं, वह इस बार भी 30 जुलाई से 5 अगस्त तक इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (आईआईजेएस) का आयोजन करने जा रहा है, यह शो हमारे के विकास की उम्मीदों का आयोजन कहा जाता है।

प्रविण साकरीया
साकरीया ज्वेलर्स

आइआजेएस शो ज्वेलरी इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं खासकर बिजनेस ग्रोथ और आर्थिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यापार के अवसर और संभावनाओं के विकास का सबसे बड़ा आयोजन है। सच कहा जाए, तो आइआइजेएस भारतीय ज्वेलरी इंडस्ट्री का सबसे बड़ा आयोजन है।

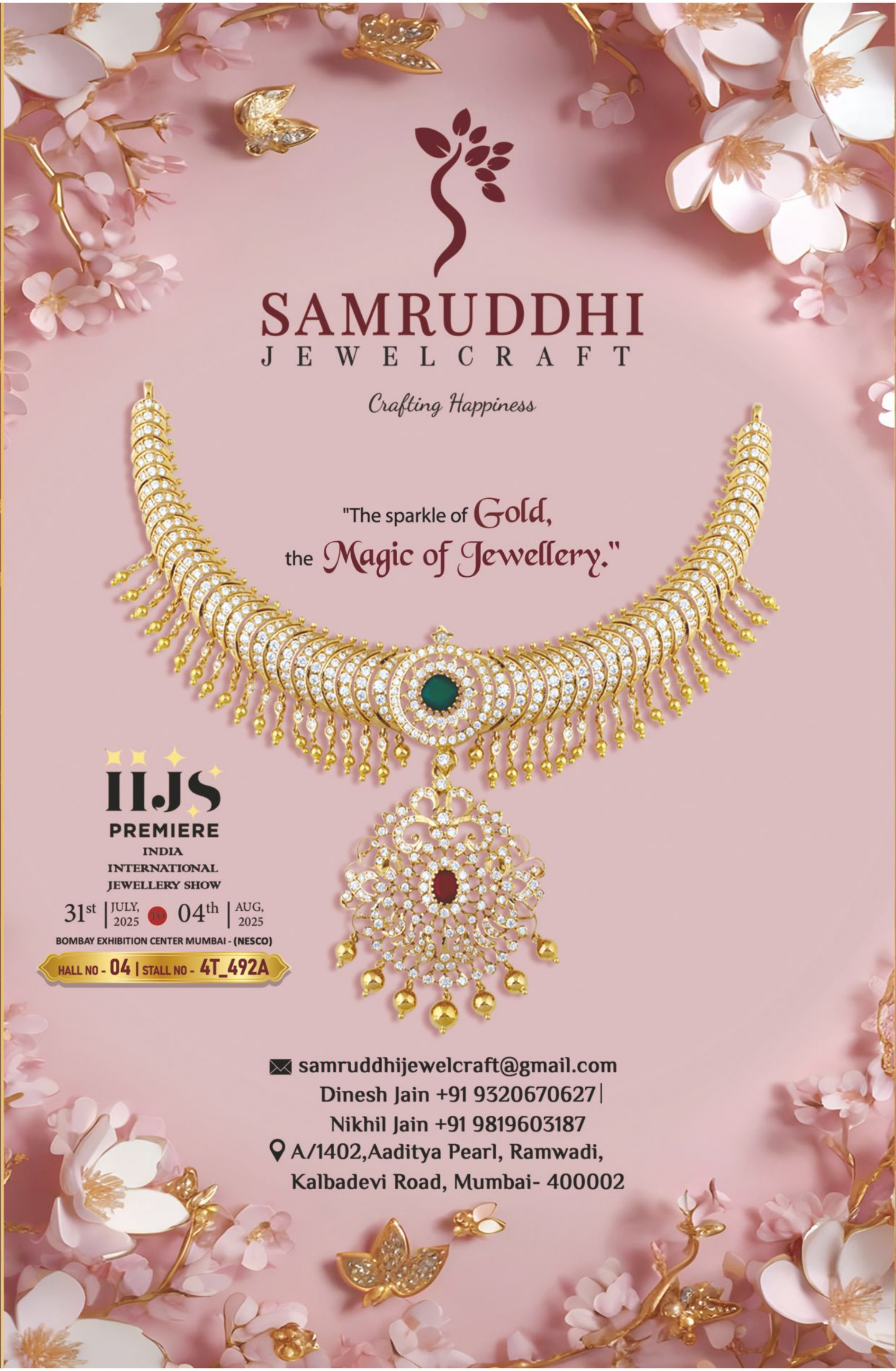
SAMRUDDHI
JEWELCRAFT
Crafting Happiness
"The sparkle of Gold,
the Magic of Jewellery."
IIJS
PREMIERE
INDIA
INTERNATIONAL
JEWELLERY SHOW
31st JULY, 2025 to 04th AUG, 2025
BOMBAY EXHIBITION CENTER MUMBAI - (NESCO)
HALL NO - 04 | STALL NO - 4T_492A
samruddhijewelcraft@gmail.com
Dinesh Jain +91 9320670627 |
Nikhil Jain +91 9819603187
A/1402,Aaditya Pearl, Ramwadi,
Kalbadevi Road, Mumbai- 400002

Swarn Shilp®
CHAINS & JEWELLERS PVT. LTD.
An exclusive AR brand

IIJS PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW

18kt/20kt/22kt
Ready Stock
Available

31st JULY
to
4th AUG
2025

Stall No.:
3N 382B

Nesco, Mumbai.

Headquarter: Mumbai
Branches: Bangalore, Delhi, Chennai, Ahmedabad, Dubai

Order No.: +912244002000 | 9930822261
www.swarnshilpchains.com | Email: info@swarnshilpchains.com
H.O.: 115, 1st Floor, Bullion House, Tambkatta, Pydhonie, Mumbai - 400003

DINTARA JEWELS

Lab Grown Diamond Jewellery

a brand by Choksi Vimal® Bullion LLP Since 1949

Shop No. 3/4, 27, Round Chawl, Mumbadevi Road, Tambakata, Kalbadevi, Mumbai, Maharashtra - 400 002.
Intercom : 2781# | Tel.: 022 - 61832781, Email : shine@dintara.in, Web.: www.dintara.in

SPARSH JEWELS

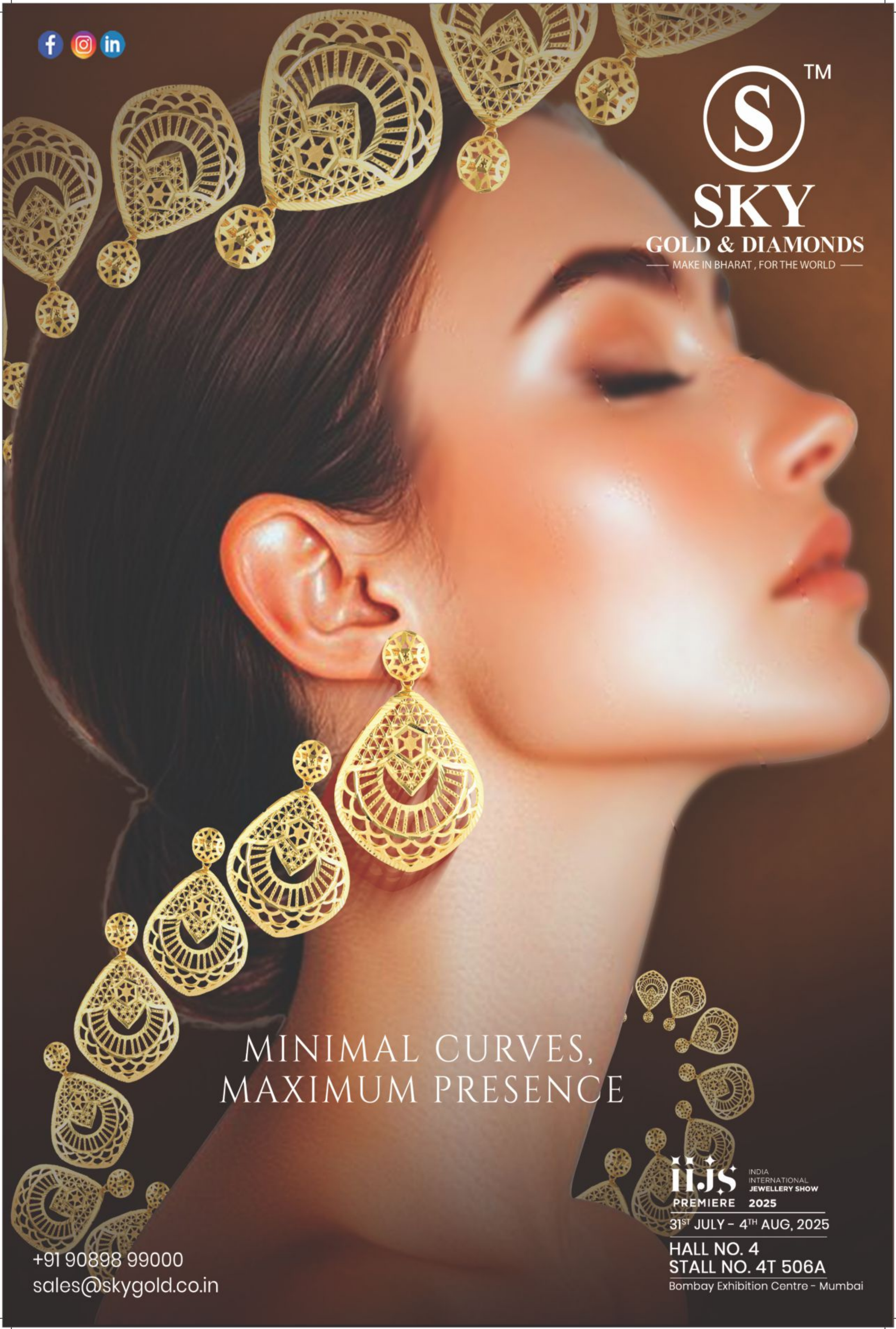

SKY
GOLD & DIAMONDS
MAKE IN BHARAT , FOR THE WORLD
MINIMAL CURVES,
MAXIMUM PRESENCE
iijs PREMIERE
INDIA INTERNATIONAL JEWELLERY SHOW 2025
31ST JULY - 4TH AUG, 2025
HALL NO. 4
STALL NO. 4T 506A
Bombay Exhibition Centre - Mumbai
+91 90898 99000
sales@skygold.co.in